रोहतक

रविवार, 16 जून, 2024

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, दशमी वर्ष : 28, अंक : 140

पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम

अधि. 44.7

न्यून. 30.2

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

हैप्पी फादर्स-डे

दीन दयाल जन आवास योजना

RERA REGISTRATION NO.: HRERA-PKL-JJR-534-2024

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

दीन दयाल हरियाणा प्लॉट

UNDER DEEN DAYAL JAN AWAS YOJNA 2016, GOVERNMENT OF HARYANA

फ्री होल्ड आवासीय प्लॉट

सेक्टर–30, झज्जर–एनसीआर, हरियाणा

Payment Plan 10:40:25:25

RERA REGISTERED

General Public is hereby informed that Affordable plots under Deen Dayal Jan Awas Yojna is open for Registration

33% महिलाओं एवं सरकारी कर्मचारियों के लिए आरक्षित

हरियाणा सरकार द्वारा स्वीकृत दीन दयाल आवास योजना में अपना प्लाट

Gymnasium

Attached Market

CCTV Camera

Kids Play Area

Multipurpose Court

Swimming Pool

24x7 Security

UNBELIEVABLE PRICES * PRIME LOCATION * SMART INVESTMENTS

Pay Just Rs 40,000/- for Registration

(Registration Amount refundable to all unsuccessful applicants)

LOAN APPROVED FROM ALL LEADING BANKS

Today is Last Date of Registration

Allocation Date: 19th June, 2024

Payment Plan

Type	Plot Size (Sq. Yd.)	Plot Size (Sq. Mtr.)	Registration Amount	10% within 5 days	40% within 30 days	25% within 90 days	25% Payment on Possession	Total Cost
Type-A	113.14	94.59	₹ 40,000	₹ 3,84,275	₹ 16,97,100	₹ 10,60,688	₹ 10,60,688	₹ 42,42,750
	116.14	97.09	₹ 40,000	₹ 3,95,525	₹ 17,42,100	₹ 10,88,813	₹ 10,88,813	₹ 43,55,250
	117.78	98.46	₹ 40,000	₹ 4,01,675	₹ 17,66,700	₹ 11,04,188	₹ 11,04,188	₹ 44,16,750
	119.40	99.82	₹ 40,000	₹ 4,07,750	₹ 17,91,000	₹ 11,19,375	₹ 11,19,375	₹ 44,77,500
	121.07	101.21	₹ 40,000	₹ 4,14,013	₹ 18,16,050	₹ 11,35,031	₹ 11,35,031	₹ 45,40,125
	122.61	102.50	₹ 40,000	₹ 4,19,788	₹ 18,39,150	₹ 11,49,469	₹ 11,49,469	₹ 45,97,875
	124.37	103.97	₹ 40,000	₹ 4,26,388	₹ 18,65,550	₹ 11,65,969	₹ 11,65,969	₹ 46,63,875
	127.15	106.30	₹ 40,000	₹ 4,36,813	₹ 19,07,250	₹ 11,92,031	₹ 11,92,031	₹ 47,68,125
	129.27	108.07	₹ 40,000	₹ 4,44,763	₹ 19,39,050	₹ 12,11,906	₹ 12,11,906	₹ 48,47,625
Type-B	148.75	124.36	₹ 40,000	₹ 5,17,813	₹ 22,31,250	₹ 13,94,531	₹ 13,94,531	₹ 55,78,125
	159.42	133.28	₹ 40,000	₹ 5,57,825	₹ 23,91,300	₹ 14,94,563	₹ 14,94,563	₹ 59,78,250
	160.96	134.56	₹ 40,000	₹ 5,63,600	₹ 24,14,400	₹ 15,09,000	₹ 15,09,000	₹ 60,36,000
	179.07	149.70	₹ 40,000	₹ 6,31,513	₹ 26,86,050	₹ 16,78,781	₹ 16,78,781	₹ 67,15,125

Taxes & other charges as applicable*

Location Advantage

- Reliance MET City, KMP Exp.-10 Min.
- AIIMS-Jhajjar-15 Min.
- Dwarka Expressway- 30 Min.
- Indospace Industrial Park -5 Min.
- Bus Stand-Jhajjar-1.5 km.,
- Railway Station/Civil Hospital 3 km.

For Online Registration :

www.deendayalharyanaplots.com

☎ +91-98102-39739

Scan with Google lens & Register

खबर संक्षेप

इनेलो की 17 जून से 23 तक जिला स्तरीय बैठकें

चंडीगढ़। इनेलो की जिला स्तरीय बैठकें 17 जून से शुरू होंगी और 23 जून तक चलेंगी। इन बैठकों में इनेलो के जिला अध्यक्ष, हलका अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता समेत पूर्व विधायक, पूर्व सांसद भाग लेंगे। इन बैठकों को इनेलो के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला और प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा संबोधित करेंगे।

हरियाणा में खुले आम पनप रहा टैंकर माफिया

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने शनिवार को पानीपत और सोनीपत में हो रही पानी की चोरी को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा और कहा हरियाणा की बीजेपी सरकार मूनक नहर में हो रही पानी की चोरी पर लगाम लगाने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा एक तरफ हरियाणा सरकार दिल्ली सरकार पर टैंकर माफिया को बढ़ावा देने का आरोप लगा रही है, जबकि उसके उलट हरियाणा में टैंकर माफिया मूनक नहर से पानी चुराने में लगा हुआ है।

एचएयू में फल, फूल सब्जी पर प्रशिक्षण

चंडीगढ़। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा 18 से 20 जून तक नर्सरी रेजिंग (फल, फूल, सब्जी) और 24 से 26 जून तक मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण में प्रवेश पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा।

रिश्वत के आरोप में छह लोगों पर मुकदमा दर्ज

पंचकूला। हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम को बड़ी सफलता मिली। टीम ने हिसार में रिश्वत के आरोप में छह लोगों पर मुकदमा दर्ज किया। इनमें से तीन व्यक्ति पुलिस अधिकारी है जबकि तीन निजी व्यक्ति हैं। एसीबी की टीम ने इनमें से संचित(गंगवा निवासी) नामक व्यक्ति को 4,00000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा को विस चुनाव में पूरी फिल्म दिखाएंगे

चंडीगड़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में वोट की चोट का जो ट्रेलर आपने भाजपा को दिखाया है, अक्टूबर के प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में उसकी पूरी फिल्म सी दिखा दो। एक करड़ा सा जोट्टा आपने विधानसभा चुनाव में मार दिया तो फिर सत्ता आपकी देहली, आपके दरवाजे पर लाने की गारंटी हम लेते हैं। भाजपाइयों ने 10 साल के राज में जितने भी जनविरोधी फैसले लिए हैं, प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही उन्हें जनहितैषी में बदलने का काम हम करेंगे।

लोकसभा चुनाव में हार के बाद आरोप प्रत्यारोप शुरू

रणजीत चौटाला पर भड़के बराला, कहा-उन पर कांग्रेस का असर, भाजपा अनुशासित कार्यकर्ताओं की पार्टी

- रणजीत चौटाला के वायरल वीडियो में लोकसभा चुनाव में भाजपा नेताओं पर लगाए थे भीतरघात के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भाजपा के लोकसभा चुनाव कमेटी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने हिसार से चुनाव हारे रणजीत चौटाला के जयचंद वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बराला ने कहा कि भाजपा अनुशासित कार्यकर्ताओं की पार्टी है और भाजपा में अनुशासन ही सवार्ेपरि है। उन्होंने नसीहत देते हुए कहा कि रणजीत चौटाला को इस बात का ध्यान रखना होगा। वे अपने उपर कांग्रेस का असर न दिखने दें। शनिवार को टोहाना में अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुभाष बराला ने कहा कि भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़े रणजीत सिंह वरिष्ठ नेता हैं। उनके ऊपर कभी कभी कांग्रेस का असर आ जाता होगा, क्योंकि सारी उम्र वे कांग्रेस में ही रहे हैं।

कांग्रेस ने झूठ बोल कर लोगों को गुमराह किया

सुभाष बराला।

बता दें कि मीडिया में रणजीत चौटाला ने अपनी हार पर कहा था कि वे कुछ जयचंदों के कारण चुनाव हारे हैं। एक वायरल ऑडियो में रणजीत चौटाला की हार का ठिकरा कुलदीप बिश्नोई, सुभाष बराला पर फोड़ा गया था। सुभाष बराला ने कहा कि जवाहर लाल नेहरु के बाद आज पहला ऐसा मौका आया है जब देश की जनता ने किसी पार्टी अथवा व्यक्ति पर इतना विश्वास व्यक्त किया कि उन्हें लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया। कांग्रेस पर बरसते हुए सुभाष बराला ने कहा कि कांग्रेस ने गुमराह कर छलावा कर और झूठ बोल कर लोगों को गुमराह किया।

भाजपा फिर सत्ता में आएगी

सुभाष बराला ने कहा कि कांग्रेस ने लोगों को संविधान खत्म हो जाएगा, का झूठ बोला, महिलाओं को उनके खाते में 8500-8500 रुपए प्रति माह देने का झूठ बोला, मगर देश की जनता ने फिर भी अकेली भाजपा को इतना जनादेश दिया, जितना कि पूरी इंडी एलांयस को नहीं मिला। कांग्रेस की गुटबाजी के सवाल पर बोलते हुए सुभाष बराला ने कहा कि कांग्रेस में जबरदस्त गुटबाजी है, कहीं हुड्डा अपने बेटे को सीएम बनाना चाहते हैं तो सुरजेवाला, तो कही कुमारी सैलजा सीएम बनना चाहती है। उन्होंने कहा कि पता नहीं कांग्रेस में कौन कौन सीएम बनना चाहता है। इनकी गुटबाजी इस कदर है कि लोगों ने सरेआम इनमें जुतम पेजार होती देखी है। उन्होंने कहा कि जनता इन्हें गंभीरता से नहीं लेने वाली और प्रदेश में एक बार फिर भाजपा सत्ता में आएगी। पार्टी के कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव में एक बार फिर विजय दिलाएंगे।

आवासीय व व्यावसायिक संपत्तियों की ई-नीलामी 27 जून व 18 जुलाई को

चंडीगढ़। हाऊसिंग बोर्ड हरियाणा द्वारा हरियाणा में नयी संशोधित नीति के अनुसार विभिन्न जिलों की आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों की पोर्टल के माध्यम से 27 जून, 18 जुलाई तथा पहली अगस्त, 2024 को ई-नीलामी की जाएगी। बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि पलवल, रेवाड़ी, गुरुग्राम, कुरुक्षेत्र, कैथल, रोहतक, रतिया, सिरसा, झज्जर, हिसार, टोहाना, फतेहाबाद, करनाल, घरौंडा, सोनीपत, पानीपत, नरवाना, पंचकूला, यमुनानगर, अम्बाला कैंट व धारूहेड़ा की आवासीय संपत्तियों की ई-नीलामी की जाएगी।

अंबाला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर बोला हमला

कांग्रेस ने 8500 रुपये बैंकों में डालने का झूठा वादा करके मतदाताओं को ठगा

- पूर्व सीएम हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा- कांग्रेस कार्यकाल में दी नौकरियों पर जारी करें श्वेतपत्र
- कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के चलते भाईचारा खराब किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला/चंडीगढ़

अंबाला। विकसित भारत-विकसित हरियाणा के तहत आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा के भारतीय जनता पार्टी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक ऐसा नेता मिला है, जो निरंतर लोगों की भलाई के लिए प्रधान सेवक के रूप में कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री शनिवार को संगीत पैलेस अंबाला शहर में विकसित भारत-विकसित हरियाणा के तहत आयोजित कार्यकर्ता बैठक को संबोधित कर रहे थे। यहां सीएम सैनी ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में 8500 रुपये खटा-खट खटा-खट देने जैसे झूठे लोकलुभावन वादे करके लोगों को धोखा दिया। कांग्रेस ने जो पाप किया है और इनकी जो भ्रष्टाचारी नीतियां हैं उनको लोग अच्छी तरह से जानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में रिकॉर्ड तोड़ विकास के कार्य हुए हैं । पूरे विश्व में प्रधानमंत्री मोदी की छवि एक सशक्त नेता के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी किसानों के सच्चे हितेषी हैं, जिन्होंने तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालते ही पहला कार्य 20 हजार करोड़ रुपये की राशि किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के खाते में डालने का काम किया है।

बिना पर्ची और बिना खर्ची के मिली नौकरी

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले साढ़े नौ साल में युवाओं को बिना खर्ची-बिना पर्ची के योग्यता के आधार पर नौकरी देने का कार्य किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व सरकारों के कार्याकाल के दौरान जो नौकरियां दी हैं, उस पर श्वेत पत्र जारी करें और बताएं कि उन नौकरियों में कोर्ट ने क्या निर्णय दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे भी इस बारे में श्वेत पत्र जारी करने का तैयार हैं।

10 साल में रिकॉर्ड तोड़ विकास के कार्य हुए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में रिकॉर्ड तोड़ विकास के कार्य हुए हैं तथा पूरे विश्व में प्रधानमंत्री मोदी की छवि एक सशक्त नेता के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के सच्चे हितेषी हैं, जिन्होंने तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालते ही पहला कार्य 20 हजार करोड़ की राशि किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के खाते में डालने का काम किया है।

समाधान शिविर में हो रहा समस्याओं का निवारण

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान के लिये पूरे प्रदेश में जिला व उपमंडल स्तर पर उपायुक्त तथा एसडीएम द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ प्रातः 9 से 11 बजे तक प्रत्येक कार्य दिवस में समाधान शिविर आयोजित कर समस्याओं का निवारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश की डबल इंजन की सरकार गरीब के साथ-साथ हर वर्ग के उत्थान के लिये काम कर रही है। मोदी के नेतृव में सरकार सीधे रूप से जनता को लाभ पहुंचा रही हैं और वह बेहतर ढंग से देश का विकास हो रहा है।

सीएम ने राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात की

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से सीएम नायब ने देर शाम राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की। राज्यपाल ने सीएम को चुनाव में जीत दर्ज करने पर मिठाई खिलाकर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। सीएम ने राज्यपाल को प्रदेश की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कर रही है काम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

सुभाष सुधा

हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि अधिकारी तय समय सीमा के अंदर काम को पूरा करें और किए जा रहे कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। सरकार सबका साथ-सबका विकास व सबका विश्वास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। मंत्री कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के थर्ड गेट से ज्योतिसर तक की सडक़ का कार्य शुरू करने उपरांत उपस्थित अधिकारियों से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यह सडक़ लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही है और इसके निर्माण पर करीब 17 करोड़ 51 लाख रुपये खर्च होंगे और जल्द से जल्द इस सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री सैनी के आदेशानुसार शहर के लाखों लोगों को सहूलियत देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए है। इन फैसलों से लोगों का जीवन सहज होगा और नगर निकायों से संबंधित कार्यों के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

30 को आएंगी सुनीता केजरीवाल, विस चुनाव का करेंगी आगाजः सुशील गुप्ता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

सभी 90 विधान सभाओं में मीटिंग करेंगे रणनीति बनाई जाएगी

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने जींद के आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय से प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि 30 जून को हरियाणा में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को बुलाया गया है। 30 जून को हरियाणा में सुनीता केजरीवाल आएंगी और विधानसभा चुनाव का आगाज करेंगी। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा के बाद रैली का स्थान निर्धारित किया जाएगा। आम आदमी पार्टी बूथ स्तर तक अपने संगठन को मजबूत कर रही है और एक एक कार्यकर्ता से मिल रही है। उन्होंने कहा कि आगामी तीन दिन के अंदर हमारे सभी संगठन मंत्री हरियाणा के सभी 22 जिलों में मीटिंग करेंगे और आगामी एक सप्ताह में सभी 90 विधानसभाओं में मीटिंग करेंगे, कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और गांव गांव जाएंगे।

फाइनेंस की फॉर्च्यूनर गाड़ी बेचकर फ्रॉड करने का आरोपी धर दबोचा

- फाइनेंस से खींची हुई फॉर्च्यूनर गाड़ी 40 लाख में खरीदी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

अपराध शाखा ऊंचा गांव की टीम ने फाइनेंस की गाड़ी बेचकर फ्रॉड के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मामले में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी अश्वनी सेक्टर-41-42 अमर नगर फरीदाबाद का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से नोएडा से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ रेनुबाला ने एक शिकायत थाना शहर बल्लभगढ़ में दी थी। जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता के द्वारा आरोपी से एक फाइनेंस से खींची हुई फॉर्च्यूनर गाड़ी 40 लाख रुपए में खरीदी गई थी। जिसके शिकायतकर्ता ने पूरे पैसे दे दिए थे और आरोपी के द्वारा फॉर्च्यूनर गाड़ी शिकायतकर्ता को दी गई थी। लेकिन फॉर्च्यूनर गाड़ी शिकायतकर्ता के नाम नहीं हुई। जिसकी परेशानी को देखते हुए शिकायतकर्ता ने आरोपी से पैसे मांगने स्टार्ट कर दिए। जिसमें आरोपी ने शिकायतकर्ता को 26 लाख रुपए वापस दे दिए थे। आरोपी ने फिर गाड़ी को नाम करने का झांसा देकर शिकायतकर्ता से 700000 और ले लिए थे। इसके बाद आरोपी ने सर्फि 50000 और दिए। आरोपी पूर्व में भी इस प्रकार के दो मामलों को अंजाम दे चुका है।

अंबाला से सांसद वरुण ने मुलाना विधान सभा सीट से दिया इस्तीफा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

अंबाला लोकसभा सीट से सांसद और मुलाना सीट से विधायक वरुण मुलाना ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। मुलाना का कहना है कि वे मुलाना सीट विधायक थे, वहां की जनता का आशीर्वाद मिला था। सांसद बनने के बाद विधायक पद से उन्होंने इस्तीफा सौंपा है। वरुण ने कहा कि जन जन की आवाज बनने का प्रयास करूंगा। हरियाणा विधानसभा केअध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता का धन्यवाद करते हैं। वरुण ने कहा कि विधानसभा में उन्हें काफी कुछ सीखा है, अब लोकसभा में भी वह मजबूती से सभी मुद्दों को उठाएंगे। विधानसभा चुनाव की तैयारी पर बोले वरुण मुलाना ने कहा कि तैयारी पहले लोकसभा की रहेगी और अब विधानसभा के लिए। टिकट वितरण ठीक तरीके से हुआ।

निर्दलीय विधायक गोलन बोले-भाजपा में वापसी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

कार्यकर्ताओं से विचार करके लिया था कांग्रेस को ज्वाइन करने का निर्णय

विधायक रणधीर सिंह गोलन ने कहा कि भाजपा को छोड़ने और कांग्रेस को ज्वाइन करने का निर्णय उन्होंने जनता से सलाह करके ही लिया था, वे आज भी अपने फैसले पर अडिग हैं, भाजपा छोड़कर उन्होंने कोई गलती नहीं की। जनसंपर्क अभियान के पश्चात पत्रकारों से बातचीत में गोलन ने कहा कि भाजपा में वापसी का सवाल ही पैदा नहीं होता। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा मान-सम्मान की लड़ाई लड़ी है और यदि मान-सम्मान पर ठेस आई है तो डटकर मुकाबला भी किया है। भारतीय जनता पार्टी की पूंडरी विधानसभा क्षेत्र से जीत पर बोलते हुए रणधीर सिंह गोलन कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में 54 हजार से भारतीय जनता पार्टी की यहां से हार हुई थी और विधानसभा चुनाव 2019 में भी भाजपा की हार हुई थी। यह चुनाव मोदी के नाम का और देश का चुनाव था इस चुनाव में हलका स्तर की कोई बात नहीं होनी चाहिए।

एक्शन खुफिया विभाग में तबादले, कई अन्य विभागों में भी मुहिम की तैयारी

चुनावों में खेल करने वाले अफसरों पर कार्रवाई शुरू

- ऊर्जा और जनस्वास्थ्य विभाग में भी व्यापक तबादलों की बारी जेई, एसडीओ से लेकर एक्सईएन की सूची किसी वक्त

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

आखिरकार लोकसभा चुनाव 2024 आला-अफसरों के दिशा निर्देशों के अनुसार काम नहीं करने और कुछ सियासी आकाओं के इशारों पर खेल करने वाले कर्मियों अफसरों पर शिकंजे की शुरुआत हो गई है। बताया जा रहा है कि राज्यभर के विभिन्न विभागों बिजली निगमों, जनस्वास्थ्य विभाग, सीआईडी सहित कई विभागों में कार्रवाई शुरु हो गई है।

इस संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल और वर्तमान सीएम नायब सैनी ने दोनों ने ही लापरवाह, कामचोर और सरकार के दिशा निर्देश नहीं मानने वालों पर आचार संहिता समाप्त होते ही कार्रवाई की चेतावनी दी थी। अब इस तरह के कर्मियों और अफसरों पर कार्रवाई की शुरुआत हो गई है।

बिजली निगमों और जनस्वास्थ्य विभाग में भी बदलाव

हरियाणा सरकार के निर्देशों पर राज्य के बिजली निगमों और जनस्वास्थ्य विभाग में भी तबादले की बयार चलेगी, जिसके लिए होमवर्क कर लिया है। सूत्रों का कहना है कि इस तरह का इशारा बिजली मंत्री द्वारा गत दिवस बैठक लेकर इस तरह की काली भेड़ों पर कार्रवाई के लिए कहा था। विभाग के अंदर लापरवाह और चुनावों के दौरान सियासी आकाओं को खुश करने की फिराक में काम करने वालों पर सरकार की ओर से शिकंजे की तैयारी है। बताया जा रहा है कि रविवार और सोमवार को सरकारी अवकाश होने के कारण मंगलवार को तबादलों की सूची जारी हो सकती है।

सियासी आकाओं को खुश किया

राज्य के विभिन्न जिलों और लोकसभा क्षेत्रों में काफी संख्या में कुछ अफसरों और कर्मियों ने अपने सियासी आकाओं को खुश करने के लिए उनके लिए काम किया है। इसके बारे में पुख्ता रिपोर्ट और साक्ष्यों के साथ में राज्य सरकार के पास रिपोर्ट आने के बाद ही शिकंजा कसा जा रहा है।

बड़े अफसरों पर भी गिरेगी गाज

राज्य की अफसरशाही में भी तबादलों की मुहिम चलेगी, इसके लिए गत दो सप्ताह से इंतजार हो रहा है। बताया जा रहा है कि सीएमओ में बदलाव के साथ साथ राज्यभर के कई जिलों में डीसी, एडीसीसी, एसडीएम और आला अफसरों को बदलने की तैयारी है। आने वाले वक्त में क्योंकि विधानसभा चुनावों की भी तैयारी है, इसलिए सरकार विकास और लंबित कामों को रफ्तार देने के लिए सक्रिय अफसरों को ही फील्ड में लगाने की तैयारी में हैं। नकारात्मक, जनप्रतिनिधियों से नहीं मिलने वाले और काम ठीक से नहीं करने वालों को साइड लाइन करने की तैयारी है।

दिशा-निर्देशों का पालन नहीं हुआ

लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान दिशा निर्देशों का ठीक तरह से पालन नहीं करने और फील्ड में उतरकर ग्राउंड रिपोर्ट नहीं देने वालों पर गाज गिरने लगी है। सूत्रों का कहना है कि सीआईडी चीफ हरियाणा इस तरह के कर्मियों और अफसरों से सख्त नाराज हैं, जिसके कारण फील्ड में तैनात कर्मचारियों के ट्रांसफर करने शुरू कर दिए गए हैं। हरियाणा में लापरवाह और कामकाज ठीक तररह से नहीं करने वालों पर गाज गिरने लगी है। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में बदलाव किए जाने की तैयारी है। बीती देर सीआईडी चीफ और एडीजीपी आलोक मित्तल ने फील्ड में तैनात 26 पुलिस कर्मचारियों के तबादले के आदेश जारी कर दिए हैं। चंडीगढ़ प्रशासन ने 21 इंस्पेक्टरों को भी इधर से उधर कर दिया है। चंडीगढ़ एसपी मुख्यालय केतन बंसल की ओर आदेश जारी किए हैं। आने वाले दिनों में कुछ अन्य पर भी हरियाणा सीआईडी चीफ शिकंजा कसने वाले हैं।

हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा समिति (एचएसटीईएस) पंचकूला

वेबसाइट : hstes.org.in, techadmissionshry.gov.in
ई-मेल : onlineadmissionhelp@gmail.com,
टोल फ्री प्रवेश हैल्पलाइन नं.: 1800-137-3735

बी.फार्मेसी सत्र 2024-25 में प्रवेश

यह सभी प्रवेश लेने के इच्छुक और आमजन की जानकारी हेतु है कि सत्र 2024-25 हेतु हरियाणा राज्य में स्थित सभी राजकीय/निजी/डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय विभागों और सभी सेल्फ-फाइनेंसिंग इंस्टीट्यूशंस में बी.फार्मेसी कोर्स में प्रवेश एचएसटीईएस द्वारा आयोजित ऑनलाइन कॉमन प्रवेश परीक्षा (ओसीईटी)-2024 के इंटर-से-रैंक के आधार पर किए जाएंगे। बी.फार्मेसी में प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को ओसीईटी-2024 में उपस्थित होना आवश्यक है और उन्हें निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुरूप http://techadmissionshry.gov.in पर पंजीकरण करवाना होगा :-

क्र. सं.	कोर्स का नाम	अवधि	प्रवेश का आधार (ईडब्ल्यूएस, टीएफडब्ल्यू श्रेणियों समेत)	पंजीकरण कार्यक्रम*
1.	बी.फार्मेसी	4 वर्ष	एचएसटीईएस द्वारा आयोजित ऑनलाइन कॉमन प्रवेश परीक्षा (ओसीईटी)-2024 के इंटर-से-रैंक	13.06.2024 से आगे तक

***केवल वे उम्मीदवार जो ओसीईटी-2024 में उपस्थित हुए हैं, ऑनलाइन सेंट्रलाइज्ड काउंसलिंग्स में भाग ले सकते हैं।**

टिप्पणी :-

1. पात्रता, ओसीईटी केन्द्र की सूची, संस्थानों, शुल्क संरचना, काउंसलिंग कार्यक्रम इत्यादि के सम्बन्ध में पूर्ण विवरण हेतु, कृपया www.hstes.org.in और http://techadmissionshry.gov.in पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका के लिए एचएसटीईएस वेबसाइट्स पर पधारें।
2. हरियाणा राज्य से उम्मीदवारों को अपने परिवार पहचान-पत्र (पीपीपी) आईडी अथवा "दि हरियाणा परिवार पहचान एक्ट, 2021" के प्रावधानों के अनुरूप आधार नम्बर (यदि आवेदक को पीपीपी आईडी याद नहीं है) अवश्य प्रदान करना चाहिए। (https://meraparivar.haryana.gov.in देखें)।
3. उम्मीदवारों को प्रवेश और ओसीईटी सम्बन्धित नवीनतम जानकारी हेतु समय-समय पर एचएसटीईएस वेबसाइट्स : www.hstes.org.in और http://techadmissionshry.gov.in पर पधारने का परामर्श दिया जाता है।

techadmissionshry.gov.in
hstes.org.in

पीआरडीएच-1115/11/317/2025/26746/88/6 दि. 13.06.24

संयुक्त निदेशक, एचएसटीईएस

रोहतक

रविवार, 16 जून, 2024

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, दशमी वर्ष : 28, अंक : 140

पृष्ठ 16 मूल्य 3 .00

मौसम

अधि. 44.7

न्यून. 30.2

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

खबर संक्षेप

अब छह हफ्तों में हटेगा नसाऊ काउंटी स्टेडियम

न्यूयॉर्क। पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप की सह मेजबानी कर रहे अमेरिका के न्यूयॉर्क का नसाउ क्रिकेट स्टेडियम अगले 6 हफ्तों में डिसमैंटल कर दिया जाएगा। उसके बाद यहां सिर्फ मैदान दिखेगा। हालांकि वर्ल्ड कप के दौरान इस्तेमाल आउटफील्ड और पिच बरकरार रहेंगे। दरअसल, यूएसए में कोई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम नहीं था। इसलिए मॉड्युलर स्टेडियम बनाया गया। भाषा

हरियाणा सरकार का फैसला

उपभोक्ताओं को राहत

बिजली बिल पर मंथली रेंट खत्म अब सिर्फ यूनिट के पैसे देने होंगे

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का एक फैसला मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अब 4 महीने बाद लागू कर दिया है। अपने कार्यकाल में मनोहर ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 2 किलोवाट तक के घरेलू कनेक्टेड लोड वाली टैरिफ श्रेणी-1 में आने वाले बिजली ग्राहकों पर 115 रुपये न्यूनतम मासिक शुल्क (एमएमसी) न लगाने का फैसला किया था। इसे हरियाणा में अब लागू किया गया है। अब उपभोक्ताओं को केवल यूनिट के हिसाब से ही बिल भरना होगा। पूर्व सीएम ने 23 फरवरी को अपने 2024-25 के बजट प्रस्तावों में 'सबसे गरीब लोगों' को राहत देने की घोषणा के दौरान यह योजना बताई थी।

मनोहर का फैसला सीएम सैनी ने लागू किया

▪ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 2 किलोवाट तक के घरेलू कनेक्टेड लोड वाली टैरिफ श्रेणी-1 में ग्राहकों पर 115 रुपये न्यूनतम मासिक शुल्क खत्म

9.5 लाख लोगों को मिलेगी राहत

सरकार के इस फैसले से प्रदेश के सबसे गरीब परिवारों को लगभग 180 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी। एमएमसी समाप्त करने के निर्णय से सूबे के लगभग 9.5 लाख गरीब परिवारों को फायदा मिलेगा।

उपभोक्ताओं को लाभ

एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह निर्णय अगले बिलिंग चक्र से लागू होगा। उपभोक्ताओं को उनके कुल बिजली बिल में न्यूनतम 2% से अधिकतम 91% (5 से 190 रुपये) तक की राहत मिल सकती है। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि घरेलू कनेक्शन और 2 किलोवाट तक के लोड पर 115 रुपये प्रति किलोवाट का ये फैसला लोकसभा चुनाव से पहले आता तो तस्वीर कुछ और होती।

ऐसे समझें

पहला : इस निर्णय के अनुसार उपभोक्ताओं को केवल खपत की गई बिजली यूनिट के लिए भुगतान करना होगा। जैसे पहले अगर 1 किलोवाट लोड वाला परिवार एक महीने में 30 यूनिट बिजली की खपत करता था, तो बिल 115 रुपये बिल आता था, जो अब घटकर 60 रुपये रह जाएगा, क्योंकि एमएमसी लागू नहीं होगा।

दूसरा : किलोवाट लोड वाले उपभोक्ता को एक माह में 30 यूनिट खपत करने पर 230 रुपये का भुगतान करना पड़ता था, क्योंकि प्रति किलोवाट लोड पर एमएमसी 115 रुपये था। नए बिलिंग चक्र के तहत यह बिल घटकर 60 रुपये रह जाएगा, क्योंकि प्रति यूनिट शुल्क 2 रुपये है।

ऐसे आता है बिजली का बिल

- शून्य से 50 यूनिट तक 2 रुपये प्रति यूनिट
- 51 से 100 यूनिट तक 2.50 रुपये प्रति यूनिट
- 101 से 150 यूनिट तक 2.75 रुपये प्रति यूनिट
- 150 से 250 यूनिट तक 5.25 रुपये प्रति यूनिट
- 250 से 500 यूनिट तक 6.30 रुपये प्रति यूनिट
- 500 से 800 यूनिट तक 7.10 रुपये प्रति यूनिट

छग में आठ नक्सली ढेर, एक जवान शहीद

2 जवान घायल हुए, तलाशी अभियान जारी

161 दिन में सुरक्षाबलों ने मारे 141 नक्सली

1400 जवानों ने चलाया था जंगलों में सर्च ऑपरेशन

नारायणपुर (भाषा)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की सीमा पर नारायणपुर के अबूझमाड़ के कुतुल इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें शनिवार को जवानों ने 8 नक्सलियों को ढेर कर दिया। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। इस मुठभेड़ में एसटीएफ के 1 जवान नितिश एक्का शहीद हो गए। वहीं, दो जवान घायल हैं, जिन्हें रायपुर एयर लिफ्ट किया गया। इस साल जनवरी से अब तक 161 दिन में जवानों ने 141 नक्सली ढेर किए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुतुल, फरसबेड़ा, कोड़तामेटा इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। सुरक्षाबल सर्च अभियान चला रहे हैं।

तीन दिन से अभियान में जुटे थे जवान

बस्तर संभाग के जगदलपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और कांकेर से डीआरजी और एसटीएफ के 1400 जवानों ऑपरेशन के लिए भेजे गए। 3 दिनों से डीआरजी, आईटीबीपी, एसटीएफ, और बीएसएफ जवानों ने ऑपरेशन चलाया था।

मौके से हथियार बरामद

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से आठ नक्सलियों के शव, इंसास रायफल, .303 रायफल, एक बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) सहित भारी मात्रा में हथियार और अन्य सामान बरामद किया है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मुठभेड़ में बड़ी संख्या में अन्य नक्सलियों के घायल होने और मारे जाने की संभावना है।

पीएम 18 को किसानों के लिए जारी करेंगे 20,000 करोड़

नई दिल्ली (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सत्ता संभालने के बाद पहली बार 18 जून को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे। इस दौरान वह देश भर के 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे। मोदी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के 30,000 से अधिक सदस्यों को प्रमाण पत्र भी प्रदान करेंगे, जिन्हें कृषि सखियों के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, ताकि वे पैरा-विस्तार कार्यकर्ता के रूप में काम कर सकें और साथी किसानों को खेती में मदद कर सकें। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संवाददाताओं से बात करते हुए कृषि क्षेत्र के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। चौहान ने कहा, पिछले दो कार्यकालों में कृषि हमेशा से ही प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता रही है। उन्होंने किसानों के हित में कई अहम फैसले लिए।

अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे

▪ पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे

नीट-यूजी रद करने व सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली (भाषा)। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर नीट-यूजी को रद करने और 5 मई को आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितताओं की शीर्ष अदालत की निगरानी में सीबीआई या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने अपील की गई है। इस परीक्षा में शामिल हुए 20 छात्रों द्वारा दायर याचिका में एनटीए और अन्य को परीक्षा नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने की भी अपील की गई है।

पंजाब में पाक सीमा के पास ड्रोन-हेरोइन बरामद

चंडीगढ़ (भाषा)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक खेत से एक ड्रोन और हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया है। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद बीएसएफ और पंजाब पुलिस के जवानों ने शुक्रवार रात तलाशी अभियान को अंजाम दिया।

जम्मू-कश्मीर में तीन आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर (भाषा)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने मादक पदार्थ-आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से हथियार, गोला-बारूद व अन्य सामग्री बरामद हुई है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति हेरोइन बेचने के लिए खरीदार तलाश रहा है, इसके बाद पुलिस अभियान चलाया।

खबर संक्षेप

युवकों ने घर के बाहर से महिला पर की फायरिंग

गन्नौर। लाला गढ़ी में दो युवकों ने घर के बाहर से एक महिला पर फायरिंग कर दी। गोली घर के दरवाजे पर जाकर लगी, जिससे महिला बाल-बाल बच गई। लाला गढ़ी की रहने वाली अमृत ने बताया कि 14 जून को खाना खाने के बाद वह अपने बच्चों के साथ अपने कमरे में लेटी हुई थी। रात करीब साढ़े आठ बजे उसके घर की बेल बजी तो वह दरवाजे पर गई। जब उसने आवाज लगाई कि कौन है तो बाहर एक युवक ने उसे आंटी कह कर पुकारा। जब उसने लड़के का नाम पूछा तो बाहर खड़े दो युवकों में से एक युवक ने जान से मारने की नीयत से सीधा फायर किया।

चालक के बेटे पर चाकू अड़ा लूट ले गए ई-रिक्शा

सोनीपत। मामा-भांजा चौक क्षेत्र निवासी बंसीलाल ने पुलिस को बताया कि वह रात को बेटे पुनीत के साथ ई-रिक्शा लेकर चौक के पास मौजूद थे। इसी दौरान दो युवक उनके पास आए और रतनगढ़ चलने के लिए 400 रुपये में उनकी ई-रिक्शा बुक कर ली। जब वह बड़वासनी के पास पहुंचे तो उन युवकों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। चाकू निकालकर उनके बेटे के गले पर रख दिया और उनकी जेब से 500 रुपये और मोबाइल निकाल लिया। आरोपी उनकी ई-रिक्शा की बैटरी निकाल कर बाइक पर सवार होकर भाग गए।

हादसे में पलटकर खेत में गिरी कार में लगी आग

बहादुरगढ़। गांव जहांगीरपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर लगने के बाद एक कार खेतों में जा गिरी। गाड़ी में आग लग गई और खाक हो गई। गनीमत रही कि राहगीरों ने घायल कार चालक को बाहर निकाल लिया। झज्जर निवासी अनिल ने बताया कि वह देर रात कार में नजफगढ़ की ओर रवाना हुआ। रास्ते में लघुशंका के लिए गाड़ी सड़क किनारे खड़ी कर दी। खिड़की खोली ही थी कि पीछे से किसी वाहन ने टक्कर मार दी।

नसीबपुर जेल में बंदियों के बीच झगड़ा, 4 चोटिल, 19 बंदियों पर केस दर्ज

- झगड़े में एक गुट से नौ व दूसरे से दो बंदी तथा दूसरे बैरक में झगड़े में एक तरफ तीन व दूसरी तरफ 5 बंदी थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नसीबपुर जेल के अंदर दो अलग अलग बैरिक में दो अलग-अलग बंदी गुटों के बीच झगड़ा हो गया। जो शिकायत जेल प्रशासन ने पुलिस को दी है, उसमें झगड़े का कारण नहीं बताया। इस झगड़े में एक गुट से नौ व दूसरे से दो बंदी थे। जिसमें से एक घायल है। वहीं दूसरे बैरक में हुए झगड़े में एक तरफ तीन व दूसरी तरफ पांच बंदी थे। इनमें से तीन बंदी घायल हुए हैं। कुल घायलों की संख्या चार है। इनमें से तीन घायल नितिन, मिलन व विक्रम को हायर सेंटर पीजीआईएमएस रोहतक रेफर किया गया है।

फिलहाल सिटी पुलिस ने जेल प्रशासन की शिकायत के आधार पर 19 आरोपित मिलन, मनीष, राहुल, नवल, निकेश, मुकेश, मोनू, विकास,, कुलदीप, अमित, मुकेश, विशाल, विक्रम, नितिन, मनदीप, मनोज, अरूण, मोहित व प्रीतम पर जेल अधिनियम-1894 की धारा 45 व आईपीसी 1860 की धारा 160 के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस जांच झगड़े का कारण तलाश रही है।

जिला जेल के उप अधीक्षक रविंद्र कुमार ने महावीर पुलिस चौकी में पत्र क्रमांक 2790 भेजा है। इस शिकायत पत्र में बंदियों द्वारा झगड़ा करने पर कार्रवाई की मांग करते हुए बताया है कि बीते दिन सुबह नौ बजे ब्लाक नंबर दो के बैरिक नंबर तीन में बंद हवालाती बंदी मिलन पुत्र रामसिंह, मनीष पुत्र छोटेलाल, राहुल पुत्र नन्दराम, नवल पुत्र ओमप्रकाश, निकेश पुत्र इंद्रसिंह, मुकेश पुत्र राजेंद्र, मोनू पुत्र ओमप्रकाश, विकास पुत्र महीपाल व कुलदीप पुत्र गुगनराम के साथ बैरिक में बंद अन्य बंदी अमित पुत्र अनुप व मुकेश पुत्र जयराम ने आपस में मारपीट व झगड़ा किया। जिसमें मिलन को चोटें आई।

वहीं बैरिक नंबर दो के कमरा नंबर छह में भी हवालाती बंदी विशाल पुत्र सुरेश, विक्रम पुत्र झाबरमल व नितिन पुत्र अशोक के साथ मनदीप पुत्र महावीर, मनोज पुत्र जयवीर, अरूण पुत्र रामनिवास, मोहित पुत्र सतबीर व प्रीतम पुत्र चंद्रप्रकाश ने भी आपस में मारपीट व झगड़ा किया। इसमें बंदी विशाल, विक्रम व नितिन को चोटे आई।

झगड़े का कारण तलाश रही पुलिस

नारनौल। नसीबपुर जेल और रोहतक पीजीआई में भर्ती घायल। फोटो : हरिभूमि

अलग-अलग बैरक में दो अलग अलग बंदी गुटों के बीच मारपीट और झगड़ा

जेल में प्राथमिक उपचार के बाद लाए गए नागरिक अस्पताल : झगड़े की आवाज सुनकर चक्कर पर मौजूद अधिकारी उप सहायक अधीक्षक रमेश कुमार व सत्यवान और चक्कर इंचार्ज सुरेश कुमार हैडवार्डर मौके पर पहुंचे व झगड़ा कर रहे बंदियों को आपस में अलग-अलग किया। झगड़े में चोटिल बंदियों को जेल प्रशासन ने जेल चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्राथमिक उपचार करवाया गया। चोटिल बंदियों को प्राथमिक उपचार करने उपरांत उच्च इलाज के लिए नागरिक अस्पताल रेफर किए गए। झगड़ा करने वाले बंदियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। इस संबंध में पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि अभी मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

दिल्ली - मुंबई एक्सप्रेस वे पर गांव महू के पास हुई वारदात

गोतस्करों व गोरक्षा दल के सदस्यों में मुठभेड़, गोरक्षक को लगी गोली

- घायल गोरक्षक सोनू रेवाड़ी का निवासी
- गुड़गांव के निजी अस्पताल में भर्ती घायल की हालत नाजुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नूंह

फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र अंतर्गत दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर गांव महू के समीप शुक्रवार की रात करीब 2:30 बजे गो तस्करों और गोरक्षा दल के सदस्यों में मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में गोरक्षा दल का एक सदस्य गोली लगने से घायल हो गया। घायल सदस्य सोनू निवासी रेवाड़ी को गुड़गांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई गई है। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात को एक पिकअप गाड़ी में गोतस्कर तीन गायों को लेकर दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से अलवर से दिल्ली की ओर आ रहे थे। अलवर राजसथान से गो रक्षकों की गाड़ी गोतस्करों का पीछा कर रही थी। गो रक्षकों ने बार बार गो तस्करों को गाड़ी रोकने का इशारा किया लेकिन उन्होंने गाड़ी को नही रोका। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे पर हरियाणा सीमा के फिरोजपुर झिरका थानातंर्गत गांव महू के पास बने पुल पर गाड़ी नियंत्रांत होकर टकरा गई। गौ रक्षकों ने जब गो तस्करों को पकडने का प्रयास किया उसी दौरान गोतस्करों ने गोली चला दी। गोली एक गोरक्षक के पेट मे लगी। जिसकी नाम सोनू गांव रेवाड़ी है। पेट मे गोली लगने से सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। सोनू का इलाज गुरुग्राम अस्पताल में चल रहा है। डीएसपी सुरेंद्र सिंह का कहना है कि एक गोतस्कर कालू मनियपुर की ढाणी जिला दूधू का रहने वाला है। उसे गिरफ्तार कर लिया है तीन - चार अन्य गोतस्करों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस की टीम अन्य गोतस्करों को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है।

नूंह। अनियंत्रित होकर पलटी पिकअप गाड़ी।

गायों से भरी पिकअप समेत तस्कर काबू

पुलिस द्वारा गायों से भरी पिकअप और एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने पिकअप से 3 गायों को बरामद करके गोशाला में भेज दिया है। वहीं दो गो तस्कर भागने में कामयाब हो गए है। घटना के बाद पुलिस एक्शन मोड़ में है। घटना के बाद पुलिस के अधिकारियों ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है।

कुरुक्षेत्र में सड़क हादसा

रोडवेज बस से टकराई कार,तीन दोस्तों की मौत

- कुल्लू-मनाली घूमने जा रहे थे तीनों बचपन के गहरे दोस्त
- तीनों दोस्तों का गांव में अंतिम संस्कार किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर/कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र में इस्माईलाबाद के पास रोडवेज बस से हुई टक्कर में तीन दोस्तों की दर्दनाक मौत होने से उनके घरों में मातम पसर गया। मृतक 37 वर्षीय दिनेश, 40 वर्षीय रमेश और 32 वर्षीय अनिल दुभेटा गांव के रहने वाले थे और बचपन के दोस्त थे। दिनेश व अनिल दुभेटा गांव में ही रह कर खेती बाड़ी का काम करते थे। जबकि रमेश कई साल पहले रोहतक शहर में रहने लगा था। रमेश डेयरी की दुकान संचालक था।

तीनों दोस्त शुक्रवार को घूमने के लिए रमेश की कार में कुल्लू मनाली जा रहे थे। कुरुक्षेत्र में इस्माईलाबाद के पास उनकी कार सड़क किनारे खड़ी रोडवेज बस से टकरा गई। इस हादसे में तीनों दोस्तों की मौत हो गई।

रमेश व अनिल विवाहित थे

मृतक रमेश व अनिल विवाहित थे, जबकि दिनेश अविवाहित था। रमेश के दो पुत्र हैं, जो स्कूल में पढ़ रहे हैं। वहीं अनिल एक बेटे का पिता था। उनका बेटा भी स्कूल में पढ़ाई करता है। दिनेश का बड़ा भाई चंडीगढ़ बिजली कार्यरत हैं। तीनों दोस्त पहले दिनेश के भाई के पास चंडीगढ़ जा रहे थे। चंडीगढ़ से उन्हें कुल्लू मनाली के लिए निकलना था। तीनों दोस्तों का एक दिन पहले ही घूमने का प्लान बना था।

रमेश, दिनेश व अनिल की सड़क हादसे में मौत हो जाने की सूचना जैसे ही उनके परिवार वालों को मिली तो उनके घरों में ही नहीं बल्कि आस-पड़ोस में भी मातम छा गया। मृतक के परिवार वालों के आंखे से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे। दुभेटा के ग्रामीण भी शोक में डूब गए हैं।

काफी संख्या में लोग मृतकों के घरों में सांत्वना देने वाले पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को तीनों दोस्तों का गांव में अंतिम संस्कार किया गया।

जमीनी विवाद में ताई की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या, भतीजे पर आरोप

- चचेरे भाई समेत तीन के खिलाफ हत्या व षड्यंत्र रचने का केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत/खरखौदा

जमीन के विवाद को लेकर एक बुजुर्ग महिला की ट्रैक्टर से कुचल कर हत्या करने का मामला सामने आया है। गांव बिधलान में बुजुर्ग महिला की हत्या के इस मामले में आरोप उसके भतीजे पर ही लगा है। बताया गया है कि ताई की हत्या से पहले युवक ने खेत में ताऊ के बेटे पर भी हमला कर दिया। बुजुर्ग महिला को परिजन गंभीर हालत में पीजीआई, रोहतक लेकर पहुंचे तो उन्हें चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। परिवार के सदस्य रात को खेत से बेटे के नहीं लौटने पर अनहोनी की आशंका के चलते उसके पास जा रहे थे। इसी दौरान वारदात को अंजाम दिया गया।

गांव बिधलान निवासी सुनील ने खरखौदा थाना पुलिस को बताया कि उनका चाचा के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। शुक्रवार को उनका बड़ा भाई रवि खेत में सिंचाई करने गया था। वह जब रात तक वापस नहीं लौटे तो उन्हें किसी अनहोनी की आशंका होने लगी। ऐसे में वह अपनी मां कमला, पत्नी रेखा व भाभी इंदु को साथ लेकर खेत में जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें रास्ते में चचेरा भाई मोहित ट्रैक्टर लेकर आता हुआ दिखाई दिया। उसके पीछे चाचा सुशील व चाची चले आ रहे थे। इसी दौरान चाचा ने आवाज देकर मोहित को कहा कि इन्होंने हमारा भट्ठा बेच दिया था, इन्हें आज जिंदा मत छोडऩा। जिस पर मोहित उन्हें मारने के लिए ट्रैक्टर से उन्हें कुचलने की कोशिश करने लगा। जिस पर वह, उनकी पत्नी व भाभी तो दूसरी तरफ कूद गए, लेकिन उनकी मां कमला ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। सुनील का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने उनकी मां को ट्रैक्टर से कुचल दिया। इसके बाद तीनों उन्हें जान से मार देने की धमकी देकर भाग गए। वह अपनी मां को लेकर पीजीआई, रोहतक पहुंचे तो चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सुनील का आरोप है कि जमीन को लेकर चाचा के साथ विवाद चला आ रहा है। जिसे लेकर कुछ दिन पहले चाचा के परिवार ने उन पर हमला भी किया था। उन्होंने उनकी मां कमला का सिर फोड़ दिया था। थाना प्रभारी, खरखौदा इंस्पेक्टर अंकित कुमार ने बताया कि मृतका के बेटे के बयान पर उसके चचेरे भाई समेत तीन के खिलाफ हत्या व षड्यंत्र रचने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। जल्द ही सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त में होंगे।

सोनीपत। मृतका का फाइल फोटो।

चचेरे भाई पर भी किया हमला

सुनील का आरोप है कि उनकी मां की हत्या करने से पहले हमलावरों ने खेत में उनके भाई रवि पर भी हमला किया है। रवि को घायल किया गया है। भाई के साथ हुए झगड़े की जानकारी वह स्वयं देंगे।

कैथल में पेट्रोल पंप संचालक से मांगी एक करोड़ की रंगदारी

कैथल। जिला पेट्रोल पंप एसोसिएशन के प्रधान शीशपाल दाऊ से एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। शीशपाल ने पुलिस कर्मचारियों पर धक्के मारने के भी आरोप लगाए हैं। शीशपाल ने बताया कि उसके पास 14 जून को शाम तीन बजकर 25 मिनट और तीन बजकर 30 मिनट पर एक अनजान नंबर से फोन आया था। बदमाश ने उससे एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। रंगदारी की रकम जींद, कलायत या चीका पहुंचाने के लिए बोला है। बदमाश ने धमकी दी है कि अगर मामले की शिकायत पुलिस को दी तो उसे और उसके परिवार को स्वर्ग में भेज दिया जाएगा। उसके पास दो पेट्रोल पंप हैं। एक पंप जींद रोड कैथल तो दूसरा गांव क्योड़क पास है। उसे नकदी बैंक तक ले जाने में भी डर लगा रहता है। करीब एक महीना पहले भी उसके पास इसी प्रकार से धमकी भरा फोन आया था। वह एसोसिएशन के सदस्यों के साथ एसपी से मिलने गए थे, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया था। डीएसपी ललित कुमार ने बताया कि पेट्रोल पंप संचालक शीशपाल की तरफ से शिकायत दी गई है।

हाई वोल्टेज बिजली करंट से दो किशोर झुलसे

- मकान की छत पर प्लम्बर का सहयोग कर रहे थे किशोर
- मामा के घर आए हुए थे दोनों किशोर, प्लंबर बाल-बाल बचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राज नगर में शनिवार को हाई वोल्टेज बिजली लाइन करंट से दो किशोर बुरी तरह झूलस गए। दोनों किशोरों को पीजाआई रोहतक रेफर किया गया है। शहर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे में मामा बाल-बाल बच गया।

गांव अहिरका निवासी यश (14) अपने हमउम्र दोस्त राजनगर निवासी विकास के पास राजनगर में आया हुआ था। पड़ोसी राजेंद्र के मकान में यश का मामा पलंबर का कार्य कर रहा था। दोनों सहायता के लिए राजेंद्र के मकान की तीसरी मंजिल पर चले गए, जिसके साथ 11 हजार केवी हाई वोल्टेज की बिजली लाइन गुजर रही थी। दोनों किशोर तीसरी मंजिल से केबल को नीचे की तरफ डाल रहे थे। उस दौरान केबल हाई वोल्टेज बिजली लाइन की चपेट में आए और बुरी तरह झुलस गए। छत पर जोरदार धमाके की आवाज सुन कर सभी लोगों ऊपर की तरफ दौडे. तो दोनों किशोर बुरी तरफ झुलसे हुए थे। दोनों के कपड़े भी जल चुके थे। दोनों किशोरों का तत्काल नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर हालात देख पीजाआई रेफर कर दिया। मकान मालिक राजेंद्र ने बताया कि उसके मकान में पलंबर का कार्य चल रहा है। दोनों किशोर भी मकान में पलंबर को कार्य कर रहे अपने मामा के पास आ गए। पता नही दोनों किस समय तीसरी मंजिल पर चले गए। जब जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी तो वे छत की तरफ दौड़े। दोनों किशोर झूलसी हालात में पडे. हुए थे। शहर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जींद। नागरिक अस्पताल में करंट से झुलसे युवकों का उपचार करते चिकित्सक।

ऑपरेशन में लापरवाही बरतने पर दो निजी चिकित्सकों पर केस दर्ज

चरखी दादरी। दादरी सीटी पुलिस ने सिविल सर्जन की शिकायत पर दो चिकित्सकों पर मामला दर्ज किया है। दोनों पर महिला मरीज के ऑपरेशन में लापरवाही बरतने के संगीन आरोप लगे हैं। शुक्रवार को निजी अस्पताल को सील किया था। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोहारू रोड स्थित एक निजी अस्पताल को सील किया था। जांच में अस्पताल में अनेक अनियमितताएं मिली थी। सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में सिविल सर्जन डॉ राजविंदर ने बताया कि महिला मरीज के ऑपरेशन में निजी अस्पताल की महिला डॉक्टर श्वेता व तरूण ने लापरवाही बरती गई थी। स्वास्थ्य विभाग की जांच में भी डॉक्टर दोषी मिले थे।

केमिस्ट ने फिरौती के लिए किया बच्चे का अपहरण नशीले इंजेक्शन से मौत

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के सेक्टर-62 में फिरौती के लिए बच्चे की हत्या कर दी गई। कर्ज में डूबे केमिस्ट ने बच्चे का अपहरण किया था। इसके बाद उसे बेहोश करने के लिए नशीला इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन में नशीली दवाई की मात्रा अधिक होने के चलते बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद घबराए केमिस्ट ने उसके शव को खुर्दबुर्द करने के लिए फतेहपुर से होकर गुजर रही नहर में फेंक दिया, लेकिन शव झाडिय़ों में अटक गया। इसके बाद आरोपी परिजनों के साथ बच्चे की तलाश में जुट गया, लेकिन परिजनों ने शक होने पर उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। केमिस्ट की निशानदेही पर बच्चे के शव को नहर से बरामद किया गया। 13 जून को शाम उसका बेटा 13 वर्षीय कुश अपनी दुकान से पड़ोस की दुकान पर बर्फ लेने के लिए साइकिल लेकर निकला था। बच्चा जब बर्फ लेकर नहीं आया तो उसकी मां प्रियंका ने उसे खोजना शुरू किया, लेकिन कुश का कहीं कुछ पता नहीं चला। पड़ोस में दवा की दुकान चलाने वाला विशाल बच्चे की तलाश में परिवार के साथ था।

बैंक में पैसे जमा करवाने गया युवक 15 हजार निकलवाकर लापता

पत्र में लिखा, पापा! मैं अच्छा बेटा नहीं बन पाया

- बैग में रख गया परिजनों के नाम पत्र, लिखा एटीएम का पासवर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राजगढ़ रोड स्थित शास्त्री नगर में रहने वाला एक युवक अचानक लापता हो गया। परिवार में दो बहनों का इकलौता भाई शुभम बैंक में रुपये जमा करवाने गया था। शुक्रवार को शुभम का जन्मदिन था। जब वह देर तक घर नहीं लौटा तो माता-पिता ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान माता-पिता ने शुभम के बैग की तलाशी ली, जिसमें से एक लेटर मिला। उसमें लिखा था "पापा, मैं न अच्छा बेटा बन पाया न भाई, 14 जून मेरा आखिरी दिन होगा"। लगभग 21 वर्षीय शुभम राजगढ़ रोड स्थित गवर्नमेंट कॉलेज में बीएससी का छात्र है। उसके पिता माली हैं और प्राइवेट नौकरी कर घर चलाते हैं। पिता ने शुभम की गुमशुदगी की रिपोर्ट आजाद नगर थाने में करवाई है। शुभम ने बैग में जो पत्र छोड़ा है, उसमें लिखा है "हेलो पापा, मैं आपको एक बात बताऊं? मुझे पिछले 15-20 दिन से कुछ भी अच्छा नहीं लग रहा। इन्हीं दिनों में मैने कई बार सुसाइड का प्रयास किया। कभी हाथ की नस काटकर, कभी सांस रोककर तो कभी मोंटी की छत से कूदने की कोशिश की, लेकिन कुछ नहीं हुआ। फिर मैंने डिसाइड किया कि 14 जून को मेरा इस धरती पर आखिरी दिन होगा। इस घर में अगर आपको मेरे कपड़े और डॉक्यूमेंट गायब मिले तो समझ जाना कि मैं घर छोड़कर जा चुका हूं या मैं दुनिया छोड़कर चला गया हूं। इस जन्म में मैं न तो अच्छा बेटा बन पाया और न ही अच्छा भाई। उम्मीद है कि अगले जन्म में आपका ही बेटा बनूंगा। पापा, मेरे जाने के बाद टेंशन मत लेना। उम्मीद है कि आप मुझे जल्द ही भूल जाएंगे। आपका निकम्मा बेटा, शुभम...! शुभम के पत्र के साथ एक और कागज मिला है, जिस पर बैंक एटीएम का पासवर्ड लिखा है। इस पत्र में लिखा "वेल पापा, मैंने 15 हजार रुपये अपने एसबीआई वाले खाते से निकलवाए हैं, जिसे मैं सेटल होने पर आपको फोन-पे या गूगल-पे से वापस कर दूंगा।' इस लेटर में शुभम ने एटीएम का पासवर्ड लिखा है। पासवर्ड को लेकर आगे लिखा, 'पता नहीं यह सही है या गलत। आप इसे ज्योति की होली-डे होम वर्क वाली नोटबुक में चैक कर लेना। मैंने वहां भी पासवर्ड लिखे हुए हैं"।

हिसार। घर से लापता हुआ शुभम।

पहले भी मरने की धमकी दे चुका था शुभम

शास्त्री नगर निवासी अयोध्या प्रसाद ने बताया कि उसके तीन बच्चे हैं। शुभम, लक्ष्मी और ज्योति। शुभम बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र है। शुभम बैंक में तीन हजार रुपये जमा करवाने गया था, लेकिन वह वापस नहीं आया। इसके बाद जब बैंक से 15 हजार रुपये निकलने का मैसेज आया तो हमें शक हुआ। इसके बाद हमने शुभम के सामान की तलाशी ली। अयोध्या प्रसाद का कहना है कि शुभम पहले भी घर से भाग जाने और मरने की धमकियां देता रहा है।

रिश्वत मांगने के दोषी कानूनगो को न्यायिक हिरासत में भेजा

कैथल। एंटी करप्शन ब्यूरो अंबाला की टीम ने जमीन का इंतकाल करने की एवज में रिश्वत मांगने वाले गिरफ्तार किए गए कानूनगो रणधीर सिंह को शनिवार को न्यायालय में पेश किया। इस मामले में न्यायालय ने आरोपी रणधीर सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी रणधीर सिंह ने रोहेड़ा के सुमित एडवोकेट से 28 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शुक्रवार को 14 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया था। इस मामले में एडवोकेट सुमित ने एंटी करप्शन ब्यूरो अंबाला की टीम में आरोपी रणधीर के खिलाफ शिकायत दी थी। सुमित रोहेड़ा ने बताया कि उसकी जमीन के बंटवारे का केस अदालत में चल रहा था। अदालत से अनुमति भी मिल गई थी, जिसके बाद तहसील में इंतकाल के लिए वारंट दाखिल करना था।

धारदार हथियार से अधेड़ की हत्या चेहरा कुचल कर शव राह में फेंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मालपुरा के निकट शनिवार सुबह करीब 55 वर्षीय व्यक्ति का चेहरा कुचला हुआ शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। व्यक्ति की हत्या सिर पर धारदार हथियार से हमला करके की गई है। पहचान छुपाने के लिए उसके चेहरे को बुरी तरह कुचला हुआ था।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में शव को सामान्य अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया गया।

सुबह के समय मालपुरा के कुछ ग्रामीण घूमने के लिए निकले तो उन्हें मंदिर वाले रास्ते पर एक शव पड़ा दिखाई दिया। सरपंच महेश ने थाना धारूहेड़ा पुलिस को शव की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद एसएचओ धारूहेड़ा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। मृतक के सिर पर धारदार हथियार से वार किए हुए थे। उसका चेहरा पत्थर से कुचला हुआ है। शरीर पर पूरे कपड़े भी नहीं हैं। शव को सड़क पर काफी दूर तक घसीटने के बाद मंदिर के रास्ते पर डाला गया, जिससे सड़क पर दूर तक खून के निशान पाए गए।

सीन ऑफ क्राइम टीम बुलाई

एसएचओ धारूहेड़ा ने मौके पर पहुंचने के बाद सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने घटनास्थल व शव का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के गांवों में सूचना भिजवाकर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में पुलिस ने हत्या का केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी।

हरिभूमि

रोहतक, रविवार, 16 जून, 2024 | हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित | समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

हैप्पी फादर्स-डे

पीएम मोदी और मेलोनी ने रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की

भारत-इटली खुले एवं मुक्त हिंद-प्रशांत के लिए साझा दृष्टिकोण पूरा करने को प्रतिबद्ध

हरिभूमि ब्यूरो/भाषा ▶▶| बारी (इटली)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की व भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे सहित वैश्विक मंचों तथा बहुपक्षीय प्रस्तावों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने बैठक के बारे में कहा कि नेताओं ने खुले एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई तथा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे पर भी चर्चा की। क्षेत्र में चीन की आक्रामक गतिविधियों के बीच विदेश मंत्रालय ने कहा, 'दोनों नेता मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को पूरा करने की खातिर तैयार रूपरेखा के तहत क्रियान्वित की जाने वाली संयुक्त गतिविधियों के लिए तत्पर हैं।' इससे पहले मोदी की दक्षिणी इटली के अपुलिया की एक दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हुई। इस दौरान मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को धन्यवाद दिया।

सहयोग को और मजबूत करने पर बनी सहमति

जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेकर स्वदेश लौटे पीएम मोदी

■

बोले, उपयोगी रही इटली की यात्रा, दुनिया के सामने रखा भारत का दृष्टिकोण

■

विश्व नेताओं के साथ सार्थक वार्ता

क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा

दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की तथा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे सहित वैश्विक मंचों और बहुपक्षीय प्रस्तावों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना के तहत सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और पोत परिवहन तंत्र की परिकल्पना की गई है ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके।

रक्षा क्षेत्र में सियोग बढ़ाएंगे : विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की। रक्षा-औद्योगिक सहयोग को और बढ़ाने की आशा व्यक्त की। मोदी ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इतालवी अभियान में भारतीय सेना के योगदान को मान्यता देने के लिए इटली सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि भारत इटली के मोंटोन में यशवंत घाडगे स्मारक का उन्नयन करेगा।

मेलोनी ने मोदी के साथ साझा किया वीडियो

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने जी7 शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपना एक सेल्फी वीडियो साझा किया। मेलोनी ने मोदी के साथ मित्रता को जाहिर करते हुए इस वीडियो का शीर्षक 'नमस्ते दोस्तों, मेलोडी की ओर से' दिया है। पांच सेकंड का यह वीडियो मेलोनी ने शनिवार को अपने 'एक्स' अकाउन्ट पर साझा किया। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री मेलोनी (47) ने वीडियो में कहा, 'मेलोडी टीम की ओर से नमस्कार।' वीडियो में 73 वर्षीय मोदी हंसते हुए नजर आ रहे हैं। मोदी ने वीडियो को फिर से साझा करते हुए लिखा, 'भारत-इटली की मित्रता कायम रहे!' इससे पहले जी-7 शिखर सम्मेलन में दोनों नेताओं की एक सेल्फी वायरल हुई थी।

खबर संक्षेप

एटीएम से पैसा निकालना अब हो जाएगा 'महंगा'

नई दिल्ली। एक जुलाई से एटीएम से पैसा निकालने का शुल्क बढ़ सकता है। एटीएम ऑपरेटर ने इंटरचेंज फीस को बढ़ाने की मांग की है। इंटरचेंज फी वह शुल्क होता है जिसका भुगतान ग्राहक एटीएम से कैश निकालने के वक्त करते हैं। अगर चार्ज बढ़ा तो एटीएम से कैश निकालने पर ज्यादा शुल्क भुगतान करना पड़ेगा। एटीएम रिपोर्ट के अनुसार करीब प्रति ट्रांजेक्शन 23 रुपये चार्ज लग सकता है। एजेंसी

स्वाति मामला: बिभव की हिरासत 22 तक बढ़ी

नई दिल्ली। तीस हजारी कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्व पीए बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत 22 जून तक बढ़ा दी। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। शुक्रवार को बिभव को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था। आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले में कुमार को 18 मई को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। एजेंसी

नीतीश कुमार की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अचानक तबीयत बिगड़ने की सूचना है। शनिवार सुबह सीएम हाथ में दर्द महसूस कर रहे थे। इलाज को लेकर मेदांता अस्पताल पहुंचे। ऑर्थोपेडिक विभाग में जांच की गई। इसके बाद उन्हें भर्ती कर लिया गया। बताया जा रहा है कि सुबह जब वह सो कर उठे तो उनके हाथ में दर्द हुआ। बता दें कि लोकसभा चुनाव को लेकर नीतीश काफी व्यस्त थे। एजेंसी

सूरत में अपार्टमेंट में 3 बहनों समेत 4 मृत मिले

सूरत। गुजरात के सूरत शहर के एक अपार्टमेंट में शनिवार को 58 वर्षीय एक महिला, उसकी दो बहन और बहनोई मृत मिले। डीसीपी आरपी बरोट ने बताया कि प्रथम दृष्टया गैस से चलने वाले गीजर को चालू छोड़ने के कारण दम घुटने से मौत होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि पुलिस को सुबह 9 बजे के आसपास शवों के बारे में सूचना दी गई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

शाह आज कश्मीर की सुरक्षा की समीक्षा करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर रविवार को सुरक्षा स्थिति का जायजा लेंगे। उनके आतंकवाद रोधी अभियानों को तेज करने के लिए अधिकारियों को व्यापक दिशानिर्देश देने की संभावना है। गृह मंत्री 29 जून से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा करेंगे। इससे पहले पीएम नरेन्द्र मोदी ने भी ऐसी ही एक बैठक की थी। भाषा

उत्तराखंड में सुबह 11 बजे हादसा, 26 लोग सवार थे वाहन में

रुद्रप्रयाग में अलकनंदा नदी में गिरा टैंपो ट्रैवलर, 14 की मौत

12 लोग घायल, 7 गंभीर हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट किए गए

भाषा ▶▶| रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रैतोली गांव के समीप शनिवार को टेम्पो-ट्रैवलर के अलकनंदा नदी में गिर जाने से उसमें सवार 14 पर्यटकों की मौत हो गई व 12 घायल हो गए। रूद्रप्रयाग जिला प्रशासन के अनुसार, वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से 660 मीटर नीचे अलकनंदा नदी के किनारे तक जा गिरा। दुर्घटना में 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि चार अन्य ने बाद में दम तोड़ा। जानकारी के अनुसार, दो लोगों की मौत रुद्रप्रयाग जिला अस्पताल में हुई जबकि दो अन्य को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स)-ऋषिकेश में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों में से तीन की पहचान नहीं हो पायी है। मृतकों में वाहन चालक करन सिंह भी शामिल है। उन्होंने बताया कि हादसे के समय वाहन में कुल 26 लोग सवार थे।

दिल्ली से चोपता घूमने जा रहे थे, ड्राइवर को आई झपकी, हुआ हादसा

660 मीटर गहरी खाई में गिरा वाहन

हादसा जहां हुआ, वह ऑल वेदर हाईवे है। ट्रैवलर बाउंड्री तोड़ते हुए करीब 660 मीटर नीचे खाई में पलटता हुआ नदी में जा गिरा। नदी का किनारा होने के चलते अलकनंदा के तेज बहाव में ट्रैवलर बहा नहीं। घटनास्थल के नजदीक ही रेलवे प्रोजेक्ट का काम चल रहा है। 3 मजदूर लोगों को बचाने नदी में कूदे। इनमें से 2 वापस आ गए, लेकिन 1 की मौत हो गई।

मुआवजे का ऐलान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रुद्रप्रयाग में हुई वाहन दुर्घटना में मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 40-40 हजार रुपये तथा सामान्य घायलों को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने केअधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है। एम्स-ऋषिकेश की ओर से जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया गया कि अस्पताल में लाए गए सात घायलों में से दो मृत स्थिति में लाए गए। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के निर्देश पर दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 7 व्यक्तियों को हेलीकाप्टर एंबुलेंस के जरिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-ऋषिकेश में भर्ती कराया गया।

दिल्ली-एनसीआर के पर्यटक

पुलिस ने बताया कि ट्रैवलर हरियाणा नंबर का है। दुर्घटना का शिकार हुए लोग उत्तर प्रदेश के नोएडा, मथुरा, झांसी, उत्तराखंड के हल्द्वानी, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा के रहने वाले थे और चोपता घूमने जा रहे थे।

पीएम मोदी ने हादसे पर दुःख जताया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे को 'हृदयविदारक' करार दिया। मोदी ने कहा, हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मोदी ने हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि जबकि हादसे में घायल हुए लोगों को 50,000 रुपये देने की घोषणा की है।

फतेहाबाद में घरेलू कलह से दुःखी महिला डॉक्टर सुनीता ने दी जान

महिला के भाइयों ने उसके डॉक्टर पति पर लगाए प्रताड़ना के आरोप

आरोपित पति फरार, दोनों चला रहे थे अस्पताल, फंदे पर लटकी मिली लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

लूथरा अस्पताल की संचालिका डॉ. सुनीता लूथरा ने अस्पताल के ऊपर बने निवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि डॉ. सुनीता घरेलू कलह से परेशान थी। उसका पति डॉ. देवेन्द्र लूथरा उसे प्रताड़ित करता था। मृतका के भाइयों विकास झंडई व सुनील ने पुलिस को दी शिकायत में अपने जीजा डॉ. देवेन्द्र लूथरा गंभीर आरोप लगाए हैं। शहर थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बस स्टैंड के पीछे अस्पताल

डॉ. देवेंद्र लूथरा (65) और उनकी पत्नी डॉ.सुनीता लुथरा(62) बस स्टैंड के पीछे चर्म रोग व मैटरनिटी अस्पताल चला रहे हैं। उनके बेटे डॉ.प्रतीक लूथरा व बहू नैंसी लूथरा का भूना में क्लिनिक है। ग्रांउड फ्लोर पर अस्पताल और ऊपरी मंजिल पर डॉक्टर लूथरा और उससे ऊपर की मंजिल पर बेटे का परिवार रह रहा है। बताया जा रहा है कि परिवार में घरेलू कलह चल रही था। इसलिए सुनीता ने आत्महत्या कर ली।

यह बोला बेटा प्रतीक

डॉ. सुनीता लूथरा के बेटे प्रतीक ने बताया कि वह शनिवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे अपने क्लीनिक भूना जाने के लिए तैयार हुआ और नीचे नाश्ता करने के लिए आया तो देखा कि उसकी मां अपने कमरे से बाहर नहीं आई थी। उसने जब दरवाजा खोला तो दंग रह गया, उसकी मां कमरे में पंखे से बंधे फंदे पर लटकी हुई थी। प्रतीक ने कहा कि उसकी पत्नी डॉ.नैंसी और मां की आपस में नहीं बनती थी। इसको लेकर घर में क्लेश रहता था।

यह बोले थाना प्रभारी

सिटी थाना प्रभारी रणजीत सिंह का कहना है कि फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घरवालों और रिश्तेदारों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। इनके बयानों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेवाड़ी में नाबालिग से गैंगरेप, तीन गिरफ्तार

बेहाशी की हालत में खेत में मिली किशोरी

दो दिन पहले प्रेमी के साथ घर से फरार हुई , तीनों आरोपितों ने प्रेमी को डराकर भगाया, किशोरी का कथित प्रेमी भी पकड़ा गया, एक की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एक गांव की नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले के चौथे आरोपित की तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि 14 साल की लड़की अपने एक जान पहचान के युवक कथित प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। रात में ठिकाना नहीं मिला तो वे दिल्ली-जयपुर हाईवे के किनारे एक खेत में रुक गए। इसके बाद वहां आए तीन आरोपितों ने किशोरी के प्रेमी को डरा धमकाकर भगा दिया और नाबालिग के साथ गैंगरेप किया। इसके बाद उसे बेहोशी हालत में खेत में ही छोड़कर फरार हो गए। पुलिस उसे खेत से ही बरामद किया। मॉडल टाउन पुलिस ने किशोरी का इलाज व मेडिकल कराने के बाद उसे साथ ले जाने वाले युवक और गैंगरेप करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य आरोपित की तलाश की जा रही है।

दादा-दादी के पास रहती थी

घर से भागी लड़की के पिता की मृत्यु हो चुकी है, जबकि उसकी मां उसे छोड़कर चली गई। लड़की फिलहाल अपने दादा-दादी के पास रह रही थी। परिवार के लोग सुबह जब उठे तो लड़की गायब मिली। परिजनों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद मॉडल टाउन थाना पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए लड़की को बेहोशी की हालत में खेत से बरामद कर लिया। लड़की का मेडिकल कराया गया, जिसमें उसके साथ रेप की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने पीड़ति के बयान दर्ज किए।

चौथा आरोपित जल्द गिरफ्त में होगा

मॉडल टाउन थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि एक 14 साल की लड़की के साथ गैंगरेप की वारदात हुई है। परिजनों के बयान पर केस दर्ज करने के तुरंत बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें एक आरोपी वो शामिल है, जो लड़की को भगाकर घर से लेकर गया था। वारदात में शामिल एक आरोपित फरार है। उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पीड़िता का दादा बोला-चारों मिले हुए हैं

पीड़िता के दादा ने कहा कि मेरी पोती के साथ बहुत गलत हुआ है। ये बच जाए वही मुश्किल है। उसके पेट में गंभीर चोट मारी है। उसके साथ अन्याय हुआ है। आरोपित गांव हांसका और उंचा माजरी के रहने वाले हैं। गांव हांसका का लड़का लड़की को लेकर गया था। उसने अपने तीन साथियों को बुलाया। पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ लिया है। ये सब आपस में मिले हुए हैं।

रेणुका स्वामी हत्या मामला : अदालत का फैसला

कन्नड अभिनेता दर्शन समेत 13 की पुलिस रिमांड पांच दिन और बढ़ाई

बेंगलुरु (भाषा)। रेणुका स्वामी हत्या मामले में आरोपित कन्नड अभिनेता दर्शन थुगुदीप, उनकी मित्र पवित्रा गौड़ा और 11 अन्य की पुलिस हिरासत अवधि एक अदालत ने पांच और दिन के लिए बढ़ा दी। रविवार और सोमवार (बकरीद पर सार्वजनिक अवकाश) को चूंकि अदालत बंद रहेगी, इसलिए पुलिस ने उन्हें शनिवार को न्यायाधीश विश्वनाथ सी गौडर के समक्ष पेश किया। दर्शन, गौड़ा और अन्य 20 जून तक पुलिस हिरासत में रहेंगे। दर्शन और अन्य के वकीलों ने अदालत से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का अनुरोध किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद 21वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) अदालत ने यह आदेश दिया।

यह है मामला

'चैलेंजिंग स्टार' के नाम से मशहूर दर्शन और उनके 12 करीबी सहयोगियों को अभिनेता के प्रशंसक 33 वर्षीय रेणुका स्वामी की हत्या के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चित्रदुर्ग निवासी रेणुका स्वामी ने कथित तौर पर गौड़ा नामक एक अभिनेत्री के सोशल मीडिया अकाउंट पर टिप्पणी की थी और उस पर अभिनेता और उनकी पत्नी के बीच दरार पैदा करने का आरोप लगाया था।

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश, यूट्यूब, मेटा समेत पांच को नोटिस

सुनीता केजरीवाल अदालत की कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया से हटाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को कोर्ट के वीडियो सोशल मीडिया से हटाने के आदेश दिए। कोर्ट ने सुनीता, सोशल मीडिया कंपनियां एक्स, मेटा व यूट्यूब समेत 5 को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। अगली सुनवाई 9 जुलाई को होगी। यह वीडियो तब का है जब शराब नीति केस में केजरीवाल को अरेस्ट किया गया था और उन्होंने कोर्ट के सामने खुद अपना पक्ष रखा था। हाईकोर्ट ने कहा, 'जिन लोगों ने इन वीडियो को रीपोस्ट किया है उसे भी डिलीट करें। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा और अमित शर्मा की बेंच ने कहा, वीडियो हाईकोर्ट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के नियमों के खिलाफ है।

याचिका में दावा-जजों की जान को खतरा

याचिका में कहा है कि केजरीवाल को शराब नीति केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 28 मार्च को ट्रायल कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान उन्होंने खुद पक्ष रखा था। सुनीता ने कोर्ट की कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। 'यह हाईकोर्ट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियम, 2021 के तहत प्रतिबंधित है। वीडियो पोस्ट करके जजों की जान खतरे में डालने की कोशिश की गई है।

कर्नाटक में पेट्रोल 3 और डीजल 3.5 रुपये लीटर महंगा

बेंगलुरु (भाषा)। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को ईंधन पर बिक्री कर बढ़ा दिया। सूत्रों के अनुसार, राज्य में पेट्रोल अब तीन रुपये और डीजल 3.5 रुपये प्रति लीटर महंगा हो जाएगा। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकार ने पेट्रोल पर बिक्री कर में 3.92 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 25.92 प्रतिशत से बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, डीजल पर 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 14.34 से बढ़कर 18.44 प्रतिशत हो गई है। अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू होगी। यह फैसला लोकसभा चुनाव नतीजों के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें राजग को कर्नाटक की 28 में से 19 सीटें मिलीं, जिसमें भाजपा ने 17 और जद(एस) ने दो सीटें जीतीं।

तैयारी | टेलिकॉम-कंपनियों ने कॉलर आईडी डिस्प्ले सेवा शुरू की

जल्द अन्य शहरों में शुरू की जाएगी सेवा

अब मोबाइल पर हर कॉलर का नाम दिखेगा, मुंबई-हरियाणा में ट्रॉयल शुरू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अब फोन पर अनजान नंबर से कॉल आने पर कॉलर का नाम भी दिखाई देगा। एक रिपोर्ट के अनुसार टेलिकॉम कंपनियों ने मुंबई और हरियाणा सर्किल में ट्रायल शुरू कर दिया है। आने वाले समय में अन्य शहरों में भी ये सर्विस शुरू करने की योजना है। कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (सीएनएपी) को स्पैम और फ्रॉड कॉल को रोकने के तरीके के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें हाल के दिनों में बढ़ोतरी देखी गई है। सरकार और टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के दबाव के बाद कंपनियों ने यह टेस्टिंग शुरू की है।

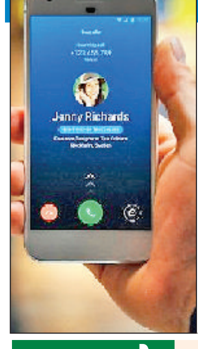

स्पैम और फ्रॉड कॉल को रोकने में बड़ी मदद मिलेगी

सीएनएपी की टेस्टिंग कर रही टेलिकॉम कंपनियां

टेलिकॉम कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीएनएपी कैसे काम कर रहा है, इसका रिजल्ट जानने के लिए हम सीमित संख्या में इसकी टेस्टिंग कर रहे हैं। इसमें आने वाली कॉल के दौरान नंबर के साथ कॉल करने वाले का नाम भी दिखाई देगा। हम टेस्टिंग के रिजल्ट को डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकम्युनिकेशन के साथ शेयर करेंगे, ताकि प्रस्तावित सर्विस के बारे में एक व्यावहारिक निर्णय लिया जा सके।

ट्रूकॉलर की तरह होगी यह सर्विस

ट्रूकॉलर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर ऋषित झुनझुनवाला ने मनीकंट्रोल से बात करते हुए कहा कि सीएनएपी सर्विस कंपनी की मौजूदा कॉलर आईडी एप्लिकेशन की तरह ही होगी, लेकिन इससे उनके बिजनेस पर कोई भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सरकार ने यह कहा था

हाल ही में सरकार ने टेलिकॉम ऑपरेटर्स को उन सभी फेक इंटरनेशनल कॉल्स को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है, जो कॉल आने पर भारतीय नंबर दिखाई देते हैं। डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकॉम (डीओटी) को इससे जुड़ी शिकायतें मिल रही थीं। इन कॉल्स के जरिए लोगों के साथ साइबर क्राइम और फाइनेंशियल फ्रॉड किया जा रहा है।

हर संतान के लिए उसकी मां की ममता और महत्ता तो लगभग एक समान ही होती है। लेकिन पिता की छवि में काफी विविधता दिखाई पड़ती है। पिता कभी अत्यंत कठोर तो कभी बेहद लाचार, कभी भावनाओं से भरे तो कभी व्यावहारिकता का पाठ पढ़ाते नजर आते हैं। छवि कैसी भी हो लेकिन उन सभी में संतान की खुशी, सुरक्षा और बेहतर भविष्य के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए पिता की आकुलता को स्पष्ट तौर पर महसूस किया जा सकता है।

हमारे मन-जीवन में बसी पिता की अनगिनत छवियां

आवरण कथा / चंदन श्रीवास्तव

हम सभी के मन में पिता की कोई एक नहीं बल्कि अनगिनत छवियां होती हैं। इन छवियों को आंख बंद करके बस जरा टटोलने भर की देर होती है, वे एक-एक कर सामने आने लगती हैं।

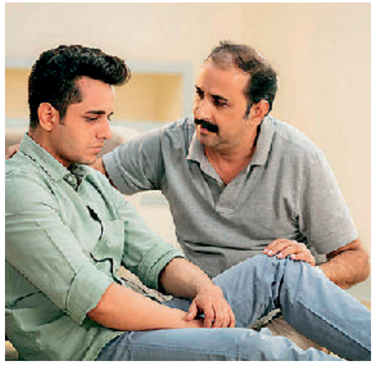

कई रूपों में नजर आते हैं पिता

एक पिता वे, जो अपने काम में खोए रहते हैं, इतने खोए हुए कि उनके लिए घर और दफ्तर का अंतर कुछ मायने ही नहीं रखता। एक पिता वे, जो बाहर चाहे कितने बेफिक्र नजर आएं, लेकिन घर में होंगे तो अकसर गुमसुम दिखाई देंगे, मानो जीवन का कोई अनसुलझा हिसाब सुलझा रहे हों और हिसाब के इस सुलझाने के बीच कहीं से कोई खलल पड़ी नहीं कि पिता का गुस्सा फूट पड़ता है। एक पिता वे, जो बच्चों के लिए हमेशा ही नसीहतों के भंडार होते हैं, बच्चों के भविष्य की चिंता में ऐसे खोए कि उनका वश चले तो दुनिया को मुट्ठी में करके किसी टॉफी की तरह बच्चे को थमा दें या फिर बच्चे को उस दुनिया का सिरमौर बना दें। इससे इतर पिता की कुछ और भी छवियां हैं, हम सबके मन में। जैसे, बूढ़े और किंचित बीमार पिता, जो अपने गुस्से पर काबू पाना सीखना चाह रहे हों या फिर बेटी की शादी की चिंता में देह से दुबले, मन से कमजोर और सामाजिक नियमों-कायदों को मानते चले जाने की अपनी आदत के आगे लाचार होते पिता। रिटायरमेंट की उम्र की तरफ तेजी से बढ़ते और बेरोजगार बेटे की नौकरी की चिंता में लगातार चिड़चिड़े होकर बात-बात पर झुंझलाते और बेटे की 'मां' को अफसोस के स्वर में यह सुनाते पिता कि 'सब कुछ सीखा हमने ना सीखी होशियारी।' या फिर इन सबसे अलग नौजवान हो चले बच्चों से कभी मौन भाषा तो कभी दबे स्वर में यह सुनते पिता कि 'आपको आदर्श ही प्यारे रहे, दुनियादारी तो कभी आई ही नहीं, वर्ना हम सब किराए के घर में पूरा जीवन ना बिताते।'

हर दौर से जुड़ी अलग छवि

यादों के पिटारे में बसी पिता की इन बेशुमार छवियों को झांकने में एक मुश्किल है। मुश्किल यह कि इनमें से कोई भी छवि ऐसी नहीं है कि उसे एक 'सामान्य पिता' या स्थायी छवि के रूप में स्वीकार किया जा सके। पिता की ये छवियां क्षण-भंगुर हैं। समय के खास खंड में कैद छवि। समय का वह दौर गुजरने के साथ ही उसके साथ बंधी हुई पिता की वह छवि भी गायब हो जाती है। बेशक जीवन के क्षण विशेष के फ्रेम में बंधी इन छवियों में से हर एक को केंद्र बिंदु बनाकर पारिवारिक जीवन की कहानियां बुनी जा सकती हैं, लेकिन ऐसी कोई भी कहानी एक 'सर्व-सामान्य' पिता की कहानी नहीं होगी। कोई ऐसी कहानी, जिससे एक संतान के रूप में ज्यादातर लोग अपने को जोड़ सकें।

मध्यवर्गीय पिता की सामान्य छवि

पिता की बस एक ही छवि, हमारे-आपके जेहन में 'सर्व-सामान्य' या कहें आदर्श रूप में बसी है, सो इस छवि से संतान के रूप में हममें से ज्यादातर लोग जुड़ा हुआ महसूस कर सकते हैं और इस नाते यह छवि अपेक्षाकृत टिकाऊ भी है। पिता की यह छवि जीवन के किसी नाटकीय लम्हे से नहीं बल्कि हमारी स्कूली जिंदगी के रोजमर्रे के सादेपन से बंधी है। यह छवि एक ऐसे पिता की है, जो सुबह आठ से दस बजे के बीच स्कूटर या साइकिल से या फिर पैदल ही घर से बाहर निकल जाते हैं और गहराती रात की तरफ ढलती शाम में घर लौटते हैं। इस बीच पूरा घर पिता के लौट आने की एक अबोली प्रतीक्षा कर रहा होता है। बच्चे सो चुके होते हैं। वे जानते हैं कि पिता से भेंट अब अगली सुबह होगी, जब स्कूल जाने की तैयारियों के लिए मची हड़बड़ के बीच हो रही गड़बड़ के लिए फटकार सुनने को मिलेगी और उस फटकार के बीच ही ऐसे पल खोज लेने होंगे, जिसमें अकसर तो 'मां' को आगे करके या फिर हद दर्जे की हिम्मत बांधकर खुद ही पिता के चेहरे से अपनी आंखों को तीस या साठ डिग्री के कोण पर रखते हुए यह कहना होगा कि 'कुछ पैसे दे दो, नए जूते लेने हैं, कल खेलते समय पुराने जूते का तल्ला उखड़ गया था।' ऐसा कहते हुए जी को यह जवाब सुनने के लिए तैयार रखना होता था कि 'एक हफ्ते रुक जाओ, अगली तनख्वाह आ जाए तो दिला दूंगा।' यह मध्यवर्गीय घरों में पिता की सबसे जानी-पहचानी छवि है। यह छवि भारतीय घरों में पिछले पचहत्तर सालों यानी देश की आजादी के बाद के समय से ठहरी हुई है। इस छवि में पिता जितनी अपनी वास्तविक मौजूदगी का नाम है, उससे ज्यादा मानसिक मौजूदगी का। वास्तविक मौजूदगी का इसलिए कि पिता से भेंट सुबह के घंटों में होनी ही होनी है, जब बच्चों को स्कूल जाना होता है और पिता को अपने रोजगार के लिए। लेकिन फिर पिता के लौटने तक बच्चों की उनसे साक्षात भेंट मुश्किल है। मानसिक मौजूदगी का इसलिए कि सुबह से देर शाम तक घर में पिता के ना होने के बावजूद सारा कुछ जैसे पिता की प्रतीक्षा में ही सरकता है, एक अनुशासन में बंधा हुआ कि कहीं कुछ गड़बड़ ना हो वर्ना फटकार सुनने को मिलेगी। क्या पता कान उमेठ दिए जाएं या गड़बड़ कुछ ज्यादा ही संगीन हुई तो जोर की एक चपत भी लग जाए और देर तक गाल सहलाने पड़ें।

आदर्शों के आकाश जैसे पिता

अपनी अनुपस्थिति में सदा उपस्थित, 'सादा जीवन, उच्च विचार' की नसीहत देने वाले पिता की ठोस और ठहरी हुई छवि, मध्यवर्गीय परिवारों के ज्यादातर संतानों के लिए पिता की आद्य और स्थायी छवि है। पिता की यही छवि, आगे के समय में हमारे भाव-जगत में आदर्शों का एक आईना बन जाती है, जिसके भीतर हम बदलते वक्त के बनते-बिगड़ते नायकों को अपने नैतिक जगत में तौलते रहते हैं। यह पिता हमारे लिए अपने आदर्शों का आकाश हो जाता है। हां, आकाश जो वैसे तो अपनी ऊंचाई में हमसे बहुत दूर होता है लेकिन विशालता में इतना नजदीक कि जैसे हमारा हर कदम उनकी निगाहों में हो और जरा सी विचलन पर वह हमें टोक देंगे। यही पिता की छवि की विराटता है और संतान के जीवन में उनकी भूमिका की उदात्तता। *

(लेखक जेपी विवि, बिहार में प्राध्यापक हैं)

आइए आज दिल से कहें थैंक यू सो मच पापा...

हर संतान के जीवन को रचने, संभालने और संवारने में उसके पिता की भूमिका अद्वितीय होती है। वैसे तो पिता, अपनी संतान से अपेक्षा कम ही करते हैं। लेकिन फादर्स-डे वो खूबसूरत मौका है, जब हम अपने पिता को उनकी उदात्त भूमिका के लिए आभार व्यक्त कर उन्हें बेइंतहा खुशी दे सकते हैं।

भावनाएं / लोकमित्र गौतम

इस धरती पर इंसानी सभ्यता के विकास की यात्रा में बहुत कुछ बदला है, लेकिन गौर से देखें तो संवेदना की प्रकृति में ज्यादा कुछ नहीं बदला। किसी भी बच्चे से अगर पूछा जाए कि उन्हें दुनिया में सबसे ज्यादा प्यार कौन करता है, तो लगभग सभी बच्चे यही कहेंगे कि उनकी मां। शायद यह सच भी है, क्योंकि मां का अपने बच्चे के लिए प्यार न सिर्फ बच्चे को बल्कि पूरी दुनिया को दिखता है। मां से बच्चों के अतिरिक्त लगाव का एक वैज्ञानिक कारण मां और बच्चे के गर्भनाल का संबंध भी हो सकता है और यह भी कि धरती में आने पर शिशु का मां के शरीर से ही प्रथम स्पर्श होता है। दुनिया में जब बच्चों के लिए त्याग, समर्पण और संवेदना की बात की जाती है, तो हमेशा मां को याद किया जाता है। बच्चों के लिए मां के त्याग को पहचाना और सराहा जाता है। जबकि पिता का प्यार दुनिया को तो क्या, उनके बच्चों तक को भी प्रायः नहीं दिखता।

याद नहीं रहता पिता का त्यागः भावनात्मक तौर पर कठोरता का आवरण ओढ़े पिता प्रायः चाहते भी नहीं कि बच्चों के लिए किया जाने वाला उनका प्यार, उनका समर्पण, उन्हें दिखे। हकीकत यह भी है कि पिता कभी भी यह उम्मीद नहीं करते कि उनके बच्चे, उन्हें सबसे ज्यादा प्यार करें, लेकिन वह अपने बच्चों के भरण-पोषण में पूरी जिंदगी लगा देते हैं। शायद यही वजह है कि हमेशा से संतानें अपने पिता के प्रति आभार व्यक्त करना भूल जाती हैं।

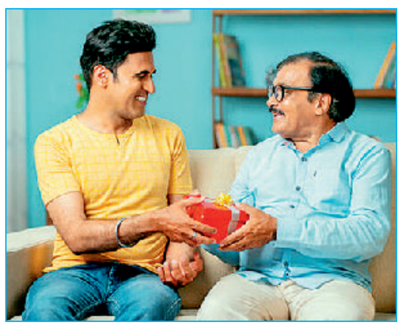

हर पिता का समर्पण अद्वितीयः आमतौर पर दुनिया में कुछ ही महान पिताओं की गाथा पढ़ी और सुनाई जाती हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि जो पिता बहुत प्रसिद्ध या महान व्यक्ति नहीं होते, वो भी अपने बच्चों के लिए उतना ही प्यार, उतना ही समर्पण और उतनी ही संवेदना रखते हैं, जितनी संवेदना और प्यार बेहद समर्पित समझे जाने वाले पिता रखते हैं। इसलिए अपने-अपने पिता के प्रति आभार व्यक्त करना हर संतान का फर्ज बनता है।

पिता के प्रति प्रकट करें आभारः फादर्स-डे, अपने पिता के प्रति आभार प्रकट करने के लिए वर्ष का सबसे सटीक दिन है। इसे मनाए जाने के लिए किसी अधिकृत तौर-तरीकों या थीम का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। हम सबको इस दिन अपने जन्म देने वाले और पालक पिता के प्रति जो भी हमारा सबसे सरल और सहज तरीका हो, उस तरीके से आभार और धन्यवाद व्यक्त करना चाहिए।

दें उन्हें हर संभव खुशीः इस दिन हम अपने पिता के प्रति कई तरह से प्यार, सम्मान और आभार व्यक्त कर सकते हैं। उनकी रुचियों, अभिरुचियों का ध्यान रखकर, उनकी इच्छाओं को पूरा कर सकते हैं। उनके सपनों का स्मरण कर सकते हैं और उन्हें जिस तरह से जितनी भी खुशी संभव हो सके, देने की कोशिश कर सकते हैं। जैसे पिता अपने बच्चों की ख्वाहिशों, चाहतों और उम्मीदों को बिना जुबान में लाए ही समझ जाते हैं, करीब-करीब यही बात बच्चों के लिए भी पिताओं को लेकर सच होती है। हम सब जानते हैं, हमारे पिता की सबसे बड़ी चाहत क्या है? वो कब, किस बात पर सबसे ज्यादा खुश होते हैं, और हमारी क्या बात उन्हें गर्व से भर देती है? इस दिन ही नहीं हर रोज हमें अपने पिता को ऐसी ही खुशियां देनी चाहिए।

उनके संग बिताएं यादगार पलः दुनिया में हर व्यक्ति को अंतिम रूप से शिक्षित कोई शिक्षक ही करता है, लेकिन यह भी सच है कि हर संतान को उसकी पहली व्यावहारिक शिक्षा, उसका पिता ही देता है। इसलिए हमें आज के दिन कुछ और नहीं तो अपने पिता को एक शिक्षक के रूप में तो सम्मान देना ही चाहिए। पिता, मांओं की तरह बात-बात पर अपनी भावनाएं व्यक्त करके सजल नहीं होते, लेकिन हकीकत यही है कि पिता भी अपने संतानों के लिए भावनाओं से भरे होते हैं। इस दिन हमें अपने पिता की मातृत्वपूर्ण भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और उनका एहसास कराना चाहिए। उनके करीब बैठें, उनको सुनें, इसी से उनको बहुत खुशी मिलेगी। *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

एक पिता का संतोष

अपने बेटे आलोक की तरक्की देख पिता रामशरण जी फूले नहीं समा रहे थे। आखिर इसी दिन के लिए तो उन्होंने इतनी मेहनत की थी। खेती-किसानी करके उन्होंने अपने बेटे को पढ़ाया-लिखाया और किसी काबिल बनाया।

बेटे के ठाठ-बाट देखकर शहर से लौटे पड़ोसी बृजेश बाबू रामशरण जी से बोले, 'मैं कल ही लौटा हूं भोपाल से। तुम्हारा बेटा तुमसे बहुत आगे निकल गया है रामशरण। वह तो बहुत बड़ा अफसर है। बड़े बंगले में रहता है, महंगी गाड़ी में चलता है और तुम हो कि आज भी इस खपरैल वाले घर में रहते हो। खटारा साइकिल पर चलते हो।' 'हां सही कहा आपने भाई साहब, ये अभी भी खेती-बाड़ी में ही उलझे हैं।' वहीं बैठी रामशरण जी की पत्नी बोलीं।

रामशरण जी ने लंबी सांस खींची फिर बोले, 'हां, यह सही है कि मैं अपनी जिंदगी में अपने लिए कुछ नहीं कर सका, क्योंकि मैं एक-एक पाई जोड़कर अपने बच्चे को किसी योग्य बनाने में लगा रहा। मुझे अपने पास गाड़ी-घोड़ा ना होने की कोई शिकायत नहीं है। मैंने कभी अपने बच्चे से रेस नहीं लगाना चाहा। मैं बस उसकी दौड़ को देखता रहा और उसको जितना सहारा दे सकता था, देता रहा। मुझे खुशी है कि कम-से-कम उसे वो कष्ट देखने को नहीं मिलेंगे, जो मैंने अपनी जिंदगी में देखे हैं। मैं अपनी जिंदगी से खुश हूं... संतुष्ट हूं।'

रामशरण जी की बात सुनकर बृजेश बाबू कुछ भी नहीं बोल सके। पत्नी भी खामोश रही। *

कविता / हरीश कुमार 'अमित'

रिश्ते दर्द के

होता नहीं कोई इतना मुश्किल
सहलाना दूसरों के जख्मों को।
थोड़ी-सी कोशिश करे आदमी
तो किए जा सकते हैं कम
दूसरों के दर्द।
यकीन मानिए सहलाने से
दूसरों के जख्मों को कम होता है
न सिर्फ दर्द उन लोगों का,
बल्कि भूल जाते हैं हम
अपने भी कुछ दर्द।
कैसे अजीब हैं न
ये रिश्ते दर्द के।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कहानियों में कविता

राजेश जोशी हमारे समय के महत्वपूर्ण कवि हैं, साथ ही वह लाजवाब गद्यकार भी हैं। इसकी बानगी उनकी कहानियों में देखी जा सकती है। उनकी कहानियों का संकलन 'मैं हवा पानी परिंदा कुछ नहीं...' कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इन कहानियों में वे रियलिटी और फैंटेसी का ऐसा बेहतरीन कोलाज रचते हैं कि पाठक खुद को एक नए प्रतिसंसार में महसूस करता है। संग्रह की अपेक्षाकृत बड़ी कहानियां 'मैं हवा पानी परिंदा कुछ नहीं...', 'सांप' और 'सोमवार' तो अपनी बुनावट और कहन में बेहतरीन हैं ही, छोटी कहानियां 'हंसी', 'नई आंख' और 'बगल की सीट' अपने प्रतीकात्मक कथ्य और कटाक्षपूर्ण शैली की वजह से देर तक मन में ठहरी रहती हैं। कहानी की बनी-बनाई परंपरा से इतर ये कहानियां अपने कलेवर में कविता का भी आनंद प्रदान करती हैं। *

पुस्तकः मैं हवा पानी परिंदा कुछ नहीं... (कहानी संग्रह), **लेखकः** राजेश जोशी, **मूल्यः** 595 रुपए, **प्रकाशकः** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

कहानी / शुभदा मिश्र

जरा-ढूंढ़िए ऐसे भी सिरफिरे...

बचपन से उसकी जिंदगी में झंझावात शुरू हो गए थे। एक बार विपरीत परिस्थितियां बनीं तो स्कूल-कॉलेज क्या, नौकरी लगने और शादी के बाद भी मुसीबत ही मुसीबत। चूंकि वह स्त्री थीं, ऊपर से नैतिकता उसकी रगों में था, इसलिए जिंदगी की राह और पथरीली हो गई। हर परिस्थिति से लड़ती एक स्वाभिमानी स्त्री की कहानी।

आप पत्रकार लोग भी अजीब प्रश्न करते हैं। अभी प्रश्न कर रहे हैं कि आपके जीवन का सर्वाधिक खुशी का पल कौन-सा है? हमें समझा भी रहे हैं..., हमारा मतलब, आपके निजी जीवन से, निजी खुशी से।

तो बंधु, ऐसे सर्वाधिक खुशी के पल तो समय-समय पर आते रहे और जाते भी रहे। मसलन, पांचवीं की बोर्ड परीक्षा में हम पूरे इलाके में प्रथम आए थे। पूछिए मत, क्या खुशी मिली। जाने कहां-कहां से लोग देखने आए, कौन है यह लड़की? खुशी के नशे में चूर ही रहती यह लड़की कि तभी मिडिल स्कूल में एक अनजान लड़के ने पटखनी दे दी। अपने राम प्रथम से तीसरे स्थान पर। कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहे। बाहर से ज्यादा घर में फजीहत। कॉलेज में तो वो पटखनियां खाए कि भूल ही गए कि कभी हम भी पूरे इलाके में अव्वल आए थे। नौकरी मिली तो मानो भगवान मिल गए, पूरे मुहल्ले में मिठाई बांटी। सचमुच सर्वाधिक खुशी के पल। तीन-चार दिन हुए होंगे, अकेले अंधेरे कमरे में जमीन पर लेटते झर-झर आंसू बहा रहे हैं। कारण कि पूरा स्टाफ जैसे फजीहत करने के लिए ही हमारा इंतजार कर रहा था। रोज फजीहत के नए-नए षडयंत्र। शादी हुई बड़े घर में। वाकई सर्वाधिक खुशी। उड़ रहे हैं हवा में। मगर यहां तो और भी खतरनाक गिरोह घात लगाए बैठा था। हमारे ही इंतजार में। नौकरी तो आसानी से छोड़ दी, लेकिन शादी कहां इतनी आसानी से छूटती। सबसे बड़ी बाधा, अपना ही मायका, कहे 'चार दिन सह लो गाली, तोहमत, जो दें सब, फिर देखना, तुम्हारा ही राज।' चार दिन थे कि खत्म ही न हों। आखिर मैं भी बिलबिला उठी और वह भयंकर घड़ी आ ही गई, जब न सिर पर छत थी, न खाने को रोटी। पगली-सी सड़क में खड़ी। इस समय कुछेक मित्र बेचारे सामने आए। किसी तरह संभाला। समझाया कि दावा ठोंको अपने हक का।

बरसों इतनी सेवाएं दी हैं। यातनाएं सहीं। 'मैं अब तक किस-किस पर ठोंकू दावा।' मित्र सिर पर सवार थे। अपनी बुद्धि ठिकाने नहीं। वे जैसा कहें, करूं। कचहरी के दो-चार चक्कर लगाते ही मेरे प्राण सूख गए। ऐसे-ऐसे दारुण दृश्य कि मैं अधमरी और मर गई। मित्रों को दया आई... 'छोड़ो जी, मुकदमा करना तुम्हारे बस का नहीं। तुम तो लिखती रही हो। मुसीबत में पड़े निर्धन लेखकों को सरकार हर महीने वजीफा देती है, यानी गुजारा राशि। मिल जाए तो हम लोग भी बेफिकर हो जाएंगे। हम पर दया करो देवी, इस आवेदन पत्र पर दस्तखत कर दो।'

मुझ मरी-हरी को तो जैसे काठ ही मार गया। जीवन चलाने के लिए सरकार से पैसा लूं। मैंने जितना शास्त्र पढ़ा, जाना और समझा था, उसके अनुसार मनुष्य योनि बड़ी मुश्किल से मिलती है। मनुष्य योनि पाने की स्थिति में जीवात्मा अपने माता-पिता, परिवार, स्थान खुद ही चुनता है। कई बार शरीर धारण करने की बेचैन व्याकुलता में वह किसी भी जगह, किसी भी माता-पिता से पैदा हो जाता है। खैर जो हो, यह तो स्पष्ट है कि इस दुनिया में मैं अपनी मर्जी से आई हूं। जब अपनी मर्जी से आई हूं तो गिड़गिड़ाऊं दूसरे से कि मुझे जीवन चलाने के लिए पैसा दो। राम-राम, यह तो मुझसे न होगा। मगर मैं तो अपने बस में थी नहीं। मैं तो थी उन मित्रों के बस में। आवेदन पत्र देखा, पढ़ा न जाए। इतनी दीनता, ऐसी कातर याचना! यही मनुष्य 'ब्रह्म का अंश' होने का मुगालता पाले है। पशु-पक्षी, कीड़े-मकोड़े अपना जीवन चला लेते हैं, सहजता से। एक मैं मनुष्य, इस तरह गिड़गिड़ा रही हूं। भीतर हाहाकार करती ग्लानि, हाथ दस्तखत कर रहे थे। गैलिलियो झलके...'आई विल डू, ऐज यू विश।' मित्र इंतजार करते रहे। खबर आई कि मेरा आवेदन अस्वीकृत। मित्र गुस्से से पागल... 'बताओ इतनी अच्छी लेखिका। इतने राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार जीत चुकी है। राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में छप चुकी है, इसे नहीं दिया, दिया होगा किसी अपने टट्टू को। आज हमारी भी सिफारिश होती, पहुंच होती, मुट्ठी गरम किए होते, तो हो जाता इनका भी। मगर दोष तो इनका भी है। आज की दुनिया मिलने-जुलने की है। अपना ढोल खुद बजाने की है। ये तो किसी से मिलती-जुलती ही नहीं। बात तक नहीं करती। जाने किस बात की अकड़ है इन्हें तो।'

वे गुस्से में बिलबिलाते रहे और मैं, मेरे तो दिल में खुशी के बुलबुले फूट रहे थे। जैसे सारी ग्लानि, सारी दीनता से मुझे एकबारगी मुक्ति मिल गई। रग-रग में खुशी हिलोरें ले रही थी। कूदूं, नाचूं कि खुशी के मारे धरती में लोट-पोट होऊं। विलक्षण खुशी। अब तक के जीवन का 'सर्वाधिक खुशी का क्षण।' मेरा चेहरा खुशी में दमकता देख वे गुस्से से बिफरने लगे... 'लाइए तो अपनी सभी प्रकाशित रचनाएं, पुरस्कार, सम्मानपत्र, पदक, स्मृति चिन्ह और चलिए हमारे साथ मिलते हैं सांस्कृतिक सचिव से, मंत्री से, नहीं जी सीधे मुख्यमंत्री से। राष्ट्रीय स्तर की नामी लेखिका के साथ इतना बड़ा अन्याय।'

मगर मैं वह सब लाने के बजाय घुस गई पास के दर्जी मन्नू भाई की दुकान में। मांग लाई ढेर सारे कपड़े। काज, बटन, तुरपाई के, सीवन खोलने के। मित्र भड़क कर जो भागे कि फिर दिखे नहीं। बोले, जाए मरे सिरफिरी।

कुछ दिन किराए की छोटी सी कुठरिया में बैठी यही सब करती रही। काज, बटन, तुरपाई। साड़ियों में फाल लगाना। पीको। वे जो पैसा देते, चुपचाप ले लेती। रोटी पेट में जाने लगी। अपनी कमाई रोटी। अपनी छत। दबाव किसी का नहीं।

मन शांत हुआ। बुद्धि क्रियाशील। मैं अपने 'स्वत्व' में आ गई। आत्मबोध सजग हो उठा। मैंने अपनी स्वाभाविक प्रकृति के अनुकूल काम शुरू कर दिया, यानी पढ़ाना। पढ़ाया। बच्चों को, बड़ों को। आगे का हाल आप लोग खुद जानते हैं। नामी टीचर कहलाने लगी। पैसे को प्रमुखता देने की प्रवृत्ति थी नहीं।

जीवन की गुणवत्ता प्रमुख रही। ठीक-ठाक आमदनी, सीमित आवश्यकताएं, मैं भी भूखा न रहूं, साधु न भूखा जाए।

इसी बीच सरकार की ढेरों मुफ्त बांटने वाली योजनाएं आईं। लोग टूट पड़े, लूटने के लिए। क्या गरीब क्या अमीर। लोग मुझे समझाए... 'सरकार तो माई-बाप होती है। दे रही है तो क्यों न लो। लो और ठाठ से रहो।'

अब मैं क्या बताऊं। मुझे तो मां-बाप से भी पैसा लेने में ग्लानि होती थी। कॉलेज पहुंचते-पहुंचते मैं ट्यूशन करके अपना खर्च निकालने लगी थी। अब जब मैंने घोर दारुण हालात में 'गुजारा' नहीं लिया तो मैं क्या ये मुफ्त रेवड़ियां बांटने वाली लाइन में लगूं। मैं तो ध्यान भी नहीं देती कि सरकार क्या-क्या मुफ्त बांट रही है। वह 'सर्वाधिक खुशी' जो उस क्षण उभरी थी मेरे अंतर में समाई ही रही मेरे भीतर। और खुशी के पल आए और गए, पर यह खुशी अक्षुण्ण हो गई। अखंड दीप जलता है उस खुशी का मेरे भीतर। मानवीय गरिमा का अद्भुत प्रकाश, अनूठी ऊर्जा फेंकता। लोग कहते हैं... 'ये मैडम एकदम सिरफिरी हैं।' आप तो पत्रकार हैं। खोज-खोज कर ऐसे व्यक्ति लाते हैं, जिन्हें सरकार की मुफ्त वाली योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया। अब जरा उन व्यक्तियों की भी खोजबीन कीजिए, जो अपनी मामूली कमाई में सहज, सरलता से जीते हैं। मुफ्त बांटने वाली सरकारी योजनाओं पर ध्यान ही नहीं देते। वे सब रेवड़ियां उनके ठेंगे से। पता कीजिए न, क्या ऐसे सिरफिरे और भी हैं। मुझे तसल्ली होगी। मन तो कहता है, मां भारती को भी तसल्ली होगी। *

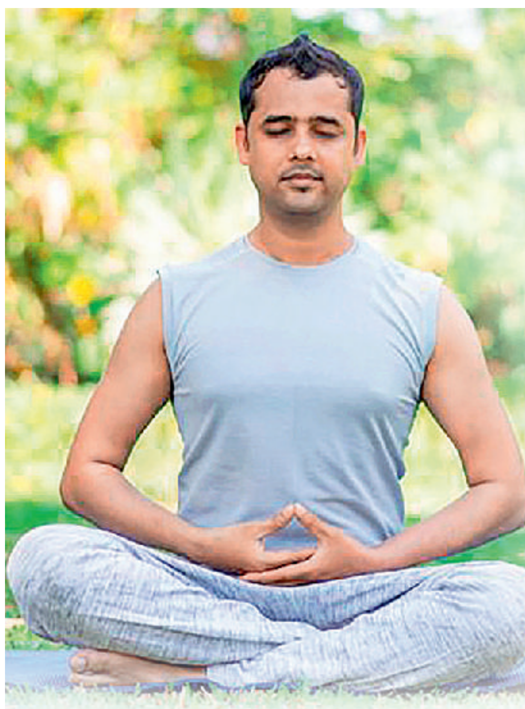

विशेषः अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून

आज के दौर में तमाम भौतिक सुख-सुविधाएं होने के बावजूद लोगों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य का स्तर गिरता जा रहा है। इससे मुक्ति पाने के लिए योग को जीवन में अपनाना बहुत कारगर हो सकता है। योग किस तरह से हमें स्वस्थ, ऊर्जावान और सशक्त बनाता है, इस बारे में हम सभी को पता होना चाहिए।

हमें स्वस्थ-सशक्त-ऊर्जावान बनाए योगमय जीवन

जीवनशैली / सोनल मंजू श्री ओमर

इस संसार में हम भले हर प्रकार का वैभव, सुख-सुविधा, ऐश्वर्य हासिल कर लें, लेकिन अगर अपना तन स्वस्थ और मन सुखी नहीं है तो हम खुश नहीं रह सकते हैं। क्या आपने सोचा है कि मन का सबसे बड़ा दुःख क्या है, यही कि हम अपने भीतर एक अपूर्णता, अधूरापन अनुभव करते हैं और उस अधूरेपन को भरने के लिए बाहरी संसार के व्यक्ति, वस्तु, संबंध, सत्ता, संपत्ति, ऐश्वर्य को खोजते हैं, जिसके प्रति एक अविवेकपूर्ण तृष्णा जागृत हो जाती है। इसमें व्यक्ति मदांध होकर न जाने कितने अनर्थ करता रहता है। मन की इसी अनियमित और अनियंत्रित गति को स्थिर करता है योग।

योग का मूलार्थ-सिद्धांत

योग एक संस्कृत शब्द है, जो 'युज' से आया है, जिसका अर्थ है इकट्ठा होना, बांधना। सामान्य भाव में योग का अर्थ है जुड़ना। यानी दो तत्वों का मिलन योग कहलाता है। योग की पूर्णता इसी में है कि जीव भाव में पड़ा मनुष्य परमात्मा से जुड़कर अपने निजी आत्मस्वरूप में स्थापित हो जाए। योग का मूल संदेश और सिद्धांत है, मैं स्वयं में पूर्ण हूं, सृष्टि भी अपनी पूर्णता, दिव्यता में प्रतिष्ठित है।

सिर्फ आसनों तक नहीं सीमित

आजकल के व्यावहारिक क्रिया-कलापों में योग को सिर्फ आसनों तक ही सीमित मान लिया जाता है। इसके केवल शारीरिक लाभों के बारे में अधिक बताया जाता है। वास्तव में योग सिर्फ आसनों तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी महत्ता और उपयोगिता इससे कहीं अधिक है। इससे केवल शारीरिक नहीं अपितु मानसिक और आध्यात्मिक शांति भी प्राप्त होती है।

योग की उपयोगिता-महत्ता

योग में आसन, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से हम मन, श्वास और शरीर के विभिन्न अंगों में सामंजस्य बनाना सीखते हैं। जिससे तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में सहायता मिलती है। इससे शरीर मे लचीलापन, रोग प्रतिरोधक क्षमता, मन-आत्मा में नियंत्रण और आत्मशक्ति विकसित होती है। वास्तव में योग ऐसी विद्या है, जिसमें पारंगत होने से शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक उन्नति होती है।

हालांकि आधुनिक युग में लोग अपनी भाग-दौड़ भरी जिंदगी में योग के महत्व को भूलते जा रहे हैं। कुछ युवा, जो स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होते हैं, वे भी योग अपनाने के स्थान पर जिम जाना पसंद करते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि जिम में व्यायाम करने से केवल हमारा शरीर स्वस्थ रहता है, जबकि योग हमारे शरीर के साथ-साथ मन-मस्तिष्क को भी स्वस्थ बनाता है। इससे तनावमुक्त जीवन मिलता है, मानसिक शक्ति का विकास होता है, निरोगी काया मिलती है, रचनात्मकता का विकास होता है, मानसिक शांति प्राप्त होना, सहनशीलता में वृद्धि, वृहद सोच, उत्तम शारीरिक क्षमता का विकास भी होता है। योग के प्रमुखतः चार प्रकार माने गए हैं।

राज योगः योग की इस शाखा का सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण अंग है ध्यान। वैसे इस योग के कुल आठ अंग हैं, जिस कारण महर्षि पतंजलि ने इसका नाम अष्टांग योग रखा। ये आठ अंग हैं-यम (शपथ लेना), नियम (आत्म अनुशासन), आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा (एकाग्रता), ध्यान (मेडिटेशन) और समाधि यानी अंतिम मुक्ति।

कर्म योगः योग की अगली शाखा कर्म योग या सेवा का मार्ग है। हममें से कोई भी कर्म करने से नहीं बच सकता है। लेकिन कर्म करते हुए जागरूक होने से हम नकारात्मकता और स्वार्थ से मुक्त एक बेहतर भविष्य के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

भक्ति योगः भक्ति योग, भक्ति के मार्ग का वर्णन करता है। यह योग परमात्मा का ध्यान एवं उनकी भक्ति के माध्यम से भावनाओं पर नियंत्रण एवं आत्म-अनुशासन जैसे गुण सिखाता है। साथ ही सकारात्मकता में वृद्धि करता है।

ज्ञान योगः अगर हम भक्ति योग को मन का योग मानते हैं, तो ज्ञान योग बुद्धि का योग है। यह ऋषि-मुनियों और विद्वानों के लिए सहज मार्ग माना जाता है। इस पथ पर चलने के लिए योग के ग्रंथों के अध्ययन के माध्यम से बुद्धि के विकास की आवश्यकता होती है।

भारत ने दिलाई वैश्विक प्रतिष्ठा

योग के लाभों को दुनिया में जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारत के प्रयासों से वर्ष 2015 में 21 जून की तिथि को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाना घोषित किया गया। 21 जून का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। 2015 के बाद से सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के अनेक देशों में यह दिन उत्साह से मनाया जाता है। इससे होने वाले लाभों को अनेक देशों के वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने भी स्वीकारा है। इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव-2024 का आयोजन योग के विभिन्न आयामों एवं उसकी उपयोगिता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए किया जा रहा है। इस वर्ष के योग दिवस की थीम 'महिला सशक्तिकरण के लिए योग' निश्चित की गई है। आइए हम सब भी इस दिन अपने जीवन मे योग को अपनाने का संकल्प लें। *

अत्यंत प्राचीन परंपरा

योग का सबसे पहले उल्लेख ऋग्वेद में किया गया है, जिसके रचनाकार वेद व्यास थे। अन्य प्राचीन भारतीय ग्रंथों, भागवत गीता, योग वशिष्ठ, हठ योग प्रदीपिका, गेरांडा संहिता, शिव संहिता, उपनिषदों और पुराणों आदि में भी इसका जिक्र किया गया है। योग का जनक महर्षि पतंजलि को माना जाता है, क्योंकि उन्होंने योग सूत्रों के माध्यम से इसे और अधिक सुलभ बनाया। इसके अलावा उन्होंने योग के जरिए लोगों को स्वस्थ, संयमित और निरोग जीवन जीने की प्रेरणा दी थी।

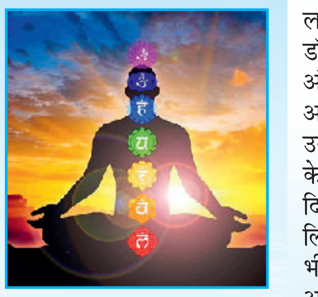

जिस पिता ने उड़ना सिखाया ना भूलें उनका प्यार-त्याग

रिश्ता / अतुल मलिकराम

अपनी संतान की बेहतरी, उसकी खुशी और उसके सपने पूरे करने के लिए पिता कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहते हैं। ऐसे में हर संतान का दायित्व है कि उनके प्यार और त्याग को कभी ना भुलाएं, उन्हें हर संभव खुशी दें।

अपनी खुशियां न्यौछावर करके एक पिता, अपने बच्चों को लाखों-करोड़ों रुपए कमाने के लायक बनाता है, लेकिन इस काबिल होने के बाद भी कई बार वही संतान पिता की उपेक्षा करने लगता है। यह ऐसा कटु सत्य है, जिससे नए जमाने का कोई भी शख्स इंकार नहीं कर सकता।

पितृ सम्मान की रही आदर्श परंपरा : भारत जैसे देश के लिए आज के समाज की कटु सच्चाई बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि अतीत के दो युग, यानी त्रेता और द्वापर के ऐसे अनगिनत किस्सों का हमारे ग्रंथ और पुराण शंखनाद करते हैं, जो एक पिता और पुत्र के पवित्र रिश्ते का बखान करते हुए थकते नहीं हैं। ये ग्रंथ और पुराण इसलिए लिखे गए हैं कि आने वाली पीढ़ियां इनसे सीख सकें कि हमारे देश की संस्कृति कितनी महान रही है और रिश्तों का हमारे जीवन में कितना मूल्य होता है। श्रवण कुमार कावड़ में बैठाकर अपने नेत्रहीन माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराने ले गए थे। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अपने पिता के वचन को पूरा करने के लिए अपना सुखद जीवन और अगले ही दिन मिलने वाला राजसिंहासन त्याग कर 14 वर्षों के लिए वनवास स्वीकार कर लिया। अपने पिता वासुदेव को न्याय दिलाने के लिए श्रीकृष्ण अपने जीवन से हर कदम पर अपनी सबसे कीमती वस्तुएं और उनके दिल के सबसे समीप लोग एक-एक करके पीछे छोड़ते चले गए, वह भी चेहरे पर बिना किसी शिकन के।

आधुनिकता में टूटने लगी परंपराः पुराणों में वर्णित विभिन्न जीवंत उदाहरणों से प्रेरणा लेकर कलयुग के कई पुत्र भी अपने-अपने पिता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने से पीछे नहीं हटे। माता-पिता का सम्मान, उनसे आंखें नीचे करके बात करने की आदत, माता-पिता ने जो कह दिया, पत्थर की लकीर मान अपने पिता के लिए कुछ कर गुजर जाने की ललक, ये सारे गुण पुरानी पीढ़ियों में बेशक गहनता से देखने को मिलती थी, लेकिन अब यह सब कुछ यादों, किताबों और किस्से-कहानियों में ही सीमित होकर रह गया है। आज के समय में लगता है इनसे लोगों का कोई नाता नहीं रहा, क्योंकि आधुनिकता का बवंडर कुछ ऐसा चल पड़ा है कि सब उसी में खोते जा रहे हैं। इसके भयावह परिणाम साफ-साफ दिखने लगे हैं।

बच्चे पर सब न्यौछावर करते हैं पिताः एक पिता अपने बच्चे को श्रेष्ठ जीवन देने में कोई कसर नहीं छोड़ता है। उसकी मंशा सारे जहान भर की खुशियां अपने बच्चे की झोली में डाल देने की होती है। हर पिता यही चाहता है कि अपने जीवन में जो कुर्बानियां उसने दी हैं, वह अपने बेटे के साथ ऐसा कुछ नहीं होने देगा। खुद अपने कपड़ों की परवाह नहीं करता, लेकिन बच्चे को एक से बढ़कर एक कपड़े पहनाता है। खुद फटे जूते पहनता है, लेकिन अपने बच्चे को महंगे से महंगे जूते दिलाता है। उसकी हर ख्वाहिश पूरी करता है। अपनी अंगुली पकड़ कर बच्चे को चलना सिखाता है, अपने कंधे पर बैठाकर दुनिया की सैर कराता है और उसके हर अरमान पूरे करता है, उसे उड़ना सिखाता है। पिता हमेशा ही अपने बच्चे को मानवीय मूल्यों, ईमानदारी और मेहनत के महत्व के बारे में सिखाता है। बचपन से ही वह अपने बच्चों को यह सिखाने की कोशिश में लगा रहता है कि सच्ची दौलत उसे उन्हीं रिश्तों से मिलेगी, जो परिवार और नैतिकता से जुड़े होते हैं। इतना सब सिखाने के बावजूद वही संतान अगर आगे चलकर पिता को भूल जाए या उनको वृद्धाश्रम का रास्ता दिखाए तो इससे बड़ी विडंबना कुछ और नहीं हो सकती है।

पिता का सम्मान भूल रही संतानः इससे बड़ी विडंबना क्या हो सकती है कि नए दौर के बच्चे, अपने पिता के मान-सम्मान को ठेस पहुंचाने में थोड़ा भी संकोच नहीं करते हैं, क्योंकि उनके अपने मान-सम्मान से अधिक उनकी नजरों में कुछ भी नहीं होता है। मिलावट के इस दौर में अब रिश्तों में भी मिलावट होने लगी है। आज के समय में एक-एक वृद्धाश्रम सैकड़ों बेसहारा बुजुर्गों से भरे पड़े हैं। कुछ ही होंगे, जिनका इस दुनिया में कोई नहीं है, लेकिन एक बड़ी संख्या ऐसे बुजुर्गों की है, जिनके बाल-बच्चे तो हैं ही, साथ ही वे काफी सक्षम परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे कई कलयुगी बेटे मिल जाएंगे, जिनके पास करोड़ों की प्रॉपर्टी है, रहने के लिए एक से ज्यादा घर हैं, वे करोड़ों रुपयों की गाड़ी में घूम रहे हैं, लेकिन घर में अपने ही माता-पिता के लिए स्थान नहीं रहता है। अपनी ही संतान से उपेक्षित ऐसे पिता की जगह पर खुद को रखकर कभी सोचें तो अहसास होगा, वह किसी से क्या ही शिकायत कर पाता होगा? आंसुओं का सैलाब भी आंखों के बाहर नहीं, बल्कि अंदर ही बहता होगा। अच्छे पिता की जिम्मेदारियां निभाते-निभाते कब बाल सफेद हो गए, खुद का जीवन तो कभी जिया ही नहीं, ऐसी हजारों बातें, यादें उनके मन को विचलित कर देती होंगी। आज फादर्स-डे पर हम अपने पिता को बिल्कुल ना भूलें, उनके साथ कुछ प्यार भरे पल गुजारें। *

अपने बच्चों को जरूर दें ये सीख

अगर आप भी पिता हैं और नहीं चाहते कि वृद्धावस्था में बच्चों की उपेक्षा या दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़े तो बच्चों की परवरिश में कुछ बातों पर अभी से ध्यान देना शुरू कर दीजिए। अपने बच्चों को यह शिक्षा जरूर दीजिए कि एक पिता अपने बच्चे के साथ हर स्थिति में खड़ा होता है, हमेशा उसके साथ रहता है, उसके प्यार में, उसकी गलतियों में और उसकी सफलता में। उनको समझाइएगा कि आपकी सीखों को याद रखे और इन्हीं मूल्यों के साथ अपने जीवन में आगे बढ़े। उन्हें जरूर बताइएगा कि जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा पैसा नहीं होता, बल्कि प्यार, ईमानदारी और परिवार का साथ होता है। उन्हें जरूर सिखाइएगा कि जीवन कितना ही उलझा या सुलझा हुआ हो, कितनी ही तरक्की कर ली हो, चाहे सफलता के शिखर पर ही क्यों न बैठे हो, माता-पिता का हाथ पकड़ कर ही आगे बढ़ना। हम यह ना भूलें कि हमारे बच्चों को धन कमाने और सफलता पाने के साथ-साथ अच्छे इंसान बनने का मार्गदर्शन करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

धार्मिक पर्व / आर.सी. शर्मा

मां गंगा के अवतरण का उत्सव गंगा दशहरा

माना जाता है कि पुण्य सलिला गंगा को धरती पर इक्ष्वाकु वंश के राजा दिलीप के पुत्र भगीरथ लाए थे, जिसका उद्देश्य अपने पुरखों का तर्पण करना था। दरअसल, कपिल मुनि के श्राप से राजा सगर के 60 हजार पुत्र (जो कि भगीरथ के पुरखे थे) भस्म हो गए थे। उन्हें तब तक मुक्ति नहीं मिल सकती थी, जब तक कि उनकी भस्म गंगा में न प्रवाहित हो। इसलिए राजा भगीरथ ने भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और फिर उन्हें अपनी जटाओं से मां गंगा को मुक्त करने का वरदान मांगा ताकि वे अपने पुरखों को मुक्ति दिला सकें। जिस दिन भगीरथ, मां गंगा को धरती पर लाए थे, वह ज्येष्ठ शुक्ल की दशमी तिथि थी। इसलिए तब से इस तिथि को गंगा दशहरा के पर्व के रूप में मनाया जाता है।

करोड़ों को देती अन्न-जीवनः भारत जैसे कृषि प्रधान देश में गंगा दशहरा की महत्ता पौराणिक कथा से इतर भी कम नहीं है। वास्तव में गंगा नदी का महत्व भारत के आम लोगों को जीवनदान देने में भी है। गंगा के मीठे पानी की बदौलत ही पैदा होने वाले अन्न से करोड़ों लोगों का भरण-पोषण होता है। गंगा जैसी सदानीरा नदी के कारण ही भारत सदियों से सुखी और संपन्न देश रहा है।

कम नहीं सांस्कृतिक महत्ताः गंगा नदी का हमारी आर्थिकी और लोगों के पोषण में बड़ा महत्व तो है ही, उससे कहीं ज्यादा महत्व हमारी सांस्कृतिकी में भी है। वास्तव में गंगा सिर्फ नदी नहीं है, यह हमारे आचार, विचार, जीवन और मूल्यों को स्वरूप देने वाली शक्ति है। यही वजह है कि गंगा हजारों सालों से भारत में आस्था और विश्वास के साथ सम्मान की भी प्रतीक है। गंगा के पानी को पानी नहीं अमृत माना जाता है और मां गंगा को साक्षात मोक्षदायनी देवी के रूप में पूजा जाता है।

जुड़ी हैं कई धार्मिक मान्यताएंः गंगा दशहरा पर्व का चूंकि भारतीय धर्म और संस्कृति दोनों में ही बहुत महत्व है। इसलिए इस दिन उत्तर भारत में करोड़ों लोग सुबह सूरज उगने के पहले ही गंगा में स्नान करते हैं। पवित्र प्रयागराज में इस अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। इसी तरह इस पर्व को हरिद्वार, ऋषिकेश और काशी में भी सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और गंगा में स्नान करके या आस-पास गंगा न हुई तो पानी में पवित्र गंगाजल की बूंदें डालकर स्नान करने के बाद गरीबों को दान देते हैं, उन्हें भोजन कराते हैं। साथ ही मां गंगा से अपने जीवन को सुखी और समृद्ध बनाने की प्रार्थना करते हैं। माना जाता है कि जाने-अंजाने हम मनुष्यों से जो पाप हो जाते हैं, उन पापों से मुक्ति के लिए गंगा दशहरा का व्रत जरूर रखना चाहिए। मां गंगा इस दिन व्रत रखने पर प्रसन्न होकर सभी तरह की बाधाओं से मुक्त कर देती हैं।

पर्व की शुभ तिथिः इस साल यह पर्व आज मनाया जा रहा है। वैदिक पंचांग के मुताबिक आज रात 2 बजकर 38 मिनट से ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि शुरू हो चुकी है और कल यानी 17 जून 2024 को सुबह 4 बजकर 45 मिनट पर इसका समापन होगा। उदया तिथि के मुताबिक गंगा दशहरा का आज ही मनाना उचित है। *

बड़ा पर्दा / अशोक जोशी

जिस तरह वास्तविक जीवन में पिता और संतान के रिश्ते के कई आयाम, कई रंग होते हैं, हिंदी फिल्मों में भी पिता की अलग-अलग छवियां दिखती रही हैं। कभी भावुक, कभी सख्त, कभी अकड़ तो कभी लाचार पिता फिल्मों में दिखते रहे हैं। पिता-संतान के रिश्ते पर आधारित ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

कई रंग में दिखते रहे हैं फिल्मी पापा

फिल्म 'दंगल' में को-आर्टिस्ट्स के साथ पिता की भूमिका में आमिर खान

यह सच है कि संतान की नजर में पिता हर मुश्किल को हल करने वाला एक ऐसा सक्षम व्यक्ति होता है, जिसे वह अपने मित्र, पालक, संरक्षक और आदर्श के रूप में देखता है। लेकिन कई बार इस खूबसूरत रिश्ते में कड़वाहट भी नजर आती है। पिता-संतान के रिश्ते की अलग-अलग छवियों पर आधारित फिल्में पुराने दौर से ही बनती रही हैं।

विभिन्न पहलुओं को दर्शाती फिल्में

हिंदी फिल्म जगत में पारिवारिक और सामाजिक फिल्में सदा से बनती और पसंद की जाती रही हैं। बहुत-सी फिल्मों में पुत्र को पिता के साथ हुए अन्याय का बदला लेते हुए दिखाया गया तो कुछ फिल्में ऐसी भी बनीं, जिनमें पिता-पुत्र का रिश्ता एक नए रूप में सामने आया। ब्लैक एंड व्हाइट के दौर से ही पिता-पुत्र के रिश्तों को फिल्मों में दिखाया जाता रहा है। 'मुगल-ए-आजम' में अकबर और सलीम के रिश्तों की ऊहापोह और टकराहट को पृथ्वीराज कपूर और दिलीप कुमार ने प्रभावी ढंग से फिल्मी पर्दे पर जीवंत किया। एक अन्य फिल्म 'रुस्तम सोहराब' में भी कुछ ऐसे ही रंग देखने को मिले। फिल्म 'क्रिश' में एक पुत्र अपने वैज्ञानिक पिता और उसके आविष्कार को मानवता के खिलाफ उपयोग किए जाने से रोकता नजर आया। फिल्म 'कभी खुशी-कभी गम' में पिता के अहंकार की वजह से परिवार के बिखराव को दिखाया गया है तो फिल्म 'आ अब लौट चलें' में एक बेटे के परदेस में बसे पिता को अपनी मां के पास वापस लाने की कहानी को बयां किया गया है। फिल्म 'काश' में अपने बीमार बेटे के लिए एक पिता कैसे अपना करियर और सब रिश्ते छोड़ देता है, इसे मार्मिकता से दिखाया गया है। महमूद की 'कुंआरा बाप' भी बाप-बेटे के रिश्तों पर आधारित एक सफल फिल्म थी, जिसमें महमूद और उनके पोलियो से ग्रसित बेटे के अपनी जिंदगी की दुश्वारियों को पेश किया गया।

'मुगल-ए-आजम' में पृथ्वीराज कपूर-दिलीप कुमार

रिश्ते में टकराहट दिखाती फिल्में

जिस तरह वास्तविक जिंदगी में पिता-पुत्र के रिश्ते हमेशा मधुर नहीं होते, फिल्मों में भी ऐसा दिखाया जाता रहा है। राजेश खन्ना अभिनीत 'अवतार' और अमिताभ बच्चन अभिनीत 'बागबान' जैसी फिल्मों में पिता और उसकी संतान के बीच रिश्ते की कड़वाहट को दिखाया गया है। इन फिल्मों की कहानी, कई पिताओं को अपनी ही कहानी लगती है। 'लावारिस', 'शक्ति', 'परवरिश', 'त्रिशूल' जैसी फिल्मों में उस दौर के एंग्री यंग मैन अमिताभ बच्चन का जादू सर चढ़ कर बोला, लेकिन फिल्मों में पिता-पुत्र के रिश्तों में स्वाभाविकता नहीं नजर आई। अलबत्ता लगभग हर फिल्म में अमिताभ अपने पिता से नाराज ही दिखाई दिए। 'कयामत से कयामत तक' में पिता, बेटे की प्यार में दीवानगी से परेशान होता है, वहीं 'सूर्यवंशम' में अनपढ़ बेटे को पिता अपनी संपत्ति से बेदखल कर देता है। पिता-पुत्र के बीच तनाव पर बनी काफी फिल्में हिट भी रही हैं। राज कपूर की 'आवारा' इस विषय पर मील का पत्थर थी, जिसमें उनके पिता की भूमिका वास्तविक जिंदगी में उनके ही पिता पृथ्वीराज कपूर ने निभाई। बाद में इसे उलट कर उनके बेटे रणधीर ने 'धरम-करम' बनाई, जिसमें राज कपूर ने उनके पिता की भूमिका निभाई। फिल्म 'बॉबी' में भी बाप और बेटे में प्यार को लेकर तकरार की कहानी थी। इसमें प्राण ने ऋषि कपूर के पिता की भूमिका राज कपूर के अंदाज में निभाई। प्राण ने ऐसी ही एक भूमिका 'शराबी' में भी अमिताभ के बाप के रूप में निभाई थी। फिल्म 'गांधी माई फादर' में महात्मा गांधी का उनके बेटे हरिलाल के साथ तनावपूर्ण रिश्ता बहुत कुछ सोचने को विवश करता है।

पिता-पुत्री के रिश्तों पर बनी फिल्में

हालांकि हिंदी फिल्मों में पिता-पुत्र के साथ संबंधों को अधिक दिखाया गया है। लेकिन पिता-पुत्री के भावनात्मक लगाव को भी कुछ फिल्मों में बहुत प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। सुनील दत्त की 'दर्द का रिश्ता' ऐसी ही कुछ गिनी-चुनी फिल्मों में सबसे पहले याद आती है। इसमें कैंसर से ग्रस्त अपनी बेटी के इलाज के लिए एक पिता के संघर्ष को भावुक ढंग से दिखाया गया है। कुछ वर्ष पूर्व आई आमिर खान की फिल्म 'दंगल' में पिता-पुत्री के रिश्ते को अलग ढंग से दिखाया गया है। इस फिल्म में एक पहलवान पिता खुद को कुश्ती में नकार दिए जाने के बाद, अपनी बेटियों के माध्यम से खोई हुई प्रतिष्ठा कैसे हासिल करता है, इसे रियल स्टोरी पर बेस्ड होकर दिखाया गया।

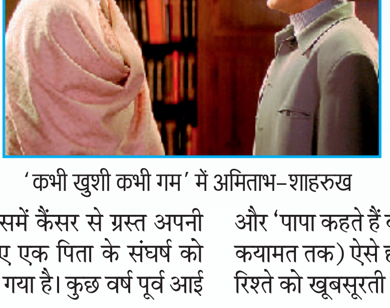

'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ-शाहरुख

फिल्मी गीतों में पिता का प्यार

फिल्मों के कथानक में ही नहीं, कई गानों में भी अपनी संतान को लेकर पिता का प्यार और भावनाएं उकेरी गई हैं। 'बाबुल की दुआएं लेती जा' (नील कमल), 'मेरा नाम करेगा रोशन जग में मेरा राज दुलारा' (एक फूल दो माली), 'तू मेरी जान...आई लव यू डैडी' (अकेले हम अकेले तुम) और 'पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा' (कयामत से कयामत तक) ऐसे ही गीत हैं, जो पिता-संतान के रिश्ते को खूबसूरती से प्रकट करते हैं। *

पिता की भूमिका में चर्चित कलाकार

हिंदी फिल्मों की एक और खासियत है कि यहां कुछ कलाकार ऐसे हुए हैं, जो पिता की भूमिका के लिए एकदम फिट लगते रहे हैं। पुराने दौर में मनमोहन कृष्ण और नाजिर हुसैन हमेशा आंसू बहाते हीरो-हीरोइन के पिता की भूमिका में नजर आते थे। नाना पलसीकर बीमार और गरीब बाप की भूमिका में जमते थे। वहीं बेटे या बेटी पर सख्ती दिखाने वाले अकड़ बाप की भूमिकाएं के.एन. सिंह, कमल कपूर और राज मेहरा ने बेहतरीन ढंग से निभाई तो मजाकिया बाप की भूमिका में डेविड और ओम प्रकाश खूब रंग भरते थे।

मनमोहन कृष्ण

नाजिर हुसैन

डायबिटीज, हार्ट, एंटीबायोटिक व विटामिन सहित 54 जरूरी दवाओं के दाम हुए कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिन पर दिन हर चीज में बढ़ती महंगाई से आम जनता का हाल बेहाल है। खासकर दवाओं के बढ़ते दाम लोगों को अधिक परेशान कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच देश की जनता के लिए एक राहत भरी खबर सामने आ रही है। सरकार ने दवाओं के रेट में कमी की है। इसके बाद से आज से 54 जरूरी दवाओं के दाम कम हो गए हैं। बता दें कि डायबिटीज, हार्ट, कान की बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं के साथ मल्टीविटामिन आदि जरूरी दवाओं पर दाम कम किए गए हैं। बता दें कि हाल ही में नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी 124वीं बैठक हुई थी, जिसमें कई जरूरी दवाओं के दाम कम करने का बड़ा फैसला लिया गया है। बैठक में 54 दवा फॉर्मुलेशन और 8 विशेष दवाओं के दाम को कम करने का बड़ा निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि एनपीपीए देश में बिक रहीं उन जरूरी दवाओं के दाम का निर्धारण करती हैं, जिसका इस्तेमाल आम लोग करते हैं। सरकार के इस फैसले से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

खास खबर

डायबिटीज, हार्ट, एंटीबायोटिक, विटामिन डी, मल्टी विटामिन, कान से जुड़ी दवाएं भी शामिल

10 करोड़ से अधिक लोगों को मिली राहत

माना जा रहा है कि एनपीपीए के इस निर्णय से देश भर के करोड़ों लोगों को राहत मिल सकती है। एनपीपीए के मुताबिक देश में अकेले डायबिटीज के 10 करोड़ से अधिक मरीज हैं जो कि दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे अधिक हैं। डायबिटीज के मरीजों को नियमित रूप से दवाएं इस्तेमाल करनी पड़ती हैं। ऐसे में रेट में कमी आने के बाद 10 करोड़ से अधिक मरीजो को लाभ मिलेगा।

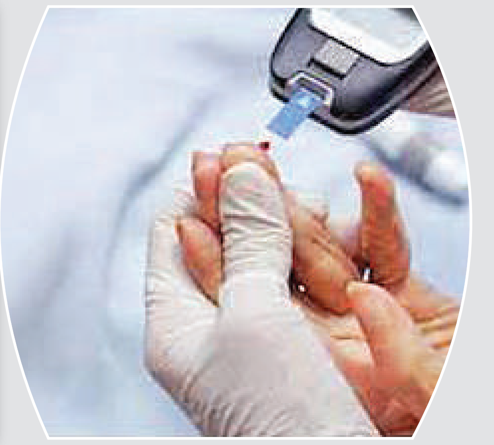

इन रोगों की दवाइयों के घटे रेट

एनपीपीए की बैठक में जिन 54 दवाओं के रेट में कमी की गई है, उनमें से हार्ट, डायबिटीज, विटामिन डी, मल्टी विटामिन, एंटीबायोटिक के साथ ही कान से जुड़ी कई दवाएं आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 8 स्पेशल फीचर उत्पादों के दाम को भी कम करने को लेकर बैठक में निर्णय लिया गया।

पिछले महीने भी की गई थी दामों कटौती

मालूम हो कि इससे पहले यानी पिछले महीने भी कई जरूरी दवाओं के दाम में कटौती की गई थी। इनमें 41 दवाओं और 6 स्पेशल दवाओं के दाम शामिल थे। गैस व एसिडिटी की दवाएं, लीवर की दवाएं, पेन किलर, एलर्जी की दवाओं के दाम पिछले महीने ही काफी कम हो गए थे तो वहीं मल्टी विटामिन, एंटीबायोटिक, डायबिटीज और हार्ट से जुड़ी दवाओं के दामों में भी पिछले महीने कटौती की गई थी।

डेटा सुरक्षा कानून नियमों का मसौदा अंतिम चरण में

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि डेटा सुरक्षा कानून के तहत नियमों का मसौदा तैयार करने का काम अंतिम चरण में है। उन्होंने आगे कहा कि उद्योग जगत से व्यापक परामर्श की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को दोगुना करने और नौकरियों के अवसर बढ़ाने की कोशिश करेगा।

जियो एयर फाइबर सेवाएं पूरे हरियाणा में उपलब्ध

चंडीगढ़। दुनिया के सबसे बड़े निजी मोबाइल डेटा नेटवर्क, रिलायंस जियो ने अपनी जियो एयर फाइबर सेवा का विस्तार हरियाणा के सभी 22 जिलों में कर दिया है और यह सेवा अब राज्य के सभी प्रमुख शहरों और गांवों में उपलब्ध है। नवंबर 2023 में जियो एयर फाइबर की हरियाणा में शुरआत करनाल, पानीपत और रोहतक में लॉन्च के साथ हुई थी और हरियाणा भर में इसका विस्तार राज्य के डिजिटल परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का प्रतीक है। हालांकि जियो की देश भर में व्यापक ऑप्टिकल फाइबर उपस्थिति है, फिर भी हमारे देश के अधिकांश हिस्सों में अंतिम मील कनेक्टिविटी प्रदान करने में अक्सर बहुत समय लग जाता है। ऑप्टिकल फाइबर को लोगों के परिसर तक पहुंचाने में जो जटिलताऐं और देरी पेश आती है, उस कारण लाखों ग्राहक ब्रॉडबैंड से नहीं जुड़ पाते।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टीवी पत्रकार ने हाईकोर्ट में दायर किया मुकदमा

रजत ने रागिनी, जयराम और खेड़ा से मांगा 100 करोड़ रुपये का हर्जाना

कांग्रेस नेत्री नायक ने डिबेट का वीडियो शेयर कर दावा किया उन्हें 'अपशब्द' कहे गए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के जाने-माने पत्रकार और इंडिया टीवी के चेयरमैन और एडिटर इन चीफ रजत शर्मा पर कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक और कुछ अन्य नेताओं ने इंडिया टीवी के लाइव डिबेट में 'गाली' देने का आरोप लगाया है। रागिनी ने 4 जून के डिबेट का वीडियो शेयर कर ये दावा किया है कि रजत ने उन्हें 'अपशब्द' कहे हैं। शर्मा ने कांग्रेस नेता रागिनी नायक, जयराम रमेश और पवन खेड़ा के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

शर्मा ने मानहानि के लिए 100 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा है। दिल्ली हाई कोर्ट में शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने सुनवाई के दौरान तर्क दिया कि लोकसभा चुनाव के नतीजे के दिन4 जून को टीवी पर डिबेट हुई था। लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसे 10 जून को इसके बारे में ट्वीट करना शुरू कर दिया।उन्होंने इसमें अपशब्द जोड़ दिए, जिनका कभी इस्तेमाल नहीं किया गया था।

रजत शर्मा

रागिनी नायक

जयराम रमेश

पवन खेड़ा

लाइव डिबेट में 'गाली' देने का आरोप केस भी कायम कराया

दिल्ली हाई कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने रजतद्वारा अंतरिम राहत की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। सिंह ने कहा कि मेरे मुवक्किल ने कहा है कि मैं किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा हुआ नहीं हूं। मैं अपना पेशेवर काम कर रहा हूं। ये आरोप स्पष्ट रूप से झूठे हैं और उनके द्वारा गढ़े गए हैं। यह एक क्लासिक और फिट मामला है, इसे तुरंत सोशल मीडिया से हटाने की जरूरत है। जब तक यह सोशल मीडिया पर है, लोग मुझपर आरोप लगाते रहेंगे, मुझे गालियां मिलती रहेंगी।

बम्बई उच्च न्यायालय के आदेश

मीरा-भायंदर महानगरपालिका बकरीद पर पशु कुर्बानी पर नए अनुरोध पर विचार करे

मुंबई (भाषा)। बम्बई उच्च न्यायालय ने मीरा भायंदर महानगरपालिका (एमबीएमसी) को बकरीद त्योहार के दौरान पशुओं की कुर्बानी की अनुमति देने संबंधी नये अनुरोध पर विचार करने का निर्देश दिया है। अदालत ने शुक्रवार को नगर निकाय को 16 जून की अपराह्न तक निर्णय पर पहुंचने का निर्देश दिया। एमबीएमसी के पशुपालन विभाग ने 10 जून को त्योहार के दौरान पशुओं की कुर्बानी के लिए अस्थायी रूप से दी गई अनुमति रद्द कर दी थी। स्थानीय पुलिस की इस दलील पर विचार करने के बाद कि इससे क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है, नगर निकाय ने पांच जून को पशुओं की कुर्बानी की अनुमति देने संबंधी अपने आदेश को वापस ले लिया था। इसके बाद याचिकाकर्ता रिजवान खान ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और नगर निकाय द्वारा पशुओं की कुर्बानी की अनुमति रद्द करने से जुड़े फैसले पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति श्याम चांडक और न्यायमूर्ति रेवती डेरे की खंडपीठ ने कहा कि कानून और व्यवस्था की समस्या को अनुमति रद्द करने का आधार नहीं बनाया जा सकता।

यह भी कहा कोर्ट ने

अदालत ने कहा, "सुनवाई के दौरान हालांकि हमने पाया कि अनुमति कुछ अधिनियमों/नियमों और विशेष रूप से महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम, 1976 और नियम, 1978 की धारा छह के तहत सख्ती से नहीं दी गई थी।" मामले की गंभीरता को देखते हुए पीठ ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वह नगर निकाय के समक्ष एक नया आवेदन दायर कर निर्दिष्ट स्थान पर भैंसों की कुर्बानी देने की अनुमति मांगे। पीठ ने एमबीएमसी को महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों सहित पशुओं की कुर्बानी से संबंधित सभी अधिनियमों/नियमों पर विचार करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि यह निर्णय 16 जून की अपराह्न तक लिया जाना चाहिए और याचिकाकर्ता को उसी दिन अपराह्न दो बजे से पहले इसके बारे में सूचित किया जाना चाहिए।

बसपा के पूर्व एमएलसी इकबाल की 4440 करोड़ की संपत्ति जब्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में हुए अवैध खनन के मामले में बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए बसपा के पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल की ग्लोकल यूनिवर्सिटी की 121 एकड़ जमीन व सभी भवनों को जब्त कर लिया है। बता दें कि बसपा सरकार में हुए बहुचर्चित चीनी मिल घोटाले में ईडी मोहम्मद इकबाल के खिलाफ लगातार जांच कर रही है। उनके खिलाफ सीबीआई व अन्य एजेंसियां भी जांच में जुटी हुई हैं। इस मामले में पहले भी उनके ऊपर बड़ी कार्रवाई हुई थी। साल 2021 में पूर्व एमएलसी मोहममद इकबाल की 1097 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। वहीं अब इकबाल की 4,440 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

- उत्तर प्रदेश में ईडी की बड़ी कार्रवाई

इन लोगों को बनाया गया है आरोपी : ईडी अधिकारियों के मुताबिक अवैध खनन के मामले में पट्टा धारक महमूद अली, दिलशाद, मुहम्मद इनाम, महबूब आलम (अब मृत), नसीम अहमद, अमित जैन, नरेंद्र कुमार जैन, विकास अग्रवाल, मुहम्मद इकबाल का बेटा मुहम्मद वाजिद, मुकेश जैन, पुनीत जैन को भी आरोपित बनाया गया है।

मोहम्मद इकबाल के दुबई भागने की आशंका

मोहम्मद इकबाल के चार बेटे व भाई अलग-अलग मामलों में जेल में बंद हैं। वहीं वह फरार है और उसके दुबई भागने की आशंका है। वह अब्दुल वहीद एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट का चेयरमैन था। इसके सभी ट्रस्टी इकबाल के परिवार के थे। इस मामले की जांच 10 साल पहले सीबीआई ने शुरू की थी।

ग्लोकल यूनिवर्सिटी में किया था निवेश : इकबाल पर हुई कार्रवाई को लेकर ईडी ने अपने बयान में बताया है कि मोहम्मद इकबाल ने साल 2010 से 2012 के मध्य सहारनपुर व उसके आस-पास अवैध खनन से 500 करोड़ रुपये से अधिक रुपये जुटा लिए थे।

महाविकास अघाड़ी का बड़ा ऐलान साथ लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

एजेंसी ▶▶| मुंबई

लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। महाविकास अघाड़ी ने लोकसभा में मिली जीत के बाद शनिवार को साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की है, जहां शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे, एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने ऐलान किया कि राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव महाविकास अघाड़ी लड़ेंगी, क्योंकि उनकी लड़ी संविधान को बचाने की है।

शरद पवार और उद्धव ठाकरे के अलावा कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि सभी आज महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद देने और सभी का आभार व्यक्त करने के लिए एक साथ आए हैं। महाराष्ट्र की जनता ने एमवीए उम्मीदवारों को विजयी बनाया है। मुझे उम्मीद है कि जिस तरह से लोगों ने लोकसभा चुनाव में हमें प्यार दिया है।

सूचना

मैं, अनिता बाल्याण पुत्री श्री रण सिंह श्योराण निवासी मकान नं. 2855-पी, सेक्टर-21, पंचकूला बयान करती हूं कि दस्तावेजों में मेरा पुराना नाम अनिता श्योराण वर्णित है। अब मैं सभी प्रयोजनों हेतु मेरा नाम बदलकर अनिता बाल्याण (नया नाम) करना चाहती हूं जिसके लिए सभी प्रकार से केवल मैं उत्तरदायी होऊंगी।

Reminder

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC)

IN THE COURT OF

Sh. Manglesh Kumar Choubey

Civil Judge (Senior Division), Rohtak

Neeraj S/o Sh. Rajender Kumar S/o Late Hukam Chand@ Hukam Chand Aggarwal

Vs.

General Public

CNR No. HRRH02-000464-2024

Next Date : 24.07.2024

PUBLICATION ISSUED TO :-

General Public

India

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **24.07.2024 at 10:00 a.m.**

For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Rohtak

Sd/- Civil Judge (Senior Division), Rohtak

Dated, this day of 21.05.2024

राशिफल

मेष मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि हो सकती है।

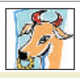
वृष बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी। किसी मित्र से रोजगार कि अवसर मिल सकते हैं। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाणी में सौम्यता रहेगी।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार की स्थिति में सुधार आएगा। शैक्षिक कार्यों के प्रति सचेत रहें। मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह माता-पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या माता-पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला बातचीत में सन्तुलित रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक कारोबार से लाभ के अवसर मिलेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

धनु वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलन बनाकर रखें।

मकर किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में निवेश कर सकते हैं। अध्ययन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों से सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

कुंभ किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

मीन कारोबार में परिश्रम अधिक होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है।

राजस्थान में बुलेट ट्रेन का ट्रैक तैयार, यह देश में अपनी तरह का 'अनोखा'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राजस्थान में देश का पहला बुलेट ट्रेन ट्रायल ट्रैक बनकर तैयार हो चुका है। पहले फेज का काम सितंबर में पूरा होने के बाद 230 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से बुलेट ट्रेन का ट्रायल किया जा सकेगा। करीब 60 किलोमीटर लंबा यह रेलवे ट्रैक सांभर झील के बीच से निकाला गया है। यह वही ट्रैक है, जहां अंग्रेजों ने जयपुर-जोधपुर के लिए लाइन बिछाई थी, लेकिन 50 साल से यह लाइन मिट्टी में दब चुकी थी। रेलवे ने सैटेलाइट की मदद से इसे ढूंढकर नया नेटवर्क तैयार किया। बताया जा रहा है कि यह कई तरह की खूबियों से सुसज्जित रहेगा।

रिसोर्स डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन की टीम करेगी ट्रायल

रेलवे की रिसोर्स डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन की टीम ट्रायल की मॉनिटरिंग करेगी। रेलवे की यही टीम कोच, बोगी, इंजन की फिटनेस की जांच करती है। रेलवे कोई भी कोच, इंजन को ट्रैक पर उतारने से पहले हर पैमाने पर चेक करती है।

नमक की क्यारियों से गुजरेगी बुलेट ट्रेन

यह ट्रैक जयपुर से करीब 93 किलोमीटर दूर सांभर लेक के दूसरे छोर गुढ़ा से शुरू होकर मीठड़ी तक जाता है। हम मीठड़ी की तरफ से ट्रैक पर पहुंचे। नमक की क्यारियों के बीचों-बीच करीब 60 किलोमीटर लंबे रेलवे ट्रैक का नेटवर्क बिछाया जा चुका है। इसके लिए चार स्टेशन बनाए गए हैं गुढ़ा, जाबड़ी नगर, नावां और मीठड़ी। इसमें मुख्य स्टेशन नावां सिटी रहेगा। इस ट्रैक में 125 अंडर और ओवर ब्रिज बनाए गए हैं।

शब्द पहेली - 5543

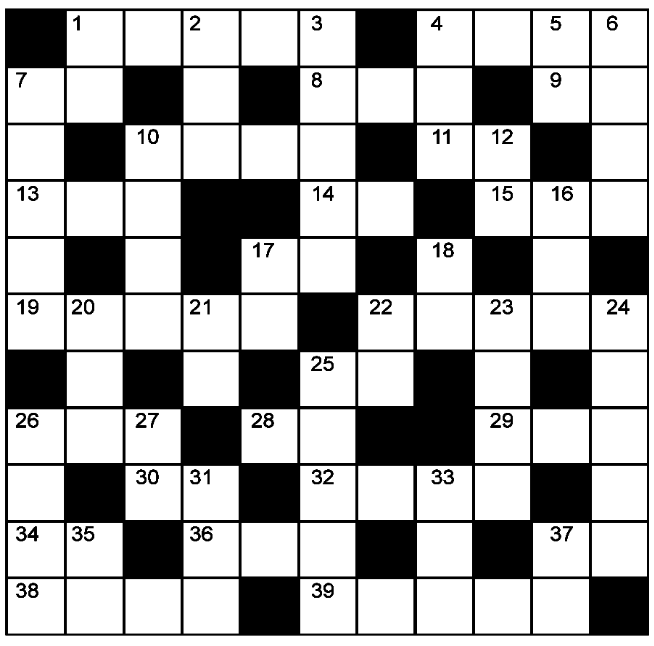

बाएँ से दाए

1. असहकार-5
4. शत्रुता,दुश्मनी-4
7. नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8. विष्णु का वाहन-3
9. मादा का विलोम-2
10. ईश्वर,शिव-4
11. संज्ञा,संबोधन-2
13. वेग,गति-3
14. महसूल,राहदरी-2
15. अंधकार,अंधेरा-3
17. कुंजी,ताली-2
19. गोलाकार-5
22. इतरता,बेगानापन-5
25. समय,वक्त-2
26. स्याही का पात्र-3
28. अच्छा,सद् पुरुष-2
29. अदृश्य-3
30. मिट्टी,धूल-2
32. नट,बाजीगरी करने वाला-4
34. टैक्स,हाथ-2
36. बोलने का तरीका-3
37. खदान-2
38. जो जायज न हो-4
39. श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1. तराजू डंडा,पासा-2
2. पराजित करना-3
3. बहुत लंबा -5
4. रुकना,अड़ जाना-3
5. जंगल,कानन-2
6. तीर रखने का पात्र-4
7. सार-संभाल-2,3
10. पूंजी,धन-4
12. वोट,राय-2
16. राजा,महाराजा-3
17. चतुर्थ,चौथा-2
18. हलवा-2
20. पक्षाघात-3
21. तन,देह-2
22. क्षण-2
23. स्मारक-4
24. चोर,लुटेरा-5
25. जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26. टूटना,बिखरना-4
27. पानी से सराबोर-2
31. कमल,नीरज-3
33. बादलों की गड़गड़ाहट-3
35. छुट्टी,अवकाश-2
37. राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली - 5542 का हल

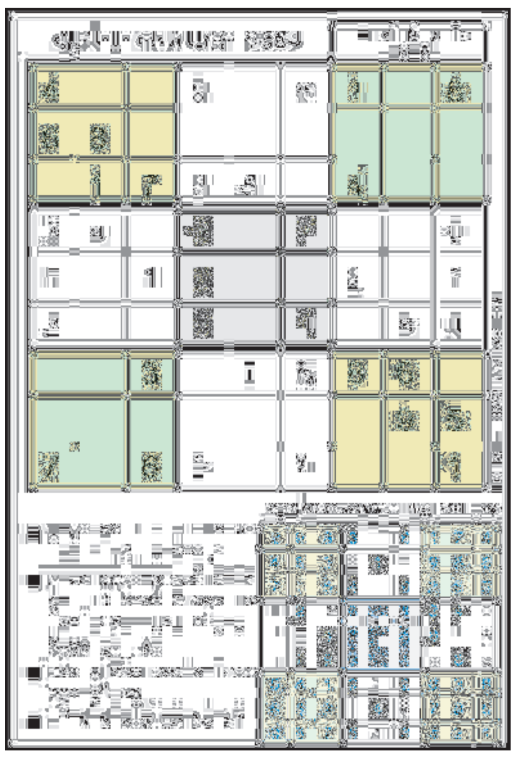

यूरो कप : मेजबान जर्मनी का जीत से आगाज, स्कॉटलैंड को 5-1 से रौंदा

एजेंसी ▶▶| म्यूनिख

फ्लोरियन विट्र्ज़ और जमाल मुसियाला के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से जीत का मंच तैयार करने वाले मेजबान जर्मनी ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे स्कॉटलैंड को 5-1 से करारी शिकस्त देकर यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

विट्र्ज़ ने दसवें मिनट में जर्मनी के लिए पहला गोल किया जबकि मुसियाला ने 19वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। काई हैवर्ट ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में

पेनल्टी को गोल में बदलकर मध्यांतर तक जर्मनी को 3-0 से आगे कर दिया। जर्मनी को डिफेंडर रयान पोर्टियस की गलती के कारण यह पेनल्टी मिली थी, जिन्हें रेफरी ने लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया था। इस कारण स्कॉटलैंड को दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। मध्यांतर के बाद सब्सटीट्यूट निकोलस फुलक्रग ने 68वें मिनट और एमरे कैन ने इंजरी टाइम में गोल करके जर्मनी की बड़ी जीत सुनिश्चित की। स्कॉटलैंड एंटोनियो रोडिगर के 87वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से खाता खोल पाया।

मेसी के दो गोल से अर्जेंटीना ने ग्वाटेमाला को हराया

लैंडओवर। लियोनेल मेसी ने नवंबर के बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में दो गोल करने के साथ एक में सहायक की भूमिका निभाई जिससे अर्जेंटीना ने 2024 कोपा अमेरिका कप फुटबॉल के अभ्यास मैच में ग्वाटेमाला को 4-1 से हराया। मेसी पूरे 90 मिनट तक मैदान पर रहे। जिससे गुरुवार को ग्रुप चरण में कनाडा के खिलाफ अपना अभियान शुरू करने से पहले अर्जेंटीना के हौसले बुलंद होंगे। विश्व और कोपा अमेरिका के मौजूदा चैंपियन के लिए लुटारो मार्टिनेज ने दो अन्य गोल किए। ग्वाटेमाला को मैच के चौथे मिनट में लिसेंड्रो मार्टिनेज के आत्मघाती गोल से बढ़त मिल गई थी लेकिन इसके आठ मिनट बाद ही मेसी ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। उन्होंने मैच के 77वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया।

खबर संक्षेप

किसी भी टीम को हरा सकता है अमेरिका

लॉडरहिल। अमेरिका के उप कप्तान आरोन जोन्स ने कहा कि अगर उनकी टीम उचित तरीके से और अपनी क्षमता के अनुसार क्रिकेट खेलती है तो वह दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकती है। अमेरिका ने आयरलैंड के खिलाफ मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद टी20 विश्व कप के सुपर 8 में जगह बनाई। पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे अमेरिका ने ग्रुप ए में कनाडा को सात विकेट से और पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया था।

यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप है : बोल्ट

तारोबा। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनका आखिरी वैश्विक टूर्नामेंट होगा। बोल्ट 2011 में पदार्पण करने के बाद से न्यूजीलैंड टीम के अहम सदस्य रहे है। उन्हें टी20 विश्व कप , एकदिवसीय विश्व कप और टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलने का अनुभव है। उन्होंने ने 2014 से चार टी20 विश्व कप में भाग लिया है। बोल्ट ने युगांडा पर न्यूजीलैंड की नौ विकेट की जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं अपनी बात करूं तो यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप होगा। मुझे बस इतना ही कहना है।'

शिविर के लिए 40 खिलाड़ियों का चयन

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने रविवार से यहां भारतीय खेल प्राधिकरण के परिसर में शुरू होने वाले 63 दिन के राष्ट्रीय जूनियर शिविर के लिए 40 खिलाड़ियों का चयन किया है। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने पिछले महीने यूरोप का दौरा किया था। इस दौरे में उसने बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ मैच खेले थे। यह शिविर कोच जनार्दन सीबी और हॉकी इंडिया के हाई परफॉर्मेंस निदेशक हरमन क्रुइस की देखरेख में आयोजित किया जाएगा।

टी20 विश्व कप : 12वें बार अफ्रीकी टीम के खिलाफ मिली हार

सबसे बड़ा उलटफेर करने से चूका नेपाल, एक रन से जीता द.अफ्रीका

एजेंसी ▶▶| किंग्सटाउन

नेपाल जीत के बेहद करीब पहुंचने के बावजूद टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा उलटफेर करने से चूक गया और दक्षिण अफ्रीका ने आखिर में एक रन से जीत दर्ज करके टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 115 रन ही बना पाई। उसकी तरफ से रीजा हेंड्रिक्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। नेपाल की तरफ से कुशाल भुर्तेल ने 19 रन देकर चार और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए। नेपाल को मैच की अंतिम गेंद पर जीत के लिए दो रन की जरूरत थी। किशोर खिलाड़ी गुलशन झा तेजी से रन चुराने के प्रयास में रन आउट हो गए। इस तरह से नेपाल 7 विकेट पर 114 रन ही बना पाया। नेपाल के खिलाड़ी निराश थे क्योंकि उन्होंने आईसीसी के पूर्णकालिक सदस्य के खिलाफ 12 प्रयासों में पहली जीत दर्ज करने का सुनहरा अवसर गंवा दिया।

नेपाल 24 गेंद पर नहीं बना सका 22 रन

नेपाल को एक समय 24 गेंद पर 22 रन की जरूरत थी। उसे अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 18 रन चाहिए थे लेकिन उसने छह गेंद और एक रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। इनमें से दो विकेट स्पिनर तबरेज शम्सी (चार विकेट) ने लिए। नेपाल को अंतिम ओवर में आठ रन चाहिए थे। ओटनील बार्टमैन के इस ओवर में गुलशन पहली दो गेंद पर रन नहीं बना पाए। इसके बाद उन्होंने चौका लगाया। जब नेपाल को तीन गेंद पर चार रन चाहिए थे तब गुलशन ने सोमपाल कामी के साथ दौड़ कर दो रन लिए। पांचवीं गेंद पर कोई रन नहीं बन पाया और अगली गेंद पर गुलशन रन आउट हो गए।

न्यूजीलैंड ने खोला खाता
युगांडा को नौ विकेट से हराया

टरुबा। टिम साउथी की अगुवाई में गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने युगांडा को 88 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए युगांडा को 18.4 ओवर में 40 रन पर आउट कर दिया। युगांडा की तरफ से केनेथ वैसवा ने सर्वाधिक 11 रन बनाए। वह युगांडा की तरफ से दोहरे अंक में पहुंचने वाले एकमात्र बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड की तरफ से तेज गेंदबाज साउथी ने चार रन देकर तीन विकेट लिए। उनके अलावा तेज़ गेंदबाज़ ट्रेंट बोल्ट (2/7), स्पिनर मिशेल सेंटनर (2/8) और रचिन रवींद्र (2/9) ने दो-दो विकेट लिए। न्यूजीलैंड ने 5.2 ओवर में एक विकेट पर 41 रन बनाकर जीत हासिल की। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे 15 गेंद पर चार चौकों की मदद से 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

क्रिकेट

भारत और कनाडा के बीच मैच बारिश के कारण रद
दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला

- फ्लोरिडा में अब तक एक भी मैच नहीं हो सका
- भारत सात अंक के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर
- आज यहीं पाकिस्तान-आयरलैंड मुकाबला होगा

भाषा ▶▶| लॉडरहिल (अमेरिका)

गीली आउटफील्ड के कारण भारत का शनिवार को यहां कनाडा के खिलाफ टी20 विश्व कप का अंतिम ग्रुप मैच एक भी गेंद खेले बिना रद्द हो गया। दोनों टीमों को एक एक अंक मिला। भारत सात अंक से ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा। अमेरिका (पांच अंक) ग्रुप से क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम रही। कनाडा तीन अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा। खराब मौसम ने भारत की सुपर आठ के लिए अपनी तैयारी को मजबूत करने की उम्मीदों में बाधा पहुंचायी। लेकिन ग्रुप चरण के शानदार अभियान के बाद आत्मविश्वास से भरी टीम अगले चरण के लिये कैरेबियाई सरजमीं पर जायेगी। यह आत्मविश्वास मुख्य रूप से तीन ग्रुप मैच में तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन से मिला है जिसमें मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हार्दिक पंड्या और मोहम्मद सिराज ने मिलकर 20 विकेट चटकाये। निश्चित रूप से इन्हें नासाउ काउंटी स्टेडियम मददगार 'ड्रॉप इन' पिच मिली और अब आगामी मैचों में उन्हें वेस्टइंडीज में खेलने के लिए पारंपरिक पिचें मिलेंगी। पिच से निश्चित रूप से मदद मिली लेकिन भारतीय तेज गेंदबाजों ने भी तकनीकी समझ और परिस्थितियों को समझकर उनका फायदा उठाया। अर्शदीप से बेहतर कोई नहीं दिखा। कप्तान रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव द्वारा रन जुटाना सकारात्मक रहा जिसके अलग कारण रहे। रोहित और सूर्यकुमार दोनों ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। जिससे वे अब सुपर आठ में और बेहतर करना चाहेंगे। वहीं पंत ने दिल्ली कैपिटल्स की अगुआई करते हुए आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन दिखाया। पंत ने पूरे आत्मविश्वास के साथ यहां की परीक्षा में सफलता हासिल की। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कई शॉट खेले। विकेट के पीछे उनका प्रयास भी उतना ही अच्छा रहा। हार्दिक भी आईपीएल में मुंबई की कप्तानी के दौरान शांत रहने के बाद विश्व कप में मजबूत नजर आये। हालांकि उनकी बल्लेबाजी अब भी शीर्ष गियर में नहीं पहुंची है। लेकिन गेंदबाज के तौर पर उन्होंने अपनी गति और वैरिएशन से बल्लेबाजों को परेशान किया। पर सबकुछ अच्छा नहीं था। कुछ हद तक अक्षर पटेल को छोड़कर किसी भी स्पिनर को ग्रुप चरण में 'गेम टाइम' नहीं मिला।

भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम ने हासिल की शीर्ष वरीयता

एजेंसी ▶▶| अंताल्या

ओलंपिक क्वालीफायर : 24 टीमों के साथ एलिमिनेशन दौर में पहुंचे

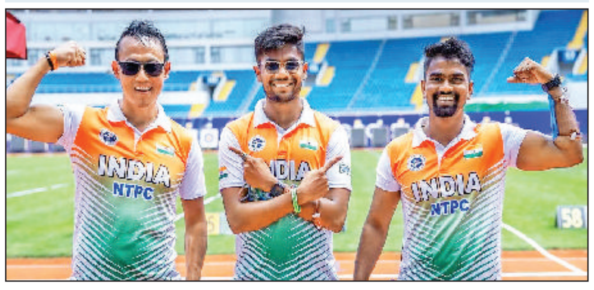

तरुणदीप राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव की भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम ने आखिरी ओलंपिक क्वालीफायर में शनिवार को यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त कर 24 टीमों के साथ एलिमिनेशन दौर में प्रवेश किया। भारतीय तिकड़ी कुल 2018 अंक हासिल कर तालिका में चीनी ताइपे (2008) और जर्मनी (1998) से आगे रही। इस स्पर्धा में 46 टीमों ने प्रतिस्पर्धा की थी जिससे शीर्ष 24 ने एलिमिनेशन दौर में जगह पक्की की। एलिमिनेशन दौर अंतिम-32 ड्रॉ की तरह खेला जाएगा। शीर्ष पर रहने के कारण भारत को अंतिम-16 में बाई मिल गई, जहां उसका सामना 17वीं वरीयता प्राप्त लक्जमबर्ग से होगा। एलिमिनेशन राउंड में शीर्ष तीन रैंक वाले देशों को पुरुषों की रिकर्व टीम स्पर्धा में पेरिस ओलंपिक कोटा स्थान मिलेगा। भारत अगर शीर्ष तीन में रहता है तो उसका व्यक्तिगत कोटा टीम कोटा में अपग्रेड कर दिया जाएगा। धीरज ने पहले व्यक्तिगत कोटा हासिल किया था।

स्पिनर मुजीब टी20 विश्व कप से बाहर

ग्रॉस आइलेट। अफगानिस्तान के ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान उंगली की चोट के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह बल्लेबाज हजरतुल्लाह जजई को टीम में शामिल किया गया है। तेईस वर्षीय मुजीब अफगानिस्तान की तरफ से टूर्नामेंट में केवल एक मैच खेल पाए थे। वह युगांडा के खिलाफ पहले मैच में खेलने के बाद अगले दो मैच में नहीं खेले थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बयान में कहा, 'आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने मुजीब उर रहमान की जगह हजरतुल्लाह जजई को अफगानिस्तान की टीम ने रखने की मंजूरी दे दी है।'

अफ्रीका और भारतीय महिला टीम में वनडे जंग आज

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीमें रविवार को यहां जब पहले एकदिवसीय के साथ तीन सप्ताह तक चलने वाली सभी प्रारूपों की श्रृंखला शुरू करेंगी तो उनकी कोशिश अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की होगी। टी20 विश्व कप का आयोजन बांग्लादेश में होगा। टी20 विश्व कप के वर्ष में 50 ओवर के मैच थोड़े असंगत लग सकते हैं, लेकिन यह लय हासिल करने के दृष्टिकोण से दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

Pharmaceuticals & Medical Devices Bureau of India (PMBI)
(Set up under the Department of Pharmaceuticals, Govt. of India)
B-500, Tower – B, 5th Floor, World Trade Center, Nauroji Nagar, New Delhi – 110029
Telephone: 011-49431800 | Website: janaushadhi.gov.in

VACANCY CIRCULAR

Advt. No. 03 / 2024

Pharmaceuticals & Medical Devices Bureau of India (PMBI) is the implementing agency for **Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana** of **Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Government of India.** PMBI invites applications from eligible candidates for the following posts on contractual basis.

S. No.	Name of Posts	No. of Vacancy	Department	Place of Posting
1.	Assistant Manager	6	Sales & Marketing	All India
2.	Senior Marketing Officer	12		All India
3.	Executive	4		Delhi & NCR
4.	Senior Executive	3	Procurement	Delhi & NCR
5.	Executive	2		Delhi & NCR
6.	Senior Executive	3	Quality	All India
7.	Executive	2		All India
8.	Senior Executive	4	Logistics & Supply Chain	All India
9.	Executive	3	Finance & Accounts	Delhi & NCR
10.	Assistant Manager	3	IT & MIS	Delhi & NCR
11.	Assistant Manager	1	HR & Admin.	Delhi & NCR
12.	Executive	1	Legal	Delhi & NCR

Interested, eligible candidates can send their applications at **recruitment@janaushadhi.gov.in** or can send their applications (Hard Copies) by post/courier to **CEO, PMBI at B-500, Tower B, 5th Floor, World Trade Center, Nauroji Nagar, New Delhi-110029** up to **08.07.2024 (Till 10:00 AM).** Application form along with terms & conditions etc. of appointment are available at **website: janaushadhi.gov.in.**

CEO, PMBI

टीम में तीन गुट, बाबर, अफरीदी और रिजवान कर रहे अगुवाई : सूत्र

गुटबाजी ने विश्व कप में किया पाकिस्तान का बेड़ा गर्क

एजेंसी ▶▶| कराची

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के लिए टीम के भीतर गुटबाजी और महत्वपूर्ण क्षणों में वरिष्ठ खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

इस लचर प्रदर्शन के बाद टीम के साथ ही पीसीबी में भी 'बड़े बदलाव' हो सकते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों के मुताबिक, कप्तान के रूप में वापसी पर बाबर आजम के सामने सबसे बड़ी चुनौती टीम को एकजुट करने की थी लेकिन गुटबाजी के कारण वह ऐसा नहीं कर सके। शाहीन शाह

अफरीदी कप्तानी गंवाने और बाबर द्वारा जरूरत पड़ने पर उनका समर्थन नहीं करने से नाराज हैं जबकि मोहम्मद रिजवान कप्तानी के लिए विचार नहीं किए जाने से नाखुश हैं। टीम के सूत्र ने कहा, 'टीम में तीन गुट हैं, एक का नेतृत्व बाबर आजम कर रहे है तो वहीं दूसरे खेमे की अगुवाई अफरीदी और तीसरे की रिजवान कर रहे हैं। इमाद और आमिर की वापसी ने भ्रम बढ़ा दिया क्योंकि बाबर के लिए इन दोनों से कोई सार्थक प्रदर्शन प्राप्त करना मुश्किल था। इन दोनों ने फ्रेंचाइजी आधारित लीगों को छोड़कर लंबे समय से शीर्ष स्तर की घरेलू या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला था।' सूत्र ने कहा, ''ऐसे भी उदाहरण थे जहां कुछ खिलाड़ी एक-दूसरे से बात नहीं कर रहे थे और उनमें से कुछ ने टीम के तीनों खेमों की अगुवाई कर रहे खिलाड़ियों को खुश करने की भी कोशिश की।'

पीसीबी को थी जानकारी

पीसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अध्यक्ष मोहसिन नकवी को विश्व कप से पहले ही टीम की समस्याओं के बारे में अच्छी तरह से पता था। उनके करीबी और राष्ट्रीय चयनकर्ता वहाब रियाज ने उन्हें इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा, 'नकवी ने सभी खिलाड़ियों के साथ अकेले में दो बैठकें की और निजी हितों की जगह विश्व कप जीतने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा था। उन्होंने उन्हें विश्व कप के बाद टीम में सभी गलतफहमियों को दूर करने का वादा भी किया था लेकिन बात नहीं बनी। मैं बाबर का बचाव नहीं कर रहा हूं, लेकिन एक कप्तान को क्या करना चाहिए जब आपका प्रमुख गेंदबाज कमजोर अमेरिका टीम के खिलाफ अंतिम ओवर में 15 रनों का भी बचाव नहीं कर सकता और फुल टॉस पर एक चौका और छह रन दे देता है।'

यह बात सही है कि हमने पिछले 10 वर्षों में ऐसी मोदी सरकार देखी है जिसके पास भाजपा का बहुमत था और ऐसे बड़े से बड़े फैसले हुए, संवैधानिक-प्रशासनिक एवं नीतियों के स्तर पर ऐसे आमूल बदलाव के निर्णय हुए जिनकी पहले कल्पना नहीं थी। ध्यान रखिए कि पूर्व की गठबंधन सरकारों की तरह इस सरकार के गठन, मंत्रियों को सरकार में लेने या विभागों के बंटवारे में किसी तरह की खींचतान हमारे सामने नहीं आई। सभी सहयोगी दल संतुष्ट नजर आ रहे हैं। यह अन्य गठबंधन सरकारों से इसे अलग करता है। पूर्व की गठबंधन सरकारों से वर्तमान में मोदी की गठबंधन सरकार अपने चरित्र, आंतरिक संरचना, वातावरण व सामूहिक मनोविज्ञान आदि के स्तर पर काफी हद तक अलग है। विपक्ष कितनी भी आशंका जाहिर करे, लेकिन पीएम मोदी की तीसरी पारी की राजग सरकार बड़े से बड़े फैसले लेने में सक्षम है, अगले चरण के आर्थिक सुधार करने में समर्थ है। मोदी 3.0 सरकार चुनावी वादे भी पूरा करेगी, सहयोगियों की आकांक्षाओं को भी पूरा करेगी, आत्मनिर्भर व समावेशी भारत के अपने लक्ष्य को भी आगे बढ़ाएगी। इटली में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने जिस आत्मविश्वास से विश्व को युद्ध छोड़ शांति का मार्ग अपनाने की अपील की है, यह उनकी सरकार की मजबूती के संकेत हैं। आजकल के इस अंक में पेश है एक विश्लेषण...

समग्र विकास को गति देने की बारी

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ पत्रकार

भाजपा व्यापक विचारधारा और एजेंडा वाली पार्टी है,जो एक बड़े संगठन परिवार के साथ संबद्ध है। इसमें यदि पूरे संगठन परिवार और स्वयं भाजपा में प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं तथा बाहर समर्थकों को लगा कि मोदी सरकार-3 पिछले दो सरकारों से अलग निश्चित दिशा की पटरी से थोड़ी उतरी है या दूसरी दिशा में जा रही है तो उनके अंदर निराशा होगी। इस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार के रणनीतिकारों को दोनों के बीच संतुलन बनाकर चलने की चुनौती है। इस समय भविष्य की तस्वीर के बारे में निश्चिंतता के साथ पूरी तरह भविष्य की तस्वीर बनाने की बजाय हमें थोड़ी प्रतीक्षा करनी चाहिए। इस राजग सरकार पर कोई दबाव नहीं दिख रही है।

भारत में गठबंधन सरकारों के काम करने और उसके संचालन का अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा है। हालांकि गठबंधन सरकार के समय बड़े-बड़े फैसले हुए हैं। गठबंधन में सरकार का नेतृत्व करने वाले दल और नेता पर साथी दल अधिक से अधिक मंत्री बनाने और जिन्हें वो चाहते हैं उन्हें मंत्री के रूप में स्वीकार करने तथा बाद में अपने अनुसार नीतियां बनवाने या बदलवाने के लिए दबाव डालते रहे हैं। अपनी बात न मानने पर समर्थन वापसी तथा सरकार के अस्थिर होने, गिर जाने, कमजोर हो जाने की घटनाएं भी हमने देखी हैं। जानते और चाहते हुए भी कई बार प्रधानमंत्री को नीतियों के स्तर पर वैसे कदम उठाने से स्वयं को रोकना पड़ा या उठाए हुए कदम वापस लेने पड़े जो देश के लिए आवश्यक थे। डॉ मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान ऐसी कई घटनाएं हुईं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान गठबंधन सरकार को लेकर कोई आशंका उठती है तो उसे इस पृष्ठभूमि में तत्काल खारिज भी नहीं किया जा सकता। हालांकि विपक्ष इसे कमजोर व लंगड़ी सरकार बता रहा है, तो उससे पूछा जाना चाहिए कि इसके समानांतर अगर सत्ता में वे आते तो उनकी सरकार कैसी होती? कम से कम इस सरकार में एक इतनी बड़ी पार्टी है जिसके आसपास भी कोई दल नहीं। राहुल गांधी जी के शब्दों में अगर यह क्रिपल्ड सरकार है तो 'इंडिया' की सरकार क्या ठोस चट्टान वाली होती? कहने का तात्पर्य कि हमें आशंकाओं या विपक्ष की अतिवादी आलोचनाओं में जाने की जगह वास्तविकताओं के आधार पर इसके वर्तमान एवं भविष्य का आंकलन करना चाहिए। इस प्रश्न का उत्तर तलाशना चाहिए कि आखिर अब मंत्रिमंडल गठन के बाद सरकार कैसे काम करेगी? सरकार की दिशा और दशा क्या होगी?

खींचतान सामने नहीं आई

यह बात सही है कि हमने पिछले 10 वर्षों में ऐसी मोदी सरकार देखी है जिसके पास भाजपा का बहुमत था और ऐसे बड़े से बड़े फैसले हुए, संवैधानिक-प्रशासनिक एवं नीतियों के स्तर पर ऐसे आमूल बदलाव के निर्णय हुए जिनकी पहले कल्पना नहीं थी। स्वयं सरकार व देश को 10 वर्षों के इस अभ्यास से बाहर निकालना कठिन होगा, लेकिन क्या वाकई इससे बाहर निकालने की अभी ही आवश्यकता महसूस होती है या संभावना दिखाई देती है? ध्यान रखिए कि पूर्व की गठबंधन सरकारों की तरह इस सरकार के गठन, मंत्रियों को सरकार में लेने या विभागों के बंटवारे में किसी तरह की खींचतान हमारे सामने नहीं आई। यह अन्य गठबंधन सरकारों से इसे अलग करता है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में साथी दलों के 11 मंत्रियों का होना ऐसी संख्या नहीं है जिसे लेकर इस आरोप को स्वीकार कर लिया जाए कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह पर साथी दलों का बहुत ज्यादा दबाव था। दूसरे, विभागों के बंटवारे में भी देखें तो जिन्हें जो मिला उसे लेकर कम से कम सार्वजनिक स्तर पर किसी ने भी अपना असंतोष प्रकट नहीं किया है। ज्यादातर का बयान यही है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश को विश्व की शीर्ष शक्ति बनाने के लिए काम कर रहे हैं। पूर्व की गठबंधन सरकारों में साथी दलों के नेता इस तरह बेहिचक प्रधानमंत्री का नाम नहीं लेते थे। तीसरे, इस सरकार की सबसे बड़ी विशेषता है, शीर्ष मंत्रालयों में फेरबदल न होना। आप देख लीजिए प्रधानमंत्री के बाद गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय यहां तक कि शिक्षा मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय आदि उन्हीं वरिष्ठ मंत्रियों के हाथ में हैं तो सरकार के मुख्य चेहरे के रूप में अभी भी प्रधानमंत्री के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस जयशंकर, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव आदि ही दिखाई देंगे। देश के लिए नीतिगत निर्णय में कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी अफेयर्स सुरक्षा मामलों के मंत्रिमंडलीय समिति की शीर्ष भूमिका होती है। इनमें प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री वित्त मंत्री होते हैं। इस दृष्टि से भी देखें तो सरकार के चरित्र में बदलाव नहीं हुआ है।

मजबूर नहीं सरकार

सरकार गठन के पहले मीडिया में साथी दलों द्वारा अलग-अलग मंत्रालयों के मांग की अटकलें आ रही थी, जिनमें बिहार द्वारा रेल मंत्रालय की मांग शामिल थी। हालांकि इसकी कहीं से पुष्टि नहीं हुई और जदयू के मंत्रियों को जो विभाग मिला उसका प्रभार उन्होंने संभाल लिया। कहने का यह अर्थ नहीं कि साथी दलों की अपनी राजनीतिक आवश्यकताओं और महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप चाहत नहीं होगी और उन्होंने प्रधानमंत्री या अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के समक्ष अपनी बात रखी ही नहीं होगी। आगे भी वह अपनी बात नहीं रखेंगे ऐसा भी नहीं है। मूल बात है जिद पर अड़ना व सरकार को मजबूर करके अपने अनुकूल निर्णय बदलाव लेना। उदाहरण के लिए यूपीए सरकार में तृणमूल कांग्रेस की ओर से रेल मंत्री बने दिनेश त्रिवेदी ने अपने बजट में यात्रियों का जैसे ही किराया बढ़ाया ममता बनर्जी बिफर गईं। उन्होंने न केवल बजट में परिवर्तन करने बल्कि रेल मंत्रालय से हटाने का फरमान सुनाया और मनमोहन सरकार को ऐसा ही करना पड़ा। कम से कम वह स्थिति इस समय सरकार में नहीं दिख रही है। इसी तरह किसी सरकार के नेतृत्वकर्ता की अपनी आभा, देश और काम के प्रति समर्पण तथा उसका दृष्टिकोण व लक्ष्य सबसे ज्यादा प्रभावकारी होता है। इस मायने में प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व अन्य कई प्रधानमंत्रियों से अलग है। उन्होंने देश के विकास के बारे में व्यापक विजन रखा है, जिसमें अगले सवा सौ दिन, 5 साल और 2047 तक की कार्ययोजना शामिल है। साथी दलों में जद-यू और तेलुगू देशम पहले भी केंद्र और प्रदेश में साथ काम कर चुकी हैं। उन्हें पता है कि मोदी देश के लिए व्यापक विजन रखते हैं उसमें सभी राज्यों के विकास की उनकी कल्पना है। तो उन्हें नीतियों को लेकर कोई संभ्रम नहीं होगा। आने वाले वक्त में थोड़े बहुत राजनीतिक असहमति या मतभेद उभर सकते हैं लेकिन अभी तक ऐसा नहीं दिखा है कि किसी तरह के दबाव में सरकार के कदम रुकेंगे।

विपक्ष की आशंका निराधार

आमतौर पर गठबंधन सरकारों में यह मांग होती है कि कॉमन मिनिमम प्रोग्राम यानी समान न्यूनतम कार्यक्रम बनाकर आगे काम किया जाए। न राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं ने चुनाव में जाने के पहले ऐसी मांग की और न सरकार गठन के पूर्व। भाजपा को बहुमत न मिलने के बाद उनके पास इसका अवसर था और वैसा कर सकते थे। अगर उन्होंने मांग नहीं की तो इसका अर्थ यही है कि पूर्व सरकार की ओर से जो एजेंडा रखा गया है उससे वह सहमत हैं। यह भी ध्यान रखिए कि भाजपा ने पिछले 10 सालों में अपने हिंदुत्व व राष्ट्रवाद संबंधी एजेंडा पर खुलकर काम किया है और शेष कार्यों के लिए उन्होंने घोषणाएं भी की है। उदाहरण के लिए समान नागरिक संहिता लाना उनके घोषणा पत्र में और स्वयं प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री अमित शाह के भाषणों में शामिल था। विपक्ष की सोच है कि ऐसी मांगों पर ही सरकार में दरार आ जाएगी और यह गिर सकती है। इसके विपरीत इस समय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह बयान चल रहा है कि समान नागरिक संहिता में कोई समस्या नहीं है, लेकिन उसे पूरी तरह विचार विमर्श करने के बाद लाया जाना चाहिए। यह आवश्यक नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी आरंभ में ही समान नागरिक संहिता के लिए जोर डाल दें। निश्चित रूप से समय-समय पर विपक्ष संसद में एवं बाहर यह प्रश्न उठाएगा कि वह समान नागरिक संहिता क्यों नहीं ला रहे जैसे वे पहले धारा 370, राम जन्मभूमि आदि के बारे में इस सरकार को या पूर्व में वाजपेयी सरकार को घेरते थे। विपक्ष ने आशंका यह भी उठाई है कि नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक कभी भी गठबंधन सरकार चलाने का अनुभव नहीं है और जो उनका स्वभाव है उसमें इसे बहुत आगे खींचना संभव नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने सरकार गठन के पूर्व राजग की बैठक के भाषण में 15 बार एनडीए तथा आठ बार गठबंधन शब्द का प्रयोग किया। यह भी किसी बात का संकेत है।

काफी हद तक अलग गठबंधन सरकार

भाजपा व्यापक विचारधारा और एजेंडा वाली पार्टी है,जो एक बड़े संगठन परिवार के साथ संबद्ध है। इसमें यदि पूरे संगठन परिवार और स्वयं भाजपा के अंदर भारी संख्या में प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं तथा बाहर समर्थकों को लगा कि मोदी सरकार-3 पिछले दो सरकारों से अलग निश्चित दिशा की पटरी से थोड़ी उतरी है या दूसरी दिशा में जा रही है तो उनके अंदर निराशा होगी और इसलिए मोदी की राजग सरकार बेहतर काम करेगी। इस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार के रणनीतिकारों को दोनों के बीच संतुलन बनाकर चलने की चुनौती है। इस समय भविष्य की तस्वीर के बारे में निश्चिंतता के साथ पूरी तरह भविष्य की तस्वीर बनाने की बजाय हमें थोड़ी प्रतीक्षा करनी चाहिए। हां, इतना अवश्य कहा जा सकता है कि पूर्व की गठबंधन सरकारों से वर्तमान मोदी गठबंधन सरकार अपने चरित्र, आंतरिक संरचना, वातावरण व सामूहिक मनोविज्ञान आदि के स्तर पर काफी हद तक अलग है।

जी-7 के मंच से भारत का शांति संदेश

जी-7 सम्मेलन

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

जी-7 का शिखर सम्मेलन 13 से 15 जून को इटली के शहर अपुलिया में आयोजित किया गया। अक्टूबर 2022 में सत्ता संभालने के बाद इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी द्वारा पहली दफा किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी अंजाम दी गई। जी-7 शिखर सम्मेलन ऐसे विकट दौर में आयोजित हुआ, जबकि दुनिया के अनेक इलाकों में खासतौर पर रूस-यूक्रेन और गाजा में युद्ध जारी है। साथ ही जी-7 के देश विकराल घरेलू चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इस वर्ष अमेरिका, इंग्लैंड और फ्रांस में चुनाव होना है। प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले जी-7 के शिखर सम्मेलन में भारत को भी विगत अनेक वर्षों से आमंत्रित किया जाता रहा है। विगत वर्ष 2023 के हिरोशिमा में आयोजित जी-7 सम्मेलन में भी भारत के प्रधानमंत्री आमंत्रित सदस्य के तौर पर उपस्थित हुए थे। वर्ष 2019 में फ्रांस में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन में भी भारत को आमंत्रित किया गया था। हालांकि भारत जी-7 ग्रुप का स्थायी सदस्य नहीं है, किंतु भारत को जी-7 के शिखर सम्मेलनों में शिरकत करने का निरंतर निमंत्रण मिलता रहा है। विकासशील भारत को जी-7 शिखर सम्मेलनों में निमंत्रण प्राप्त होने का एक विशिष्ट कारण यह भी रहा है कि भारत की 2.66 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का आकार अब जी-7 में शामिल तीन देशों क्रमशः इटली, फ्रांस, और कनाडा से भी कहीं अधिक बड़ा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के मुताबिक भारत दुनिया की सबसे तेज गति के साथ बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो गई है। भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार पश्चिमी देशों से पृथक रही है, यूरोप में आर्थिक विकास की संभावना स्थिर सी हो गई है, लेकिन भारत में आर्थिक तरक्की की संभावनाएं काफी प्रबल रही हैं। हिंद प्रशांत क्षेत्र में सामरिक दृष्टि से भी भारत अहम है। भारत का लोकतांत्रिक होना भी पश्चिम को सूट करता है। निकट भविष्य में भारत को जी-7 का स्थायी सदस्य बनाया जा सकता है। जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वसुधैव कुटुंबकम की भावना के तहत वन अर्थ वन हेल्थ अर्थात एक विश्व एक स्वास्थ्य सेवा के लिए आह्वान किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रश्न पर भारत की सार्थक पहल से सम्मेलन को अवगत कराया। एक विराट अर्थव्यवस्था वाले देश चीन को जी-7 का सदस्य देश नहीं बनाया गया, क्योंकि जी-7 के देश चीन को वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा मानते आए हैं। जी-7 के देश हिंद प्रशांत इलाके में चीन को एक विस्तारवादी देश करार देते हैं। जहां कि भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया तथा अन्य देशों के क्षेत्रों पर चीन आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। यूरोपीय यूनियन जी-7 का सदस्य नहीं है, किंतु इसके शीर्ष अधिकारियों को भी सम्मेलन में आमंत्रित किया जाता रहा है। जी-7 में इटली द्वारा अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और हिंद प्रशांत क्षेत्र के 12 विकासशील देशों के नेताओं को भी आमंत्रित किया।

खास मुद्दे विचाराधीन

इस जी-7 सम्मेलन में जो खास मुदे विचाराधीन रहे, इनमें सबसे प्रमुख यूक्रेन और गाजा में जारी युद्धों के ज्वलंत प्रश्न। विश्व स्तर पर बढ़ती महंगाई,अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित समस्याओं को लेकर भी विशेष बातचीत की गई। जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी परिणामों से निपटने के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने व सस्टेनेबल एनर्जी को बढ़ावा देने की रणनीति पर पुनर्विचार किया गया। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य को बेहतर बनाना भी इस सम्मेलन का एक मुख्य मुद्दा रहा। कोविड-19 के बाद यह बात स्पष्ट हुई है कि वैश्विक

स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आपातकालीन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य व्यवस्था को और बेहतर बनाना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जटिल प्रश्न हिरोशिमा में 2023 के जी-7 सम्मेलन में रणनीति बनाने पर विचार-विमर्श किया गया था, किंतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभी तक कोई ठोस रणनीति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक इस्तेमाल पर नहीं बन पाई है। क्या 2024 का शिखर सम्मेलन का विमर्श एआई के सकारात्मक इस्तेमाल के लिए कोई ठोस रणनीति लागू कर सकेगा?

अफ्रीका संग इटली की ट्रेड कूटनीति

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी का कहना है कि शिखर सम्मेलन में विकसित और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं के मध्य ताल्लुकात सम्मेलन के केंद्र में बने रहे। विकासशील देशों में इटली की प्रधानमंत्री अफ्रीकी देशों को अधिक महत्व प्रदान करती हैं। मैटई योजना के तहत इटली द्वारा 5.5 अरब यूरो का कर्ज अफ्रीकन देशों को प्रदान किया गया है। मैटई योजना से इटली ऊर्जा क्षेत्र में एक अहम देश के रूप में स्थापित हो सकेगा। अफ्रीका और यूरोप के मध्य प्राकृतिक गैस और हाइड्रोजन गैस की पाइप लाइन इटली निर्मित करना चाहता है। इटली की सरकार की इस योजना का मकसद अफ्रीका से निरंतर जारी रहने वाले प्रवासन को रोक देना भी है।

क्या है जी-7

जी-7 अर्थात ग्रुप ऑफ सेवन दुनिया के विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का एक ग्रुप है। जी-7 देशों का वैश्विक ट्रेड और अंतरराष्ट्रीय फाइनेंशियल सिस्टम पर प्रभाव कायम रहा है। वर्ष 1970 के दशक के दौरान वैश्विक तेल संकट से निपटने के लिए 1975 में पहली दफा विश्व के विकसित अर्थव्यवस्था वाले देश पश्चिमी जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका, जापान, इंग्लैंड और इटली द्वारा एक सम्मेलन पेरिस के निकट रैंबोलेट शहर में हुआ। यह फैसला लिया गया कि प्रतिवर्ष इन देशों का एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 1975 के प्रथम सम्मेलन में जी-6 (ग्रुप सिक्स) के नाम से जाना गया। वर्ष 1976 में कनाडा को इस ग्रुप में शामिल किया गया। इसके बाद इस ग्रुप को जी-7 के नाम से जाना गया। 1998 में रूस को इस ग्रुप में शामिल किया गया तो फिर इस ग्रुप को जी-8 के नाम से जाना गया। 2014 में क्रीमिया पर रूस द्वारा आधिपत्य स्थापित करने के पश्चात रूस को इस ग्रुप से निलंबित कर दिया गया था। अतः फिर से इस ग्रुप को जी-7 कहा जाने लगा।

सबसे विशिष्ट बात

इस बार के जी-7 शिखर सम्मेलन की सबसे विशिष्ट बात रही कि इन देशों ने इस वर्ष के अंत तक यूक्रेन को 50 अरब डॉलर का कर्ज प्रदान करने का फैसला किया है। यह राशि रूस की 325 अरब डॉलर की यूरोप में जब्त की गई संपत्ति के द्वारा ब्याज के रूप में प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है जब्त की गई रूसी संपत्तियां प्रतिवर्ष तीन अरब डॉलर का ब्याज प्रदान कर रही है। इस धनराशि का इस्तेमाल यूक्रेन द्वारा रूस के विरुद्ध युद्ध में किया जाएगा। जी-7 देशों का यह फैसला इंटरनेशनल जस्टिस के हिसाब से कितना न्यायसंगत है, इस पर सोचने की जरूरत है। रूस की संपत्ति जब्ती से लेकर यूक्रेन को युद्ध में मदद करने तक पश्चिम का फैसला संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के हिसाब से पक्षपातपूर्ण है। जी-7 सम्मेलन के दौरान अमेरिका और यूक्रेन के मध्य 10 वर्षीय रक्षा समझौता भी संपन्न किया गया। इस रक्षा समझौते की शर्तों के मुताबिक अमेरिका यूक्रेन को सैन्य सामग्री और सैनिक प्रशिक्षण देगा, किंतु यूक्रेन की प्रतिरक्षा के लिए सैनिक भेजने को अमेरिका प्रतिबद्ध नहीं होगा। असल में अमेरिका इस रक्षा समझौते के तहत रूस-यूक्रेन युद्ध से अलग रह कर, युद्ध को निरंतर जारी रखने की रणनीति पर काम कर रहा है।

यूएस राष्ट्रपति बाइडेन के गाजा में इजराइल और हमास के मध्य तत्काल युद्ध विराम अंजाम देने के प्रस्ताव को जी-7 सम्मेलन में एकमत से स्वीकार कर लिया गया। इस प्रस्ताव के तहत दोनों पक्षों के सभी बंधकों को रिहा करने और गाजा को अधिक आर्थिक सहायता देने का प्रस्ताव पेश किया है। अब देखना यह है कि बाइडेन द्वारा पेश युद्ध विराम प्रस्ताव पर इजराइल सरकार राजी होगी या नहीं। यदि इजरायल सरकार बाइडेन द्वारा पेश किए गए युद्ध विराम के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करती है तो फिर अमेरिका इजराइल के विरुद्ध क्या कदम उठाएगी?

अब चुनावी वादे पूरे करने का वक्त

मोदी 3.0

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

आम चुनाव के नतीजों के बाद केंद्र में भाजपा नीत राजग सरकार बन चुकी है, नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में अपनी तीसरी पारी का आगाज कर चुके हैं, मंत्रिमंडल का गठन हो गया है, मंत्रियों को विभागों का बंटवारा भी हो चुका है, सभी कोर मंत्रालय भाजपा के पास ही है, सहयोगी दल भी संतुष्ट नजर आ रहे हैं, ऐसे में अब सवाल है कि नई सरकार अपने चुनावी वादों को कैसे पूरा करेगी, क्या इसमें सहयोगी दलों की ओर से कोई अड़चन आ सकता है? राजग में भाजपा के अहम सहयोगी टीडीपी व जदयू के पास वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में शासन करने का लंबा अनुभव है। फिर भी विपक्ष की ओर से कयास लगाए जा रहे हैं कि मोदी सरकार अस्थिर रहेगी। लेकिन अभी तक ऐसा कुछ दिखा नहीं है। नीतीश और चंद्रबाबू नायडू दोनों ही कुछ समय पहले तक केंद्र की मोदी सरकार के ख़िलाफ मोर्चा खोले हुए थे इसीलिए अब एनडीए में उनकी हैसियत बहुत अहम किरदार वाली हो गई है। मोदी 3.0 सरकार के सामने अब इन दो पुराने सहयोगियों के साथ हर अहम फैसले लेने से पहले तालमेल बिठाने की ज़रूरत पड़ेगी। पिछले कुछ दिनों में प्रधानमंत्री ने अपना रुख बदला है। उन्होंने साफ कर दिया है कि सरकार बीजेपी की नहीं बल्कि एनडीए की है। शुरुआत से ही बीजेपी के विपरीत, एनडीए को प्राथमिकता दी गई है।

नीतीश-चंद्रबाबू अहम

यह सरकार पूरी तरह से नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की बैसाखी पर जरूर टिकी हुई है और नीतीश कुमार मौसम की तरह पाला बदलते रहते हैं, इसके बावजूद राजग की नई सरकार किसी दबाव में नहीं है, जैसा विपक्ष नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रहा है। मंत्रिमंडल के गठन से लेकर विभागों के बंटवारे तक पीएम मोदी आत्मविश्वास से भरे दिखे और सहयोगी संतुष्ट। अगर जेडीयू गड़बड़ करती है तो बिहार में उसकी सरकार गिर जाएगी। हालांकि टीडीपी राज्य में सरकार चलाने के लिए बीजेपी पर निर्भर नहीं है, लेकिन गठबंधन है तो मुद्दों पर टकराव भी होगा। मोदी ने मुस्लिम आरक्षण खत्म करने की बात कही थी। 16 सांसदों वाली टीडीपी पहले से जारी मुस्लिम आरक्षण को खत्म करने के पक्ष में नहीं है। जाहिर है कि ये मुद्दा अब खटाई में पड़ जाएगा या कोई भी जिद पर अड़े तो टकराव होगा। वहीं विपक्ष की ताकत दस साल बाद अब बहुत बढ़ गई है। संसद से लेकर सड़क तक विपक्ष सरकार को कहां-कहां घेरेगा, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। विपक्ष उन मुद्दों पर आक्रामक रुख अपनाएगा, जो भाजपा के कोर एजेंडे में शामिल रहे हैं। ऐसे कई मुद्दे बीजेपी के सहयोगियों को भी नहीं भाते हैं।

सबसे अहम सवाल

दूसरी तरफ कयास ये भी लगाए जा रहे हैं कि गठबंधन सरकार चलाने के लिए जो अनुभव चाहिए, वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास नहीं है। देखना ये होगा कि मोदी गठबंधन सहयोगियों के साथ कितने सहज रहते हैं। अभी तक वे सहज हैं, कोई कठिनाई नहीं आई है। पूर्ण बहुमत की सरकार और गठबंधन सरकार के चरित्र में फर्क होता है। पिछले 10 वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कई बड़े फैसले लिए। हालांकि देश में गठबंधन सरकार के दौरान भी बड़े बड़े फैसले हुए हैं, इसलिए इस बार भी कोई दिक्कत नहीं है। राजग सरकार के मुखिया होने के चलते पीएम मोदी सभी सहयोगियों को साथ लेकर चलेंगे, चुनावी वादे पूरा करने की कोशिश करेंगे, नए आर्थिक व प्रशासनिक सुधार को गति देंगे भारत को आत्मनिर्भर व समावेश राष्ट्र बनाने के प्रयास जारी रखेंगे। ऐसी उम्मीद सहज रूप से की जा सकती है। पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के दौरान देश के लोगों से कई बड़े वादे भी किए हैं। उन्होंने हर साल दो करोड़ युवाओं को नौकरी देने और किसानों की आय दोगुनी करने जैसे बड़े वादे किए थे, जो पिछली सरकार में पूरे नहीं हो सके। अब वे इसे पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं। राजग के लक्ष्य पूरे करेंगे।

तीन खास मोर्चे

मोदी को तीन अहम मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें सहयोगियों को साथ लेकर चलना होगा। पहले से चल रही कुछ योजनाओं पर सहयोगी दलों की आपत्ति और उनकी समीक्षा है। सहयोगी दलों ने पहले से चल रही अग्निपथ योजना की समीक्षा की मांग की है। इसके अलावा, समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर भी मोदी को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बाद उनके लिए 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' नीति को लागू करना मुश्किल हो सकता है। मोदी, राष्ट्रीय जाति जनगणना की नीतीश की मांग से कैसे निपटेंगे, ये देखना दिलचस्प होगा।

मजबूत विपक्ष भी चुनौती

मोदी के लिए दूसरी चुनौती लोकसभा में मजबूत विपक्ष से आएगी। सदन में 232 सदस्यों के साथ विपक्ष ने जोरदार वापसी की है। संसद के दोनों सदनों में विधेयक पारित कराना या हंगामा करने पर सदस्यों को अयोग्य ठहराना या निलंबित करना कठिन होगा। मोदी के सामने तीसरी और सबसे कठिन चुनौती पार्टी और आरएसएस के बीच तालमेल बिठाना होगा। पिछले कुछ दिनों में बीजेपी के सीनियर नेताओं और संघ के शीर्ष नेतृत्व के बीच बैठकें हुई हैं। इसके अलावा, आरएसएस नेतृत्व की आंतरिक बैठकें भी हुई हैं, जिसमें बीजेपी की 60 से ज्यादा सीटों की गिरावट के कारणों पर चर्चा की गई है, लेकिन बीजेपी और आरएसएस के सीनियर नेता फिलहाल चुप हैं। कहा जा रहा है कि इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद ही वे कुछ निर्णय लेंगे। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं और शायद अगले साल दिल्ली और बिहार में भी चुनाव होने हैं। इन सभी राज्यों में, इंडिया गठबंधन, एनडीए को तगड़ी चुनौती दे सकता है।

दो ही रास्ते

ऐसे में बीजेपी के सामने दो ही रास्ते हैं। पहला ये कि वो अपना कुनबा बढ़ा कर बहुमत तक पहुंचने की कोशिश करे। ऐसे में उसे पुराने सहयोगियों को मनाना होगा। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना बीजेपी की पुरानी सहयोगी रही है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल भी एनडीए में था। दोनों के पास 10 सांसद हैं। दूसरा रास्ता है- सहयोगी दलों के साथ तालमेल बिठाए रखना। पहला काम तो मुश्किल लगता है, लेकिन मोदी दूसरा काम बहुत ही कुशलता से जरूर कर सकते हैं, पर विपक्ष को पहले की तरह नजरअंदाज करना अब नई राजग सरकार के लिए आसान नहीं होगा। मोदी 3.0 सरकार के सामने चुनावी वादे पूरे करने की महती चुनौती होगी। भाजपा के संकल्प पत्र में कई वादे मोदी की गारंटी के रूप में हैं, सहयोगी दलों के भी चुनावी वादे हैं। नई राजग सरकार का दायित्व होगा कि वह राष्ट्र की खुशहाली के लिए काम करे।

वायुसेना प्रमुख ने संयुक्त स्नातक परेड को किया संबोधित

आधुनिक युग का युद्ध लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं: चौधरी

भाषा ▶▶ हैदराबाद

वायुसेना प्रमुख वीआर चौधरी ने शनिवार को कहा कि आधुनिक युग का युद्ध सिर्फ लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जटिल डेटा नेटवर्क और नई साइबर प्रौद्योगिकियों से प्रभावित होने वाला और निरंतर बदलने वाला एक परिदृश्य है।

यहां डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी (एएफए) में '213 ऑफिसर्स कोर्स' की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए चौधरी ने यह भी कहा कि भविष्य के युद्धों को अतीत की मानसिकता के साथ नहीं लड़ा जा सकता। आधुनिक युग का युद्ध गतिशील है और लगातार बदलने वाला परिदृश्य है। यह अब केवल लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं है। भारतीय वायुसेना की हैदराबाद स्थित डिंडीगुल अकादमी में शनिवार को आयोजित की गई संयुक्त स्नातक परेड में 235 स्नातक फ्लाइट कैडेट सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा कर उत्तीर्ण हुए हैं।

235 फ्लाइट कैडेट्स में 22 महिलाएं शामिल, 25 अधिकारी के रूप में कमीशन

- वर्दीधारी पुरुषों और महिलाओं के लिए अभियान की सिद्धि सबसे महत्वपूर्ण
- आप जितना अधिक पढ़ेंगे, अपने क्षेत्र की जटिलताओं को उतना ही बेहतर समझ पाएंगे

सेनाप्रमुख ने कैडेटों को दी सलाह

चौधरी ने कहा कि हमारे लिए, वर्दीधारी पुरुषों और महिलाओं के लिए अभियान की सिद्धि सबसे महत्वपूर्ण है। यह किसी संगठन की दिशा, दक्षता और समग्र सफलता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि उन्हें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए और इससे बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा कि आप जितना अधिक पढ़ेंगे, आप अपने क्षेत्र की जटिलताओं को उतना ही बेहतर समझ पाएंगे। एक पढ़ा-लिखा व्यक्ति अज्ञात के मुकाबले स्पष्टता के साथ अनुकूलन और नेतृत्व करने में सक्षम होता है। पेशेवर ज्ञान प्राप्त करना सर्वोपरि है, लेकिन नए कमीशन प्राप्त अधिकारियों को अन्य क्षेत्रों में भी अपने कौशल को निखारना चाहिए।

फ्लाइट कैडेट को 'प्रेसीडेंट कमीशन'

वायुसेना के कहा कि यह पहली ऐसी संयुक्त स्नातक परेड थी, जिसमें चार साल पहले ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल हुए 25 कैडेटों को भी अधिकारियों के रूप में कमीशन दिया गया है। इनमें 5 अधिकारियों को प्रशासन शाखा, 3 को रसद और 17 को वायुसेना की तकनीकी शाखा में कमीशन दिया गया है। समारोह का प्रमुख आकर्षण का केंद्र कैडेटों को समीक्षा अधिकारियों द्वारा प्रदान किए गए उनके रैंक और विंग्स से सम्मानित करना और बल के विमानों का फ्लाई पास्ट रहा। पिलाटस पीसी-7, एमके-11, किरण और चेतक हेलीकॉप्टर फ्लाई पास्ट का हिस्सा बने। परेड समारोह का समापन दो पंक्ति में नव नियुक्त अधिकारियों द्वारा रवींद्रनाथ टैगोर के आनंदलोक के पारंपरिक स्वरों पर धीमी गति से मार्च करने के साथ अपने कनिष्ठों से मिली सलामी के साथ हुआ।

केरल के पलक्कड़ में 31 अगस्त से 2 सितंबर तक बैठक

भाजपा और संघ समन्वय बैठक में करेंगे मंथन, चुनाव नतीजों पर होगा विश्लेषण

आनंद राणा ▶▶ नई दिल्ली

- भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष भी लेंगे हिस्सा
- इस साल होने वाले विसभा चुनावों को लेकर भी होगी चर्चा

भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच यूं तो कुछ मुद्दों पर मतभिन्नता बनी रहती है, पर लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सामने आयी बयानबाजी अचंभित करने वाली थी। इसे दोनों खेमों के बीच समन्वय के अभाव के तौर पर देखा गया। अब आपसी तालमेल बढ़ाने की जरूरत शीर्ष स्तर पर महसूस की जा रही है। इसी के परिणामस्वरूप 31 अगस्त से 2 सितंबर तक केरल के पलक्कड़ में होने जा रही राष्ट्रीय समन्वय बैठक में तमाम मसलों पर भाजपा और संघ के शीर्ष पदाधिकारियों के बीच बातचीत होगी। बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के संगठन महासचिव बीएल संतोष भी पहुंचेंगे। संघ परिवार से जुड़े सभी संगठनों के महत्वपूर्ण पदाधिकारी भी आपसी तालमेल पर चर्चा करेंगे। बैठक में हालिया लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन पर मंथन होगा। सूत्रों का कहना है कि चुनाव के दौरान भाजपा और संघ के बीच देखने को मिली समन्वय की कमी पर भी गहराई से चर्चा होगी। भाजपा हालांकि एनडीए में शामिल सहयोगी दलों के समर्थन से सरकार बनाने में सफल रही है, बावजूद इसके पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाने के कारणों को चिन्हित कर उनके निदान पर आगे बढ़ा जाएगा। बैठक के दौरान उप्र पर अहम फोकस रहेगा। सबसे ज्यादा लोकसभा वाले सूबे में पार्टी का प्रदर्शन घोर निराशाजनक रहा है। यूपी की 80 लोस सीटों में से भाजपा मात्र 33 सीट ही जीत पाई। सूत्रों का कहना है कि राजस्थान और हरियाणा में सीटें घटने और बंगाल की सियासी पड़ताल पर भी मंथन होगा।

इन पर भी मंथन

सितंबर में जम्मू कश्मीर में विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। इसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव है। लोस चुनाव में निराश भाजपा के लिए इन राज्यों के समीकरण भी परेशानी का सबब बने हुए है। भाजपा नेता केरल की बैठक में संघ के साथ मतभिन्नता के हर उस बिंदु का हल तलाश करने पर जोर देंगे जो दूरी बढ़ा रहा है। पार्टी हर हाल में चाहेगी कि विधानसभा चुनाव में संघ का वैसा ही सहयोग मिले जो अतीत में मिलता रहा है। संघ से जुड़े सूत्रों का कहना है कि दूसरी पार्टियों से आये नेताओं को भाजपा में ज्यादा महत्व मिलना भी एक बड़ा मसला है जिस पर बातचीत होगी।

बिप्लव के नेतृत्व में चार सदस्यीय समिति आज पहुंचेगी कोलकता

भाजपा ने बंगाल में हो रही राजनैतिक हिंसा पर गठित की जांच समिति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के बाद हो रही राजनीतिक हिंसा का जायजा लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद बिप्लब कुमार देब के नेतृत्व में चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति रविवार शाम तक कोलकता पहुंच जाएगी और वहां हो रही हिंसा की घटनाओं की जांच कर रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपेगी। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह द्वारा पत्र भी जारी किया गया है। इस चार सदस्यीय समिति में पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद, राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल और सांसद कविता पाटीदार को शामिल किया गया है। सांसद एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को समिति का संयोजक बनाया गया है। बिप्लब देब रविवार शाम को कोलकता पहुंच जाएंगे।

तृणमूल ने आरोपों को खारिज किया

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य शांतनु सेन ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की जनता द्वारा खारिज किए जाने के बाद भाजपा अब बहाने ढूंढ रही है। तृणमूल कांग्रेस के नेता ने कहा कि भाजपा उम्मीदवारों ने "चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष बताया था।

सरकार सुनिश्चित करे कि कॉरपोरेट समूहों का एकाधिकार न हो: कांग्रेस

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कॉरपोरेट समूहों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति बनी रहे और किसी भी क्षेत्र में किसी एक समूह का एकाधिकार स्थापित नहीं हो तथा अधिग्रहण स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से किया जाए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह सुनिश्चत करना भी जरूरी है कि सत्ता तक पहुंच के चलते किसी को अनुचित लाभ नहीं मिले। उनकी यह टिप्पणी अडाणी समूह द्वारा दक्षिण भारत में सीमेंट क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी मजबूत करते हुए 'पेन्ना सीमेंट्स' का अधिग्रहण किए जाने के बाद आई है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "आप क्रोनोलॉजी समझिए।

दिल्ली में जल संकट पर सियासत तेज

कांग्रेस का 'मटका फोड़' प्रदर्शन

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस की दिल्ली इकाई ने राष्ट्रीय राजधानी में व्याप्त जल संकट को लेकर शनिवार को विभिन्न स्थानों पर 'मटका फोड़' प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन राजधानी के 280 ब्लॉक में सुबह 10 बजे शुरू हुआ। सिर पर मटके और हाथ में कांग्रेस के झंडे लेकर प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में, उन्होंने मटकों को जमीन पर पटककर फोड़ दिया। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने राजधानी में गहराए जल सकंट के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की।

आप नेता नाटक कर रहे : भाजपा

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने शनिवार को आम आदमी पार्टी पर राष्ट्रीय राजधानी में लोगों के समक्ष जल संकट के समाधान के लिए पाइपलाइनों में रिसाव एवं चोरी के मुद्दों का समाधान करने के बजाय नाटक करने का आरोप लगाया। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अतिरिक्त पानी के लिए यमुना नदी बोर्ड से संपर्क करने के दिल्ली सरकार को उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देश के बावजूद आप अब केंद्रीय जल मंत्री सी आर पाटिल से संपर्क करने का एक नया राजनीतिक नाटक रच रही है। आप नेता पानी मुद्दे को ठीक करने के बजाय नाटक क्यों कर रहे हैं।

आप विधायकों ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से हस्तक्षेप का आग्रह किया

- भाजपा सरकार पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (भाषा)। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी में भीषण गर्मी के बीच उत्पन्न जल संकट के समाधान के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। दिल्ली विधानसभा में आप के मुख्य सचेतक दिलीप पांडेय ने स्थिति को बहुत गंभीर बताते हुए कहा कि यमुना के जल का मुद्दा एक अंतरराज्यीय मुद्दा है जिसके लिए जल शक्ति मंत्रालय के समन्वय की आवश्यकता है। पाण्डेय ने कहा कि आप विधायकों की ओर से पत्र में इस मामले पर चर्चा के लिए मंत्री से मिलने का समय मांगा गया है। आप नेता ने यह भी कहा कि राजनीति करने के बजाय सभी दलों को जल संकट को दूर करने और दिल्ली के लोगों को राहत प्रदान करने के लिए काम करना चाहिए। यह पूरा मामला राज्य समन्वय से जुड़ा है और केंद्र के हस्तक्षेप के बिना कोई समाधान नहीं निकलेगा। सत्तारूढ़ आप ने भाजपा शासित हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का यमुना का पानी रोकने का आरोप लगाया है।

पूछताछ के लिए 17 जून को सीआईडी के समक्ष पेश होऊंगा: येदियुरप्पा

बेंगलुरु(भाषा)। पॉक्सो मामले का सामना कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी एस येदियुरप्पा शनिवार को बेंगलुरु लौट आए और कहा कि वह पूछताछ के लिए 17 जून को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के समक्ष पेश होंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा सीआईडी को पॉक्सो मामले के संबंध में उन्हें गिरफ्तार करने से रोके जाने के एक दिन बाद लौटे। उच्च न्यायालय ने येदियुरप्पा को मामले की जांच कर रही सीआईडी के समक्ष 17 जून को पेश होने भी का निर्देश दिया। येदियुरप्पा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मैं पहले से तय कार्यक्रम के लिए दिल्ली गया था। मैंने पहले ही लिखित में सूचित कर दिया था कि मैं 17 जून को पूछताछ के लिए उपस्थित होऊंगा।

कभी प्रतिशोध की राजनीति नहीं की भविष्य में भी नहीं करूंगा: सिद्धरमैया

मैसुरु (कर्नाटक)(भाषा)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा कि उन्होंने और उनकी सरकार ने कभी भी "प्रतिशोध की राजनीति" नहीं की और भविष्य में भी ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने भाजपा पर इस तरह के कृत्यों में लिप्त होने का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) ने पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) मामले में गिरफ्तारी वारंट के बाद सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया था। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस नीत सरकार पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के परिवार को निशाना बनाने के बाद अब येदियुरप्पा परिवार को निशाना बना रही है।

साहित्य अकादमी बोर्ड की बैठक में फैसला

साहित्य अकादमी ने युवा पुरस्कार व बाल साहित्य पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

- संस्कृत में युवा पुरस्कार के विजेता की घोषणा बाद में होगी

साहित्य अकादमी ने शनिवार को अंग्रेजी लेखिका के. वैशाली और हिंदी लेखक गौरव पांडेय समेत 23 लेखकों के नामों की घोषणा की, जिन्हें विभिन्न भाषाओं में प्रतिष्ठित युवा पुरस्कार मिलेगा।

साहित्य अकादमी ने 2024 के लिए बाल साहित्य पुरस्कार के 24 विजेताओं के नामों की भी घोषणा की। अकादमी ने कहा कि संस्कृत में युवा पुरस्कार के विजेता की घोषणा बाद में की जाएगी। साहित्य अकादमी ने कहा कि साहित्य अकादमी के कार्यकारी बोर्ड ने शनिवार को अपने अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में हुई बैठक में 23 लेखकों के चयन को मंजूरी दी, जिनका चयन संबंधित भाषा में तीन-तीन सदस्यों वाले चयन मंडल द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर किया गया। के. वैशाली को उनके संस्मरण 'होमलेसः ग्रोइंग अप लेस्बियन एंड डिस्लेक्सिक इन इंडिया' के लिए जबकि गौरव पांडेय को उनके कविता संग्रह 'स्मृतियों के बीच घिरी है पृथ्वी' के लिए सम्मानित किया जाएगा। युवा पुरस्कार 10 कविता संग्रहों, सात लघु कथा संग्रहों, दो लेख और एक निबंध संग्रह, एक उपन्यास, एक गजल पुस्तक और एक संस्मरण के लिए प्रदान किया गया है। युवा पुरस्कार के अन्य विजेता नयनज्योति शर्मा (असमिया), सुतापा चक्रवर्ती (बंगाली), सेल्फ मेड रानी बारो (बोडो) और हीना चौधरी (डोगरी) हैं। रिंकू राठौड़ (गुजराती), श्रुति बीआर (कन्नड़), मोहम्मद अशरफ जिया (कश्मीरी), अद्वैत सालगांवकर (कोंकणी), रिंकी झा रिशिका (मैथिली) और श्यामकृष्णन आर (मलयालम) भी विजेताओं में शामिल हैं।

चीन के अनुचित व्यापारिक व्यवहार के खिलाफ भी कार्रवाई का संकल्प लिया

चीन के खिलाफ जी-7 देश एकजुट आर्थिक प्रतिबंधों का प्रस्ताव मंजूर

शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन जी-7 में शामिल मेजबान इटली के साथ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और कनाडा ने चीन के खिलाफ दो संकल्पों को मंजूरी दी। इनमें उन संस्थाओं के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने का वादा किया है, जिन्होंने धोखाधड़ी से तेल की ढुलाई करके रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद की है।

एजेंसी ▶▶ रोम

दुनिया की सात सबसे बड़ी और विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के समूह जी-7 के शिखर सम्मेलन में चीन के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंधों के संकल्प प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

इस पर भी सहमति जताई कि उन चीनी कंपनियों के खिलाफ कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे, जिन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद की है। खासतौर पर चीन के उन वित्तीय संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए हथियार हासिल करने में मदद की है।

शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन जी-7 में शामिल मेजबान इटली के साथ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और कनाडा ने चीन के खिलाफ दो संकल्पों को मंजूरी दी। इनमें उन संस्थाओं के खिलाफ भी प्रतिबंध लगाने का वादा किया है, जिन्होंने धोखाधड़ी से तेल की ढुलाई करके रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद की है।

जी-7 नेताओं ने साझा वक्तव्य में कहा, वे यूक्रेन के खिलाफ रूस की मदद करने वाली तीसरे देशों की संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वित्तीय प्रणालियों तक पहुंच से प्रतिबंधित करेंगे। जी-7 ने चीन के अनुचित व्यापारिक व्यवहार के खिलाफ भी कार्रवाई का संकल्प लिया है। खासतौर पर चीन के साथ व्यापार घाटे को कम करने पर जोर देने की बात कही है। इसके अलावा, चीन को निर्यात नियंत्रण के जरिये आपूर्ति शृंखलाओं को प्रभावित करने से परहेज करने की चेतावनी दी गई है, खासतौर पर चिप व इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्माण में काम आने वाले अहम खनिजों पर एकतरफा निर्यात प्रतिबंधों को अनुचित करार दिया। जी-7 ने चीन की कुटिल चालों से अपने व्यवसायों की रक्षा करने और चीन के साथ व्यापार में संतुलन लाने के लिए कार्रवाई करने की बात की है।

मेलोनी के विरोध के बाद गर्भपात अधिकार का मुद्दा छोड़ा

समूह अपने साझा बयान में गर्भपात के अधिकार को लेकर प्रतिबद्धता से पीछे हट गया है। पिछले साल जापान में हुए शिखर सम्मेलन में समूह के नेताओं ने दुनिया में सुरक्षित और कानूनी गर्भपात तक महिलाओं की पहुंच के मुद्दे को उठाया था, लेकिन अब इस मुद्दे को छोड़ दिया गया है। बताया जा रहा है कि इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलनी के विरोध के बाद इस मुद्दे को मसौदे में शामिल नहीं किया गया। मेलनी के रवैये से फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों नाराज भी हो गए।

दक्षिण चीन सागर में भी ड्रैगन की हरकतों का विरोध

मसौदा बयान में कहा गया, हम दक्षिण चीन सागर में चीन के सैन्य बल और समुद्री मिलिशिया के खतरनाक इस्तेमाल और देशों की गहरे समुद्रों में नौवहन की स्वतंत्रता में बार-बार बाधा डालने, बलपूर्वक एवं धमकाने वाली गतिविधियों का विरोध करना जारी रखेंगे।

जी-7 से इतर अमेरिका और कनाडा के राष्ट्राध्यक्षों से मिले प्रधानमंत्री मोदी

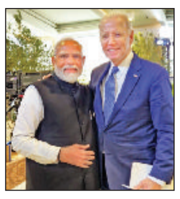

नई दिल्ली (हरिभूमि ब्यूरो)। इटली के अपूलिया में आयोजित किए गए जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका और कनाडा के राष्ट्राध्यक्षों के साथ संक्षिप्त मुलाकातें हुईं। इसकी जानकारी सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका लगातार एकजुटता से वैश्विक भलाई के लिए काम कर रहे हैं। राष्ट्रपति जो.बाइडन के साथ मुलाकात हमेशा ही खुशी की बात रही है। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका के राष्ट्रपति जो.बाइडन के साथ यह मुलाकात करीब सात महीने पहले वाशिंगटन द्वारा भारत पर सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय के शामिल होने के आरोप लगाने के बाद पहली बार इटली में हुई। अमेरिकी आरोपों की जांच के लिए भारत ने हालांकि एक उच्च स्तरीय जांच दल का गठन किया है।

उपराष्ट्रपति आज संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करेंगे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

संसद परिसर में अलग अलग स्थानों पर स्थित महापुरुषों प्रतिमाओं को अब प्रेरणा स्थल पर किया गया है स्थापित

उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ आज रविवार को संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करेंगे। संसद भवन परिसर के अंदर हमारे देश के महापुरुषों एवं महान स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं। उनका हमारे देश के इतिहास में, हमारी संस्कृति में, हमारे स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ये प्रतिमाएं परिसर में अलग अलग स्थानों पर स्थित थीं जिससे आगंतुकों को इनके दर्शन करने में कठिनाई होती थी। इसलिए संसद भवन परिसर के अंदर इन प्रतिमाओं को एक ही स्थान पर स्थापित करने के उद्देश्य से प्रेरणा स्थल का नर्मािण किया गया है ताकि संसद भवन परिसर में आने वाले विशष्टि व्यक्ति एवं अन्य आगंतुक इन प्रतिमाओं का एक नश्चिति स्थान अर्थात प्रेरणा स्थल पर सुविधाजनक रूप से दर्शन कर सकें, उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दे सकें। उन प्रतिमाओं के समीप नयी टेक्नोलॉजी के माध्यम से उन महापुरुषों की जीवनगाथा, उनके सन्देश को भी आगंतुकों के लिए उपलब्ध कराने की कार्य योजना बनायी गयी है ताकि सभी को उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा मिले।

अमेरिकी सेना ने हूती विद्रोहियों के कई रडार केंद्रों को हवाई हमले में उड़ाया

दुबई (एजेंसी)। अमेरिका की सेना ने यमन के हूतियों पर जबरदस्त एयरस्ट्राइक की है। इसमें हूती विद्रोहियों के कई रडार ध्वस्थ हो गए हैं। बताया जा रहा है कि यूएस आर्मी के हवाई हमले में हूतियों के रडार अड्डों को निशाना बनाया गया। इससे हूतियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियो ने शनिवार को बताया कि हूतिये इन रडार केंद्रों का इस्तेमाल विद्रोहियों द्वारा नौवहन के लिए अहम लाल सागर गलियारे में जहाजों पर हमला करने के लिये कर रहे थे। अमेरिकी सेना की ओर से यह हमला पूर्व में हूती विद्रोहियों के हमले के बाद एक वाणिज्यिक पोत के चालक दल के एक सदस्य के लापता होने के बाद किया गया है। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिकी नौसेना को हूती अभियान का मुकाबला करने के लिए द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अब तक के सबसे भीषण युद्ध का सामना करना पड़ रहा है।

सिक्किम में बारिश भूस्खलन से 9 मरे 1200 पर्यटक फंसे

गंगटोक। उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में लगातार बारिश से बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन के कारण 15 विदेशी नागरिक सहित 1,200 से अधिक पर्यटक फंसे हैं।राज्य में 9 लोगों की मौत हो गई है। संपत्तियों को नुकसान पहुंचा तथा कई क्षेत्रों में सड़क संपर्क, बिजली और खाद्य आपूर्ति तथा मोबाइल नेटवर्क बाधित हो गए। सिक्किम के पर्यटन एवं नागर विमानन विभाग के प्रधान सचिव सी एस राव ने एक बयान में कहा कि सड़क अवरुद्ध हो जाने से लगभग 1,200 घरेलू और 15 विदेशी पर्यटक (थाईलैंड के दो, नेपाल के तीन, बांग्लादेश के 10) मंगन जिले के लाचुंग में फंसे हुए हैं।

वाराणसी में योगाभ्यास

वाराणसी। वाराणसी के नमो घाट पर शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले योग सत्र में शामिल लोग।

दक्षिणी गाजा में घातक हमले में आठ इजराइली सैनिक मारे गए

यरूशलम (एपी)। इजराइली सेना ने शनिवार को कहा कि दक्षिणी गाजा में एक विस्फोट में उसके आठ सैनिकों की मौत हो गई। यह पिछले कई महीनों में किये गये अब तक का सबसे घातक हमला था। शनिवार का यह धमाका दक्षिण शहर रफह में हुआ। इजराइल रफाह को हमास की मजबूत पकड़ वाला आखिरी बड़ा गढ़ मानता है। इस हमले से इजराइली प्रदर्शनकारियों द्वारा की जा रही संघर्ष विराम की मांग को संभवतः बढ़ावा मिलेगा। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अति रूढ़िवादी युवाओं को सैन्य सेवा से छूट देने को लेकर सरकार को व्यापक नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल सात अक्टूबर को हमास और अन्य आतंकवादियों द्वारा किये गये हमले में 1200 लोगों की मौत हो गई थी तथा 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था।

अमेरिका में अब कोरोना के नए वैरिएंट केपी-3 की एंट्री

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में कोरोना के मामलों में फिर से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों ने बताया कि देश में अब नया कोविड वेरिएंट (केपी-3 कोविड स्ट्रेन) सामने आया है। इस वेरिएंट का नाम केपी-3 है जो अब अमेरिका में 25 फीसद से अधिक कोरोना पीड़ितों में पाया गया है। नया वेरिएंट पहले के जेएन-1 वेरिएंट से भी खतरनाक साबित हो रहा है। केपी-3 वेरिएंट ओमिक्रॉन से निकला है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन केपी-3 वैरिएंट (कोरोना न्यू वैरिएंट केपी-3) के खिलाफ कारगर साबित हो रहे हैं। कोरोना की रोकथाम के लिए कोरोना का टेस्ट, वैक्सीन लेना और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों का पालन ही कोरोना के प्रकोप से बचाने में महत्वपूर्ण कदम माना गया है। वहीं, व्यक्तिगत प्रयासों में मास्क पहनना, शारीरिक दूरी बनाए रखना और साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोना या हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करना इसमें शामिल है।

विजिटिंग कार्ड को बोने से उगेगा गेंदे का पौधा, आगंतुकों को देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन पर आज जागरूकता बढ़ी है। पर्यावरण संरक्षण को लिए लोग अलग-अलग उपाय ढूंढ रहे हैं। जैसे-जैसे धरती का तापमान बढ़ता जा रहा है लोगों के अंदर पेड़ पौधरोपण के महत्व को समझ रहे हैं।

एक आईएएस अधिकारी ने पेड़-पौधे लगाने से जुड़े को अनोखी पहल की शुरुआत की है। उन्होंने एक ऐसी विजिटिंग कार्ड की तस्वीर शेयर की है, जिसे मिट्टी में बोने से गेंदे के फूल का पौधा उग सकता है। महाराष्ट्र की सांगली, मिराज, कुपवाड़ा नगर निगम के आयुक्त आईएएस शुभम गुप्ता ने एक विशेष विजिटिंग कार्ड की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की।

विजिटिंग कार्ड में उनका नाम डेजिग्नेशन छपा हुआ है। शुभम गुप्ता ने पोस्ट पर लिखा कि अब जो भी मेरे ऑफिस आएगा। उसे तस्वीर में नजर आ रहा विजिटिंग कार्ड मिलेगा। ये विजिटिंग कार्ड जब उगाया जाएगा तो सुंदर मैरीगोल्ड के पौधे में तब्दील हो सकता है।

साउथ कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का दावा

धरती पर छोटे हो सकते हैं दिन, कम हो रही है पृथ्वी के आंतरिक कोर के घूमने की गति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हम सभी जानते हैं कि 24 घंटे में एक बार दिन और एक बार रात होती है। वहीं दिन और रात को मिलाकर हमारा एक दिन पूरा होता है। वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर दिन की अवधि को लेकर बड़ा दावा किया है। एक शोध के मुताबिक धरती के आंतरिक कोर की घूर्णन गति लगातार कम हो रही है। इसका प्रभाव पृथ्वी की घूर्णन गति पर भी पड़ेगा और दिन की लंबाई छोटी हो जाएगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रक्रिया 2010 से ही शुरू हो गई है और अब दिन की अवधि पहले से ज्यादा हो गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आंतरिक कोर की घूर्णन में परिवर्तन की वजह से दिन 24 घंटे से भी छोटे हो सकते हैं। बता दें कि पृथ्वी की आंतरिक कोर एक ठोस स्फेयर की तरह है जो कि लोहे और निकेल से बनी है। वहीं इसके चारों ओर पिघली हुई धातुओं बेहद गर्म और तरल अवस्था में मौजूद हैं। पृथ्वी की तीन लेयर में मैंटल और क्रस्ट शामिल हैं। वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आंतरिक कोर के बारे में जानकारी सीस्मिक तरंगों के जरिए मिलती है। भूकंप के वक्त रिकॉर्ड किए गए कंपन से यह अध्ययन किया गया है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के नेचर जर्नल में छपे शोध में बताया गया है कि अगर यही ट्रेंड बरकरार रहता है तो दिन की अवधि बदल जाएगी। इसमें सेकंड के एक हिस्से का फर्क आना शुरू हो जाएगा जो कि लगातार बढ़ता ही रहेगा।

ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से लंबे हो रहे दिन

एक अन्य स्टडी में कहा गया था कि ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से पहाड़ों के ग्लैशियर और अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघल रह है और इसकी वजह से भी पृथ्वी का घूर्णन धीमा हो रहा है। इस वजह से दिन लंबे होते जा रहे हैं। रिसर्च में कहा गया था कि इस इफेक्ट को कम करने के लिए धरती की तरल वाली लेयर भी धीमी हो रही है। वहीं ठोस लेयर की गति तेज हो गई है। शोध में कहा गया था कि दिन की मियाद में कुछ लीप सेकंड ही जोड़े जा सकते हैं। 1972 के बाद से कुछ सालों में लीप सेकंड जोड़ने पड़ते हैं। इससे पता चलता है कि पृथ्वी हमेशा एक ही गति से नहीं घूमित है। बता दें कि वैज्ञानिक आंतरिक कोर के घूर्णन पर लगातार नजर रखते हैं। यह पृथ्वी का वह हिस्सा है जो कि 5500 डिग्री सेल्सियस तक गर्म रहता है। वहीं यह हिस्सा हमारे पैरों के नीचे करीब 3 हजार मील दूर है। इंसान चांद का सफर तो कर चुका है लेकिन पृथ्वी के इस हिस्से तक पहुंचना अब भी नामुमकिन है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25